खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :32° C
न्यूनतम : 25° C

देहरादून, शनिवार 28 जून 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 325 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com आषाढ़ शुक्ल पक्ष 2 विक्रमी सम्वत् 2082 2 मुहर्रम 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

छोटे उद्योग अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभः राष्ट्रपति मुर्मू पेज 2

आईसीसी ने क्रिकेट के छह नियमों में किए बदलाव खेल टाइम्स

वो आपातकाल था तो ये क्या है... संपादकीय

ईरान को 2.5 लाख करोड़ देने की तैयारी में अमेरिका पेज 12

डोनाल्ड ट्रम्प के दोहरे मुखोटे से कई देश दुखी

अमेरिकी राष्ट्रपति का दावाः चीन से बड़ा समझौता भारत से होगा

वाशिंगटन, वार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि व्हाइट हाउस ने एक दिन पहले चीन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और आने वाले दिनों में भारत के साथ इससे भी बड़ा एक और समझौता हो सकता है।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने ब्लूमबर्ग टीवी को बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। हालांकि उन्होंने और श्री ट्रम्प ने इस समझौते के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। श्री ट्रम्प ने गुरुवार देर रात कहा कि हमने अभी-अभी चीन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कदम मई के शुरू में जिनेवा में अमेरिका-चीन वार्ता के बाद उठाया गया है, जिसके कारण दोनों पक्षों ने बड़े पैमाने पर टैरिफ बढ़ोतरी को स्थगित कर दिया था। इसकी वजह से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को बहुत नुकसान पहुंच रहा था और दोनों देशों के बीच व्यापार प्रभावित हो रहा था। श्री लुटनिक ने कहा कि राष्ट्रपति इन समझौतों को खुद ही पूरा करना पसंद करते हैं। वे समझौता करने वाले हैं। हम एक के बाद एक समझौता करने जा रहे हैं। श्री ट्रम्प ने आगे कहा कि अमेरिका जल्द ही भारत के साथ बहुत बड़ा समझौता कर सकता है, हालांकि उन्होंने इसका खुलासा नहीं किया है।

कृषि सेक्टर में अमेरिका को ज्यादा मार्केट एक्सेस नहीं देना चाहता भारत

नई दिल्ली। भारत नहीं चाहता कि अमेरिकी मांगों जैसे- कृषि और ऑटोमोबाइल सेक्टर को भारतीय मार्केट में ज्यादा जगह मिले, क्योंकि इससे घरेलू कारोबारियों को नुकसान हो सकता है। भारत चाहता है कि डील दोनों देशों के लिए ज्यादा से ज्यादा बैलेंस्ड हो। सूत्रों का कहना है कि कृषि उत्पादों, खासकर मक्का और सोयाबीन पर टैरिफ में छूट की अमेरिकी मांग डील को अटकने वाला मुद्दा बन गया है। खबर है कि भारत अमेरिकी कृषि में प्रचलित जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों के लिए अपने बाजार को खोलने के मामले में सावधानी बरत रहा है।

जज होना नौ से पांच की नौकरी नहींः सीजेआई

नागपुर, वार्ता

- एक जज अकेले काम नहीं कर सकता है
- यह देश की सेवा, लेकिन कठिन काम
- कॉलेजियम पर कहा- जाति और धर्म चयन के मानदंड नहीं

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई का कहना है कि एक जज अकेले काम नहीं कर सकता है। जज होना नौ से पांच की नौकरी नहीं है। यह राष्ट्र की सेवा है, लेकिन यह एक कठिन काम भी है।

सीजेआई गवई छत्रपति संभाजी नगर में बॉम्बे हाईकोर्ट, औरंगाबाद बेंच की एडवोकेट यूनियन की तरफ से रखे गए अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को सभी जजों के सर्वोच्च न्यायालय के रूप में काम करना चाहिए, न कि केवल भारत के मुख्य न्यायाधीश के, इसलिए सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए जाने चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि वे महाराष्ट्र के कोल्हापुर में बॉम्बे हाईकोर्ट की बेंच स्थापित करने की मांग का समर्थन करते हैं। न्याय हर नागरिक को हर कोने में उपलब्ध होना चाहिए। बॉम्बे हाईकोर्ट में वर्तमान में मुंबई की मेन बेंच के अलावा गोवा, औरंगाबाद और नागपुर में सर्किट बेंच हैं। जस्टिस गवई ने कहा कि एक जज को समाज में घुलना-मिलना चाहिए। इससे समाज की समस्याओं व प्रश्नों को समझा जा सकता है और न्याय के माध्यम से उनका समाधान किया जा सकता है। सीजेआई ने कहा कि जब भी हाईकोर्ट की कोल्हापुर बेंच की मांग की गई है, मैंने समर्थन किया। औरंगाबाद बेंच का उदाहरण दिया है। औरंगाबाद बेंच में बॉम्बे बेंच की तुलना में ज्यादा मामले दायर किए जाते हैं। हर सुनवाई के लिए हर किसी के लिए बॉम्बे आना आर्थिक रूप से संभव नहीं है। हर नागरिक को हर कोने में बिना ज्यादा समय और पैसा खर्च किए न्याय मिलना चाहिए।

ब्रिटेन का फाइटर जेट एफ-35बी भारत में ही ठीक होगा

तिरुअनंतपुरम। ब्रिटिश रॉयल नेवी का फाइटर जेट एफ-35 अब भारत में ठीक होगा। इसके लिए ब्रिटेन से 40 इंजीनियरों की टीम और 2 टो व्हीकल आएंगी। टीम फाइटर जेट में आ रही टेक्निकल प्रॉब्लम को ठीक करेगी, जिसके बाद यह ब्रिटेन के लिए उड़ान भरेगा। फाइटर जेट 14 जून की रात केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। लैंडिंग के बाद जेट में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह वापस नहीं जा सका। जेट 13 दिन से एयरपोर्ट पर ही खड़ा है। 918 करोड़ रुपये का यह विमान ब्रिटेन की रॉयल नेवी के एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है। इसे दुनिया भर में सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट में से एक माना जाता है।

विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ यात्रा का शुभारंभ

पुरी। ओडिशा में पुरी स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर के पीठासीन देवताओं, भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का नौ दिवसीय प्रवास शुक्रवार सुबह 'हरिबोल' और 'जय जगन्नाथ' के जयघोष और मंदिर नगरी में मंजीरों की लयबद्ध झंकार के बीच शुरू हुआ। दुनियाभर में विख्यात इस वार्षिक रथ यात्रा देखने के लिए लाखों श्रद्धालु इस तीर्थ नगरी में आए हुए हैं। वे 12वीं शताब्दी के मंदिर के 'लायंस गेट' से गुंडिचा मंदिर तक फैले तीन किलोमीटर लंबे 'बड़ा डांडा' (विशाल मार्ग) ग्रैंड रोड पर एकत्रित हुए।

जगन्नाथ रथयात्रा में डीजे की आवाज से हाथी हुआ बेकाबू

अहमदाबाद। अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शुक्रवार सुबह 10 बजे एक हाथी बेकाबू हो गया और 100 मीटर तक भागा। इसके बाद रथ यात्रा में भगदड़ सी मच गई। लोग इधर-उधर भागते दिखे। बेकाबू हुआ हाथी 17 हाथियों के ग्रुप में सबसे आगे चल रहा था। जानकारी के मुताबिक, हाथी डीजे और सीटी की आवाज से बेकाबू हुआ था। हाथी को वन विभाग के अमले ने दो मादा हाथियों की मदद से काबू में किया। इसके बाद उसे और दोनों मादा हाथियों को जुलूस से हटा दिया गया। बाकी यात्रा में 14 हाथी शामिल हुए।

महादेश्वर हिल्स में बाघिन और चार शावकों की मौत

चामराजनगर। कर्नाटक के माले महादेश्वर हिल्स वन्यजीव अभयारण्य में एक मादा बाघ और उसके चार शावकों की मौत से वन्यजीव प्रेमी काफी आहत हुए हैं। वन मंत्री ईश्वर खांदरे ने इन मौतों की पुष्टि करते हुए इस घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने गुरुवार को एक बयान में कहा कि हम इस घटना से स्तब्ध और दुखी हैं। माले महादेश्वर हिल्स में एक बाघिन और चार शावकों की मौत हो गई है। मैंने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इनकी मौत के कारणों का पता लगाने के लिए वन्यजीव प्रोटोकॉल के अनुसार पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पंजाब में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

मोहाली, वार्ता

- एसएसओसी ने आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा के तीन सदस्य किए गिरफ्तार

पंजाब में मोहाली स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकी मॉड्यूल का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के नाम सहजपाल सिंह और विक्रमजीत सिंह हैं। दोनों अमृतसर ग्रामीण के रामदास के निवासी हैं। इसके अलावा एक किशोर को भी पकड़ा गया है। आरोपियों के पास से दो हैंड ग्रेनेड, एक ग्लॉक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस गिरफ्तारी के साथ एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है जिससे कई निर्दोष लोगों की जान बच गई है। डीजीपी ने कहा कि इस मॉड्यूल को ब्रिटेन में रह रहे निशान सिंह और पाकिस्तान में रह रहे आतंकवादी हरविंदर रिंदा संचालित कर रहे थे। यह समूह अमृतसर क्षेत्र में पुलिस प्रतिष्ठानों पर हमले और लक्षित हत्याओं को अंजाम देने की साजिश रच रहा था। इस संबंध में थाना एसएसओसी मोहाली में भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। जांच जारी है तथा कुछ और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है।

गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां और उनके बॉडीगार्ड की गोली मारकर हत्या

बटाला। पंजाब के बटाला में गुरुवार देर रात को कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया की मां हरजीत कौर और उसके बॉडीगार्ड करणवीर की दो अज्ञात बाइक सवार हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात देर रात बटाला के कादियां टोल बैरियर के पास हुई। जानकारी के अनुसार, करणवीर सिंह और हरजीत कौर स्कॉर्पियो में जा रहे थे। तभी बाइक पर आए हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। हत्या की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। गोली लगने से करणवीर सिंह की घटना स्थल मौत हो गई, जबकि हरजीत कौर गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें बटाला से अमृतसर रेफर किया गया, जहां उन्होंने भी दम तोड़ दिया। मरने वाला बॉडीगार्ड करणवीर सिंह जग्गू के मामा का बेटा बताया जा रहा है।

चीन सीमा पर स्थायी शांति के लिए जटिल मुद्दों का समाधान जरूरीः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, वार्ता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन सीमा पर स्थायी शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने तथा तनाव कम करने के लिए सुव्यवस्थित तंत्र के माध्यम से लंबित जटिल मुद्दों को सुलझाने की जरूरत पर बल दिया है।

श्री सिंह ने चीन के किंगदाओं में गुरुवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक से इतर रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून के साथ द्विपक्षीय बैठक में स्थापित व्यवस्था को पुनः सक्रिय कर सीमा विवादों के स्थायी समाधान पर बल दिया। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि दोनों नेताओं ने भारत-चीन सीमा पर शांति और सौहार्द बनाए रखने की आवश्यकता पर गहन विचार-विमर्श किया।

राजनाथ ने की रूसी समकक्ष के साथ एस-400 प्रणाली और सुखोई-30 के उन्नयन पर चर्चा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रूस के अपने समकक्ष के साथ पहली महत्वपूर्ण बैठक में वायु सेना के बेड़े के प्रमुख लड़ाकू विमान सुखोई -30 के उन्नयन, वायु रक्षा प्रणाली एस-400 और मिसाइलों तथा अन्य महत्वपूर्ण साजो-सामान की खरीद तथा आपूर्ति के बारे में गहन विचार विमर्श किया।

केदारनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड, यात्री फंसे

नई दिल्ली। देश में दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों में बारिश हो रही है। अब तक सामान्य से 12.3 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 26 जून तक देश में सामान्य रूप से 134.3 मिमी होनी चाहिए थी, लेकिन 146.6 एमएम हो चुकी है। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों को जंगल के वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित निकाल रही हैं। इस बीच देश में बारिश के चलते मौतों का आकड़ा भी बढ़ने लगा है। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 7 से ज्यादा लापता हैं।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश: जांच टीम में यूएन अफसर शामिल नहीं होगा

अहमदाबाद, वार्ता

- सरकार ने संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव ठुकराया, ब्लैक बॉक्स का डेटा रिकवर हुआ
- जांच एजेंसी ब्लैक बॉक्स से रिकवर हुए डेटा का विश्लेषण करेगी

अहमदाबाद में 12 जून को हुए एयर इंडिया विमान क्रैश की जांच टीम में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के अधिकारी को शामिल नहीं किया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र की विमानन एजेंसी आईसीएओ (इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन) ने भारत सरकार को अपने एक अधिकारी की मदद देने की पेशकश की थी। यह अधिकारी पहले से ही भारत में मौजूद था, लेकिन भारतीय अधिकारियों ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। इंडिया टुडे ने रिपोर्ट्स के हवाले से ये खबर दी है। वहीं, हादसे के बाद प्लेन का ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर कर लिया गया है। गुरुवार को सरकार ने बताया कि इसका डेटा डाउनलोड हो गया है। अहमदाबाद में हादसे में 241 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक यात्री की जान बच गई थी। वहीं, इस घटना में कुल 270 लोग मारे गए थे। अहमदाबाद प्लेन हादसा में जान गंवाने वाले 251 मृतकों की डीएनए से पहचान हो चुकी है। 245 मृतकों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। आईसीएओ आमतौर पर तब जांच में शामिल होता है जब किसी देश की तरफ से मदद मांगी जाती है। जैसे 2014 में मलेशियन विमान के गिरने और 2020 में यूक्रेनी विमान हादसे में। लेकिन इस बार आईसीएओ ने खुद पहल की थी। भारत की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) इस हादसे की जांच कर रही है, लेकिन एएआईबी ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की। आईसीएओ की तरफ से भी अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हादसे के बाद प्लेन का ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर कर लिया गया है। गुरुवार को सरकार ने बताया कि इसका डेटा डाउनलोड हो गया है। मेमोरी मॉड्यूल का एक्सेस भी मिल गया है। अब जांच एजेंसी ब्लैक बॉक्स से रिकवर हुए डेटा का विश्लेषण (एनालिसिस) करेगी। इससे हादसे के कारणों का पता चलेगा। इससे पहले 24 जून को नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने बताया था कि ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए विदेश नहीं भेजा जा रहा। इसकी जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) कर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, क्रैश प्लेन से दो ब्लैक बॉक्स (सीवीआर और डीएफडीआर) सेट मिले हैं। इनमें हादसे के समय पायलटों की बातचीत और विमान की तकनीकी जानकारी का रिकॉर्ड मिलेगा। पहला सेट 13 जून को और दूसरा 16 जून को बरामद किया गया।

रिहाई में देरी पर उप्र को देना पड़ा 5 लाख मुआवजा

शाह टाइम्स ब्यूरो

- कोर्ट ने मुआवजा राशि प्राप्त होने की पुष्टि की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के जमानती आदेश का पालन करने में करीब एक माह की देरी के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को पांच लाख रुपये का मुआवजा देना पड़ा।

न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ के समक्ष उत्तर प्रदेश सरकार के अधिवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि अदालती आदेश का पालन करते हुए संबंधित पीड़ित व्यक्ति को मुआवजा दे दिया गया है। अदालत के समक्ष पीड़ित व्यक्ति के अधिवक्ता ने उक्त मुआवजा राशि प्राप्त होने की पुष्टि की। शीर्ष अदालत ने आरोपी व्यक्ति को जेल से रिहा करने में करीब एक माह की देरी के लिए 25 जून को उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई थी और इसके लिए उसे पांच लाख रुपये का मुआवजा संबंधित पीड़ित व्यक्ति को देने का आदेश दिया था। साथ ही, राज्य सरकार से इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट पेश करने का भी आदेश दिया था। शीर्ष अदालत ने आरोपी को 29 अप्रैल को जमानत दे दी थी, लेकिन उसे गाजियाबाद जिला जेल से 24 जून को रिहा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश आम महोत्सव चार जुलाई से लखनऊ में

लखनऊ(ब्यूरो)। आम के उत्पादन, निर्यात, प्रसंस्करण को प्रोत्साहित किए जाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2025 का आयोजन चार से छह जुलाई के बीच लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में किया जाएगा। प्रदेश के कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने यहां पत्रकारों को यह जानकारी देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आम के उत्पादन में देश में अगृणी राज्य है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 3.25 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में आम की बागवानी की गई, जो देश कुल क्षेत्रफल का 13.5 प्रतिशत है। इसी प्रकार प्रदेश में 61.46 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन हुआ, जो देश कुल उत्पादन का लगभग 27 प्रतिशत है। सहारनपुर, मेरठ, बागपत, बुलन्दशहर, अमरोहा, बारा. बंकी, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, अयोध्या, लखनऊ, प्रतापगढ़, वाराणसी आदि आम उत्पादन वाले प्रमुख जिले है।

जम्मू-कश्मीर के दो वरिष्ठ नेता कांग्रेस में करेंगे वापसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) से जुड़े दो वरिष्ठ नेता कांग्रेस में वापसी करने जा रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पूर्व मंत्री ताज मोहि. उद्दीन और गुलाम मोहम्मद सरूरी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सैयद नसीर हुसैन, जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में आज औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल होंगे। उन्होंने अगस्त 2022 में कांग्रेस छोड़ी थी और आजाद की नव गठित पार्टी डीपीएपी में शामिल हो गए। उन्होंने पिछले साल पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

भाजपा-आरएसएस की सोच संविधान विरोधीः कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

■ कांग्रेस इनके मंसूबों को नहीं होने देगी कामयाब

कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी-भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ-आरएसएस की विचारधारा संविधान विरोधी है, इसलिए बार बार नए संविधान की मांग की जाती रही है, लेकिन अब इसी विचारधारा के लोगों ने सीधा हमला करते हुए संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाने की मांग शुरु कर दी है।

कांग्रेस ने कहा कि भाजपा आरएसएस की संविधान विरोधी सोच अब खुलकर सामने आ गई है इसलिए आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने संविधान की प्रस्तावना में बदलाव करने की मांग की है। होसबोले का कहना है कि संविधान की प्रस्तावना से 'समाजवादी' व 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द को हटाया जाए। पार्टी ने कहा कि यह बाबा साहेब के संविधान को खत्म करने की साजिश है और आरएसएस भाजपा हमेशा यही साजिश करती रही है।

जब संविधान लागू हुआ था, तो आरएसएस ने इसका विरोध करते हुए संविधान को जलाया था। अब एक बार फिर वे साजिश करने में जुट गए हैं, लेकिन कांग्रेस किसी कीमत इनके मनसूबों को कामयाब नहीं होने देगी। इस बीच कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आरएसएस ने कभी भी भारत के संविधान को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया। उसने 30 नवंबर 1949 से ही डा. अंबेडकर, नेहरू और संविधान निर्माण से जुड़े अन्य लोगों पर हमले किए।

कुछ लोग बिगाड़ रहे यूपी का अमन-चैनः अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ इटावा कथावाचक कांड पर सपा मुखिया फिर गरजे

लखनऊ। यूपी के इटावा में कथावाचकों के साथ हुई अभद्रता पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कुछ लोग यूपी का अमन चैन बिगाड़ रहे हैं।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि भाजपा अपने सेट किए हुए प्लांटेड लोगों के उपनाम का दुरुपयोग करके उप्र के पड़ोसी राज्यों से लोगों को लाकर, समाज को बांटनेवाली जो घुसपैठिया राजनीति प्रदेश में कर रही है, उसका सच बच्चा-बच्चा जानता है। उप्र का समाज कुछ नकारात्मक लोगों की गलतियों से बंटेगा नहीं, बल्कि और भी मजबूत होगा। उन्होंने लिखा कि आज क्या उप्र में एक भी ऐसा भाजपाई नहीं है, जिस पर दिल्ली वाले भरोसा कर सकें? शायद ऐसा ही है तभी तो वो बाहर से लोगों को लाकर षड्यंत्र की नई बिसात बिछा रहे हैं। सच तो ये है कि ये लखनऊ वालों के लिए एक ताल ठोंकती चुनौती है कि उप्र को अस्थिर करने के लिए उप्र की सीमा पार से लोग बार बार अंदर आ रहे हैं और प्रदेश का अमन-चैन बिगाड़ कर आराम से वापस चले जा रहे हैं। उप्र की भाजपा सरकार क्या अब अपने प्रदेश की सीमाएं किसी भी अराजक तत्व के लिए खोल देगी। सपा चीफ ने लिखा कि अगर ऐसा है तो उप्र की भाजपा सरकार खुलकर घोषणा कर दे या फिर उन अराजकतावादी तत्वों के खिलाफ एफआईआर करके तुरंत अपनी पुलिस भेजकर गिरफ्तार करवाए। अगर ये नहीं हुआ, तो कल को उप्र की भाजपा सरकार को ठेंगा दिखाते हुए ऐसे और लोग भी आएंगे और उप्र की जनता मान लेगी कि भाजपा सरकार उप्र में कागजी सरकार बनकर रह गई है, न उसके पास कोई नेतृत्व है और न ही उप्र की क़ानून-व्यवस्था और यहां कि शांति के लिए कोई प्रतिबद्धता।

इटावाः हिंसक उपद्रव कांड में गगन यादव समेत 21 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा में कथावाचकों के अपमान के मुद्दे पर दादरपुर गांव में हुए उपद्रव के जिम्मेदार अहीर रेजीमेंट के अध्यक्ष गगन यादव समेत 21 के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इटावा जिले के बकेवर थाने में यह मुकदमा दर्ज किया गया है, मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद पुलिस पूरे प्रकरण को लेकर के गहन जांच करने में जुटी हुई है। गगन यादव के 19 उपद्रवी समर्थक गिरफ्तार भी कर लिए गए है,13 वाहनों को जब्त किया गया है,सभी वाहनों को मोटर एक्ट अधि. नियम में कार्यवाही की गई है। गगन यादव के उपद्रवी सभी समर्थकों को जेल भेज दिया गया है।

2017 से पहले यूपी था असुरक्षितः योगी

युवाओं की प्रतिभा को बनाएंगे प्लेटफॉर्म

लखनऊ, वार्ता

■ इटावा कथावाचक कांड पर सियासत के बीच सीएम का बड़ा बयान
■ हमारे सामने जाति नहीं, प्रतिभा रखती है मायने
■ यूपी का निर्यात आज दो लाख करोड़ तक पहुंच गया

इटावा कथावाचक कांड पर सपा की ओर से लगाए जा रहे गंभीर आरोप के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। सीएम ने बिना नाम लिए सपा पर निशाना साधा। सीएम ने कहा कि 2017 के पहले का यूपी दंगों के रूप में,माफिया , गिरोह के रूप में, बेटी और व्यापारियों के लिए सबसे असुरक्षित प्रदेश के रूप में जाना जाता था। जातीय संघर्ष कराकर , परिवारवाद के नाम पर एक जनपद-एक माफिया देना ही पिछली सरकारों की उपलब्धि रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केवल अपने परिवार के लिए काम करती थीं, पिछली सरकारें, एक जिला एक माफिया देने का काम किया था।

एमएसएमई कार्यक्रम में सीएम योगी उत्तर प्रदेश के हर युवा की प्रतिभा और उसकी ऊर्जा का लाभ हम उत्तर प्रदेश के विकास में लगाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना चाहते हैं, इसलिए हमारे लिए जाति मायने नहीं रखती, हमारे लिए तो उसकी प्रतिभा को एक प्लेटफार्म उपलब्ध करवाने की है और सीएम युवा स्कीम उसी का हिस्सा है। सीएम ने विश्व एमएसएमई दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई नई पहल का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लिए युवाओं की जाति नहीं, उनकी प्रतिभा मायने रखती है।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों को जातिगत संघर्ष कराने से फुरसत नहीं थी, युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा किया गया। उन्होंने कहा कि यूपी का निर्यात आज दो लाख करोड़ तक पहुंच गया है। प्रति व्यक्ति आय भी 46 हजार से बढ़कर 1 लाख 20 हजार पहुंची है। डबल इंजन सरकार में यूपी की जीडीपी 12 लाख 75 हजार करोड़ से बढ़कर 31 लाख करोड़ रुपये हुई। जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर भेदभाव को समाप्त कर डबल इंजन सरकार ने सभी को समान अवसर प्रदान किए।

अब बायोमीट्रिक हाजिरी लगाने पर ही होगी शादी

लखनऊ। कमजोर वर्ग की बेटियों को विवाह में सहयोग देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को योगी सरकार ने और अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जनहितकारी रूप दे दिया है। इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष एक लाख से अधिक जोड़ों के विवाह कराने का लक्ष्य तय किया है। इस योजना को सख्त निगरानी और तकनीकी माध्यम से जोड़ते हुए लाभार्थियों तक पहुंचाने की व्यापक रणनीति बनाई गई है। इसके साथ ही बायोमीट्रिक उपस्थिति अनिवार्य कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने योजना में वित्तीय सहायता राशि को दोगुना किए जाने के बाद अब इस योजना की निगरानी व्यवस्था को भी और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। सरकार वित्तीय वर्ष 2025-26 से हर जोड़े पर एक लाख रुपये खर्च कर रही है। मुख्यमंत्री ने कई बार कहा है कि यह योजना सिर्फ विवाह कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान, पारदर्शिता और जरूरतमंदों को सशक्त करने की दिशा में एक सार्थक कदम है। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि सरकार ने जनपदों में आब्जर्वर तैनात करने का निर्णय लिया है। इसके तहत एक जिले के समाज कल्याण अधिकारी को दूसरे जिले में आब्जर्वर के रूप में भेजा जाएगा।

अमृत काल में विदेश भेजने के नाम पर रूसी सेना में भर्तीः कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

■ युवाओं से भारी भरकम राशि वसूल की

कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'अमृत काल' में विदेश भेजने के नाम पर जमकर धंधा चल रहा है और देश के युवाओं से भारी भरकम राशि वसूल कर उन्हें धोखे से यूक्रेन से लड़ने के लिए रूसी सेना में भर्ती कराया जा रहा है।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष तथा पार्टी के लोकसभा सांसद अर्मा. रंदर सिंह राजा बरार ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी के 'अमृत काल' में जिस तरह के काम हो रहे है, वह बेहद चिंताजनक है। उनका कहना था कि देश के युवाओं को विदेश जाने के नाम पर बहला फुसला कर उनसे मोटी रकम ऐंठी जा रही है और उन्हें धोखे से रूस भेजकर सेना में भर्ती कर सीधे युद्ध के मैदान में भेजा जा रहा है। पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने इस दौरान जगदीप और खुशबू यादव का परिचय कराते हुए कहा कि इन दोनों के भाई लोग डेढ़ साल से रूस में लापता हैं। उनका कहना था कि दिसम्बर 2023 को 126 लोग एजेंट के माध्यम से विदेश गए थे। वे लोग सिंगापुर, मलेशिया और इटली जाना चाहते थे, लेकिन उनको मॉस्को भेज दिया गया। जगदीप के अनुसार एजेंट के माध्यम से पांच लोग मॉस्को गए थे और इसके बदले उनसे 35 लाख 40 हजार रुपए दिए लेकिन उन्हें इटली भेजने की बजाय मॉस्को भेज दिया गया। उसके बाद मॉस्को की सरकार ने इन लोगों को सेना में भर्ती करा दिया और 15 दिन की ट्रेनिंग देकर उन्हें मशीन गन पकड़ा दी गई। उन्होंने कहा कि इन 126 लोगों में 14 लोग लापता हैं, जिनमें से करीब 100 लोग वापस आ गए हैं, क्योंकि कुछ लोगों को गोली लग गई।

सेंसेक्स 84058.90
निफ्टी 25637.80

सोना रु. 98040
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 107900
प्रति किलो

अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के संकेत से चढ़ा बजार

मुंबई, वार्ता

अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के संकेतों से यूरोपीय बाजार की तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, ऊर्जा, तेल एवं गैस, पावर और सर्विसेज समेत 16 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में आज लगातार चौथे दिन मजबूती रही।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 303.03 अंक की छलांग लगाकर करीब नौ महीने के उच्चतम स्तर और 84 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 84058.90 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले यह 01 अक्टूबर 2024 को 84,266.29 अंक पर रहा था। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 88.80 अंक की बढ़ोतरी लेकर 25637.80 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.38 प्रतिशत मजबूत होकर 46,541.25 अंक और स्मॉलकैप 0.54 प्रतिशत उछलकर 54,249.40 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4165 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2251 में लिवाली जबकि 1760 में बिकवाली हुई, वहीं 154 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए राखी गई कुल 2986 कंपनियों के शेयरों में से 1681 में तेजी जबकि 1229 में गिरावट रही वहीं 76 में टिकाव रहा। बीएसई के 16 समूहों में तेजी का रुख रहा। कमोडिटीज 1.11, ऊर्जा 1.10, एफएमसीजी 0.14, वित्तीय सेवाएं 0.35, हेल्थकेयर 0.69, इंडस्ट्रियल्स 0.54, दूरसंचार 0.90, यूटिलिटीज 0.99, ऑटो 0.30, बैंकिंग 0.39, कैपिटल गुड्स 0.83, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.40, धातु 0.37, तेल एवं गैस 1.21, पावर 1.14 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.17 प्रतिशत चढ़ गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.45, जर्मनी का डैक्स 0.71 और जापान का निक्केई 1.43 प्रतिशत उछल गया। वहीं हांगकांग का हैंगसेंग 0.17 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.70 प्रातिशत लुढ़क गया।

दिल्ली से पटना तक सस्ता हुआ सोना-चांदी

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमत में शुक्रवार को भी भारी गिरावट रही। प्रति 10 ग्राम सोने और प्रति 1 किलोग्राम चांदी के रेट में कमी देखी गई है। शुक्रवार को 24 कैरेट सोने का रेट 98,950 रुपये की जगह 98,940 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। 22 कैरेट सोने का रेट 90,700 रुपये की जगह 90,690 रुपये प्रति 10 ग्राम है। प्रति 1 किलोग्राम चांदी की कीमत में 100 रुपये की गिरावट आई है। ऐसे में चांदी1,08,000 रुपये की जगह 1,07,900 रुपये बिकी। देश के बड़े चार महानगरों दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,090 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,840 रुपये रही, जबकि मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,940 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,690 रुपये है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,940 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,690 रुपये है, जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,940 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,690 रुपये रही। चांदी की बात करें तो राजधानी दिल्ली में चांदी की कीमत 1,07,900 रुपये प्रति 1 किलोग्राम है, जबकि मुंबई में चांदी की कीमत 1,07,900 रुपये प्रति 1 किलोग्राम है। वहीं कोलकाता में चांदी की कीमत 1,07,900 रुपये प्रति 1 किलोग्राम है, जबकि चेन्नई में चांदी की कीमत 1,17,900 रुपये प्रति 1 किलोग्राम है।

खाद्य तेलों में टिकाव, दालों में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, वार्ता

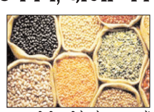

विदेशी बाजारों में तेजी लौटने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि दालों में मिलाजुला रुख रहा, वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 53 रिंगिट बढ़कर 3992 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.14 सेंट की तेजी के साथ 52.67 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनीः मीठे के बाजार में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबा. री दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चना 100 रुपए और दाल चना 100 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गई जबकि मूंग दाल 100 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हो गई। वहीं, मसूर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाजः अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहेः- दाल-दलहनः चना 5700-5800, दाल चना 6700- 6800, मसूर काली 7900-8000, मूंग दाल 9200-9300, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8400-8500 रुपए प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3000-3100 रुपए और चावल 3650-3750 रुपए प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4200-4300, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4350-4450 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेलः सरसों तेल 17033 रुपए, मूंगफली तेल 17948 रुपए, सूरजमुखी तेल 16116 रुपए, सोया रिफाइंड 14102 रुपए, पाम ऑयल 13333 रुपए और वनस्पति तेल 14666 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा है।

रसायनों का छठा सबसे बड़ा उत्पादक है भारत

तिरुवनंतपुरम। भारत वैश्विक स्तर पर छठा सबसे बड़ा रसायन उत्पादक है, जिसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में सात प्रतिशत योगदान है।

कार्बनिक और पदार्थ रसायन विज्ञान की वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए सीएसआईआर-एनआईआईएसटी के निदेशक डॉ. सी. आनंदधर्मकृष्णन ने इस क्षेत्र में नवाचार को गति देने के लिए जलवायु-स्मार्ट, कम कार्बन रसायन विज्ञान और एआई और स्वचालन जैसी प्रौद्योगिकियों के एकीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संस्थान के रासायनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रभाग (सीएसटीडी) द्वारा आयोजित कार्बनिक और पदार्थ रसायन विज्ञान में प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एओएमसी-2025) का उद्घाटन करते हुए यह बात कही, जो वैज्ञानिक उत्कृष्टता के 50 वर्षों के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती कॉन्क्लेव श्रृंखला का हिस्सा है। दो दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य अग्रणी वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और युवा शोधकर्ताओं को एक साथ लाना है, ताकि वे कार्बनिक और पदार्थ रसायन विज्ञान के क्षेत्र में हालिया प्रगति और उभरते रुझानों पर चर्चा कर सकें। भारत के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र के विकास पर विचार करते हुए आईआईएससी बैंगलोर के प्रोफेसर और सीएसआईआर-सीडीआरआई के पूर्व निदेशक प्रोफेसर टीके चक्रवर्ती ने युवा पीढ़ी को आज उपलब्ध उपकरणों और बुनियादी ढांचे का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 697.9 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी गिरावट होने से 20 जून को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.02 अरब डॉलर कम होकर 697.स9 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.3 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 698.9 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार 20 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 35.7 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 589.1 अरब डॉलर पर आ गई।

छोटे उद्योग अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तम्भ

अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस समारोह के उद्घाटन पर बोलीं राष्ट्रपति

नई दिल्ली, वार्ता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छोटे उद्योगों को भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ करार देते हुए कहा है कि ए रोजगार सृजन के साथ साथ सामाजिक समावेशन को भी बढ़ाते हैं।

मुर्मू ने शुक्रवार को यहां अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2025 के समारोह का उद्घाटन करने के बाद कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग देश की अर्थव्यवस्था के एक मजबूत स्तंभ हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग न केवल देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर नवाचार को भी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि छोटे उद्योग महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण क्षेत्रों तथा वंचितों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर सामाजिक समावेशन को भी बढ़ाते हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी, राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार के साथ-साथ मंत्रालय के अधिकारी भी मौजूद थे। आंकड़ों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि छोटे उद्योगों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30 प्रतिशत, विनिर्माण में 36 प्रतिशत और निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान रहा है। यह क्षेत्र कृषि के बाद रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। इस क्षेत्र से पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। इस तरह यह क्षेत्र कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण और विकास के विकेन्द्रीकरण से समावेशी विकास में मदद करते हैं। छोटे उद्योग क्षेत्र देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि छोटे उद्योगों के समक्ष वित्त की समस्या के साथ साथ बघे कंपनियों से प्रतिस्पर्धा, अत्याधुनिक तकनीक की कमी, कच्चे माल और कुशल मानवश्रम की कमी, सीमित बाजार और भुगतान में देरी की दिक्कतें हैं। उन्होंने कहा कि छोटे उद्योगों को इन चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाने के लिए सरकार ने कुछ नीतिगत बदलाव किए हैं।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी, जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हाईकोर्ट से स्टे हटा, हफ्तेभर आगे खिसके पंचायत चुनाव

निर्वाचन आयोग को 3 दिन बढ़ाते हुए तिथियां जारी करने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों पर लगी रोक हाईकोर्ट ने हटा ली है। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में आरक्षण रोस्टर निर्धारण के खिलाफ दायर विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने चुनाव पर लगी रोक हटा दी।

राज्य चुनाव आयोग से पूर्व में जारी चुनाव कार्यक्रम को तीन दिन आगे बढ़ाते हुए चुनाव कार्यक्रम जारी करने को कहा है। साथ ही सरकार को याचिकाकर्ताओं द्वारा उठाये गए मुद्दों पर तीन हफ्ते के भीतर जबाव देने के भी निर्देश दिए। हाईकोर्ट के पंचायत चुनावों से रोक हटाने और राज्य निर्वाचन आयोग को तीन दिन आगे बढ़ाते हुए नया कार्यक्रम जारी किए जाने के निर्देश से करीब हफ्तेभर चुनाव आगे खिसक गए हैं। क्योंकि 21 जून को जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 25 से 28 जून तक नामांकन होने थे, शुक्रवार 27 जून को हाईकोर्ट ने चुनाव प्रक्रिया से रोक हटाते हुए तीन दिन बढ़ाकर नया कार्यक्रम जारी करने के आदेश दिए हैं। लेकिन देर शाम खबर लिखे जाने तक भी चुनाव आयोग ने नया कार्यक्रम जारी नहीं किया था।

■ 23 जून को हाईकोर्ट ने लगाई थी रोक, 27 जून को रोक हटाई ■ 25 से 28 जून तक होने थे नामांकन, अब होंगी नई तिथियां जारी

ये था याचिका में मामला

बता दें शुक्रवार को सुनवाई में ब्लाक प्रमुख सीटों का आरक्षण निर्धारित करने व जिला पंचायत अध्यक्ष सीटों का आरक्षण निर्धारित न करने पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। कोर्ट को बताया गया कि ब्लॉक प्रमुख व जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव एक ही तरह से होता है। एक याची ने कोर्ट को बताया कि देहरादून के डोईवाला ब्लॉक में ग्राम प्रधानों के 63 फीसदी सीटें आरक्षित की गई हैं। मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खण्डपीठ के समक्ष याचिकाकर्ताओं की ओर से आरक्षण रोस्टर में कई सीटों के लंबे समय से एक ही वर्ग को प्रतिनिधित्व मिलने का उल्लेख करते हुए इसे संविधान के अनुच्छेद 243 व सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय समय पर दिए आदेशों के खिलाफ बताया । महाधिवक्ता व मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने सरकार का पक्ष रखते हुए बताया कि पिछड़ा वर्ग समर्पित आयोग की रिपोर्ट के बाद आरक्षण रोस्टर को शून्य घोषित करना व वर्तमान पंचायत चुनाव को प्रथम चरण माना जाना आवश्यक था।

पंचायत चुनाव पर कोर्ट का निर्णय स्वागत योग्यः भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने पंचायत चुनाव पर आए हाईकोर्ट के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण सरकार चुनने का रास्ता साफ होने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि चुनाव की राह मे रोड़े अटका रही कांग्रेस ने सरकार पर उल्टे चुनाव न कराने के आरोप लगाए, लेकिन कोर्ट के निर्णय से उसके मुँह पर भी तमाचा लगा है।

भट्ट ने कहा कि सरकार, जनता और भारतीय जनता पार्टी सभी शुरुआत से चुनाव के पक्ष में रहे हैं। वहीं धामी सरकार निष्पक्ष, जन भावनाओं के अनुरूप तथा पारदर्शिता के साथ चुनाव के लिए प्रयासरत रही। लेकिन कांग्रेस निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए जारी प्रक्रिया के खिलाफ रोड़े अटकाती रही। अदालत मे कांग्रेस ने अपने काल के अधिवक्ताओं सहित वकीलों की फौज खडी कर दी। लेकिन अदालत मे सभी तथ्यों के सामने आने के बाद कांग्रेस की मंशा सफल नही हो पायी। आखिरकार धामी सरकार की पारदर्शी और जनपक्षीय कोशिशों की जीत हुई।

कांग्रेस शुरुआत से चुनाव विरोधी, न्यायिक बाधाओं के पीछे भी उनका ही रोल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेसी किंतु परंतु पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस तो पहले से पूरी चुनाव प्रक्रिया पर ही प्रश्न खड़े करती आ रही है। पहले कहते थे भाजपा और सरकार चुनाव से डर रही है, जब घोषणा हुई तो न्यायलय में लगाई याचिकाओं से प्रक्रिया पर लगी रोक को अपनी जीत बताने लगी। उन्होंने आरोप लगाया कि दरअसल कांग्रेस कभी भी चुनाव के पक्ष में नहीं थी। साथ ही आशंका व्यक्त करते हुए कहा, मुझे कहने में कोई संकोच नहीं कि चुनाव बाधित करने के लिए जो लोग न्यायिक कार्यवाही में गए, उनके पीछे कहीं न कहीं कांग्रेस का महत्वपूर्ण रोल है।

सत्ताधारी दल को लाभ पहुंचाने को आरक्षण का रोस्टर शून्य कियाः माहरा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर आज उत्तराखंड उच्च न्यायालय में एक महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। न्यायालय ने राज्य सरकार को अंतरिम राहत देते हुए पंचायत चुनाव संपन्न कराने की अनुमति प्रदान की है। हम न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हैं, लेकिन यह निर्णय हमारे लिए निराशाजनक भी है, क्योंकि जिन बिंदुओं को लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार अपनी चिंता जता रही थी और जिन प्रश्नों को सरकार व राज्य निर्वाचन आयोग के समक्ष उठाया गया था, वे सभी अब तक अनुत्तरित हैं।

सरकार ने जिस प्रकार से गलत नीयत से आरक्षण का रोस्टर शून्य कर नया आरक्षण लागू किया है, वह पूर्णतः अनुचित है और इसका उद्देश्य केवल सत्ताधारी दल को लाभ पहुंचाना है। इसके कारण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाएं और सामान्य वर्ग सभी प्रभावित हुए हैं। बहुत से लोग ऐसे होंगे जो जीवनभर चुनाव लड़ने के अधिकार से वंचित रह जाएंगे। भविष्य में उनकी आयु इस स्तर तक पहुंच जाएगी कि वे फिर कभी चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। यह निर्णय त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मूल भावना को ठेस पहुंचाने वाला है, और धामी सरकार इसमें सफल रही है। यहां यह बताना आवश्यक है कि कांग्रेस पार्टी पंचायत चुनाव को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

जमरानी व सौंग बांध परियोजना कार्यों में तेजी लाएंः धामी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि जमरानी बांध बहुद्देशीय परियोजना और सौंग बांध पेयजल परियोजना के कार्यों में और तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के तहत होने वाले कार्यों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए।

जमरानी बांध परियोजना के कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य जून 2029 तक रखा गया है, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इसे दिसम्बर 2028 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। सौंग बांध परियोजना को भी निर्धारित अवधि मार्च 2030 से पहले पूर्ण करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। बैठक में प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव एसएन पाण्डेय, युगल किशोर पंत, अपर पुलिस महानिदेशक एपी अंशुमन व अपर सचिव बंशीधर तिवारी मौजूद थे।

■ जमरानी बांध जून 2029 तक व सौंग बांध परियोजना मार्च 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य

जमरानी बांध बहुद्देशीय परियोजना

लगभग 3808 करोड़ लागत की इस योजना के तहत 150.6 मी. ऊंचे बांध का निर्माण, 42.92 किमी लम्बी नहर का पुनर्निर्माण व 21.25 किमी लंबी नई नहर का निर्माण कार्य किया जाना है। इस परियोजना के तहत हल्द्वानी शहर व उसके समीपवर्ती क्षेत्रों की भविष्य की लगभग 10.50 लाख आबादी के लिए 117 एमएलडी पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। इस परियोजना में बनने वाली 9 किमी. लम्बी झील से एक नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित होगा तथा लगभग 57 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन होगा।

सौंग बांध पेयजल परियोजना

लगभग रू. 2492 करोड़ लागत की इस योजना के तहत 130.60 मी. ऊंचे बांध का निर्माण एवं 1.5 मी. व्यास की 14.70 किमी. लम्बी जल वहन प्रणाली का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा 85 किमी. जल वितरण प्रणाली एवं 150 एम.एल.डी. जल शोधन संयंत्र का निर्माण भी इस परियोजना के तहत किया जाना है। इससे भविष्य में देहरादून शहर एवं उपनगरीय क्षेत्रों की वर्ष 2053 तक अनुमानित लगभग 10.65 लाख की जनसंख्या के लिए 150 एम.एल.डी. ग्रेविटी से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी। इस बांध निर्माण से बनने वाली 3.5 किमी. लम्बी झील को एक नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जायेगा।

सीएम धामी पहुंचे एम्स ऋषिकेश

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को एम्स, ऋषिकेश पहुंचकर जनपद रुद्रप्रयाग में हुई बस दुर्घटना में घायल यात्रियों का हालचाल जाना और चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि सभी घायलों का समुचित और त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने घायलों एवं उनके परिजनों को राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद का भी भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। गौरतलब है कि रुद्रप्रयाग बस दुर्घटना में घायलों को मुख्यमंत्री के निर्देश पर एयर एंबुलेंस के माध्यम से एम्स लाया गया था। जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

सर्च अभियान में एक शव बरामद, आठ अभी भी लापता

पुलिस, फायर सर्विस, एसडीआरएफ, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में संयुक्त रेस्क्यू अभियान जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। बद्रीनाथ हाईवे के घोलतीर में हुए टेम्पो ट्रेवलर हादसे में अलकनंदा नदी से एक शव बरामद किया गया। अब लापता यात्रियों की संख्या आठ हो गई है, जबकि आठ घायलों का इलाज चल रहा है। वाहन में चालक सहित बीस लोग सवार थे।

बीते बृहस्पतिवार को बद्रीनाथ हाईवे के घोलतीर में मिनी बस हादसा हो गया। मिनी बस राजमार्ग से गिरकर अलकनंदा नदी में समा गई। घटना के पहले दिन जहां दो शव घटना स्थल में मिले तो सायं के समय एक शव धारी देवी मंदिर के पास मिला। ऐसे में पहले दिन तीन लोगों के शव बरामद हो पाए। शुक्रवार को पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में पुलिस, एसडीआरएफ, फायर सर्विस, डीडीआरएएफ, जल पुलिस के जवानों ने अलकनंदा नदी किनारे सघन खोजबीन अभियान चलाया। सर्च एंड रेस्क्यू के दौरान एक शव बरामद हुआ है, जबकि अभी भी आठ शवों की तलाश की जा रही है।

शुक्रवार सुबह सात बजे से ही रेस्क्यू अभियान शुरू हो गया। नौ लापता लोगों की खोजबीन के लिए सभी जवानों के संयुक्त सहयोग से घटनास्थल घोलतीर के साथ ही जनपद रुद्रप्रयाग के साथ ही श्रीनगर तक अनेक जगहों पर सर्चिंग की गई। अलग-अलग संभावित स्थानों पर डीप डाइविंग और राफ्ट की मदद से सर्च अभियान चलाया जा रहा है। खोजबीन के दौरान रेस्क्यू टीमों को रतूड़ा क्षेत्र में नदी किनारे एक शव बरामद हुआ। शव को जवानों द्वारा सड़क तक लाया गया, जहां से शव वाहन की मदद से जिला चिकित्सालय भिजवाया गया। पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे ने बताया कि रेस्क्यू के दौरान मिले शव की पहचान संजय सोनी, निवासी उदयपुर, शास्त्री सर्किल राजस्थान उम्र उम्र 55 वर्ष के रूप में हुई। शव का पंचायतनामा व पोस्टमार्टम की कार्यवाही के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। एसपी ने बताया कि अब आठ लापता शवों की लगातार खोजबीन की जा रही है। वहीं, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनएस रजवार ने बताया कि सभी टीमों की मदद से अलकनंदा नदी के सभी संभावित किनारों पर खोजबीन की जा रही है। अभियान लगातार जारी रहेगा। निचले इलाकों को बीते दिन ही सूचना दे दी गई थी कि घोलतीर में बस दुर्घटना हुई है, जिसमें लापता लोगों के पानी में बहकर नीचे आने की संभावना हो सकती है। इसलिए निगरानी रखें। इधर, दुर्घटनास्थल से लेकर श्रीनगर तक के क्षेत्र में विभिन्न प्वाइन्टों पर वॉचरों की नियुक्ति के साथ ही अलकनन्दा नदी में बोट व सोनार की मदद से ढूंढ-खोज का काम जारी है।

सरकारी भूमि में अतिक्रमण न हो इसके लिए मजबूत मैकेनिज्म बनेः सीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ने कहा कि सरकारी भूमि में अतिक्रमण न हो इसके लिए मजबूत मैकेनिज्म बनाया जाय। सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण रोकने और अवैध बिक्री को रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने सरकारी भूमि से अवैध अतिक्रमण को हटाने की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे हटाए जाने की कार्ययोजना बनाए जाने के लिए निर्देश जारी किए जा चुके हैं। इसके अनुपालन के लिए जनपद स्तर पर प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जाय। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर सिंचाई, लोक निर्माण, वन विभाग, राजस्व विभाग की टीम बनाकर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाए जाय। उन्होंने राज्य के मैदानी क्षेत्रों में अतिक्रमण के मामलों को देखने के लिए शासन स्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने के निर्देश प्रमुख सचिव को दिए। उन्होंने हरिद्वार में गंगा किनारे, रुद्रपुर में कल्याणी नदी किनारे और नैनीताल जिले में कोसी आदि नदियों के किनारों पर भी अवैध अतिक्रमण को रोकने के लिए सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सरकारी भूमि को कब्जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने और कूट रचना कर जमीनों के फर्जी दस्तावेज बनाए जाने के मामलों पर भी प्रभावी रोक लगाने के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री धामी ने एडीजी एपी अंशुमान को बाहरी लोगों के सत्यापन के लिए नियम और कड़े किए जाने की अपेक्षा जताई। बैठक में प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, सचिव एस एन पांडेय, एडीजी एपी अंशुमान, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते व अपर सचिव बंशीधर तिवारी मौजूद रहे।

30 सितम्बर तक छात्रों के खाते में भेजें धनराशि : डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को स्कूल ड्रेस, बैग और जूते की खरीद के लिये पैसों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार छात्रों के खातों में 30 सितम्बर तक डीबीटी के माध्यम से धनराशि भेज देगी। इसके लिये विद्यालयी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं। इसके अलावा विद्यालयों में पुस्तकों की खरीद के लिये समिति गठित की जायेगी, जो छात्र-छात्राओं की आवश्यकतानुरूप प्रतियोगी व अन्य पुस्तकों की खरीद का प्रस्ताव विभाग को भेजेगी।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शुक्रवार को विद्यालयी शिक्षा महानिदेशालय स्थित समग्र शिक्षा सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को स्कूली ड्रेस, बैग और जूतों के लिये मिलने वाली धनराशि समय पर उपलब्ध न कराये जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आगामी 30 सितम्बर तक डीबीटी के माध्यम से यह धनराशि सीधे छात्र-छात्राओं के खाते में भेजने के निर्देश दिये। ताकि बच्चों को समय पर स्कूल यूनीफार्म, बैग और जूते मिल सके। डॉ. रावत ने इस बात पर नाराजगी जताई कि कतिपय विद्यालयों में पुस्तक खरीद के नाम पर लापरवाही बरती जा रही है , जिसका खामियाजा छात्र-छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने पुस्तकालयों में छात्रोपयोगी पुस्तकों की खरीद के लिये विद्यालय स्तर पर समिति गठित करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर सचिव विद्यालयी शिक्षा रंजना राजगुरू, महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा दिप्ती सिंह, अपर सचिव एम.एम. सेमवाल, निदेशक एस.सी.ई.आर.टी वंदना गर्ब्याल, निदेशक बेसिक अजय कुमार नौडियाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल सती, एपीडी समग्र शिक्षा कुलदीप गैरोला, अनु सचिव विकास श्रीवास्तव, अपर निदेशक एससीईआरटी पदमेन्द्र सकलानी, पल्लवी नैन, अजीत भण्डारी, बी.पी. मंदोली सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पीजीआई रैंकिंग में सुधार लाएं अधिकारी

राज्य के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) रैंकिंग में सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विद्यालयी शिक्षा महानिदेशक की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने को कहा, जो पीजीआई के विभिन्न मानकों पर राज्य के प्रदर्शन का मूल्यांकन कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करेगी। मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि पीजीआई रैंकिंग स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता का महत्वपूर्ण पैमाना है और इसमें बेहतर प्रदर्शन राज्य की शिक्षा प्रणाली को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकता है। उन्होंने विगत रिपोर्ट में जिन बिंदुओं पर राज्य को अपेक्षित अंक नहीं मिले, उन पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें ताकि आगामी पीजीआई रिपोर्ट में राज्य की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित हो सके।

शेरवुड कॉलेज नैनीताल के वार्षिक समारोह में बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

'समाज के लिए समर्पित जीवन जीने वाले ही इतिहास में किए जाते हैं याद'

राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह ने शेरवुड कॉलेज को बताया जीवंत विरासत

कॉलेज के प्रधानाचार्य अमनदीप संधू ने किया राष्ट्रपति एवं राज्यपाल का स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि छात्र अपने लक्ष्य को संकीर्ण व आत्मकेंद्रित मत बनाएं। उन्होंने कहा समाज व मानवता और राष्ट्र निर्माण के लिए लक्ष्य बनाएं। यदि आप इतिहास में झांकें तो हजार वर्षों में हम किन्हें याद करते हैं केवल उन्हें जिन्होंने समाज के लिए कार्य किया, समाज के लिए जिया और अपना जीवन समाज को समर्पित किया।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह उद्गार शुक्रवार को नैनीताल के प्रतिष्ठित शेरवुड कॉलेज के 156वें स्थापना दिवस पर विद्यार्थियों और गुरुजनों को संबोधित करते हुए व्यकत किए। उन्होंने कहा कि आपको यह भावना आत्मसात करनी होगी कि राष्ट्र सर्वोपरि है। हमें बिना शर्त पूर्ण राष्ट्रवाद को स्वीकार करना होगा कयों कि भारत जो एक अनूठा राष्ट्र है और जिसकी 5000 वर्षों की सांस्कृतिक विरासत है यही उसकी न्यूनतम अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उसकी पहुंच और वहन करने की क्षमता किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए मूलभूत हैं, शिक्षा ईश्वर का वरदान है, अगर आपको गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है तो आप भाग्यशाली हैं। अगर आपको इस प्रकार की शिक्षा 1.4 अरब की जनसंखया वाले देश में मिलती है तो आप सच में विशेषाधिकार प्राप्त हैं। शिक्षा एक महान समतुल्य है। समानता चाहे कानून में हो या अन्यथा उसे सर्वोत्तम रूप से केवल शिक्षा के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षा असमानता, अन्याय पर कठोर प्रहार करती है और यही आप जीवन भर करने वाले हैं। भारत की हाल की यात्रा और विकसित भारत के लक्ष्य की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस सदी में हम केवल साक्षरता की बात नहीं कर रहे हैं।

साक्षरता बहुत पहले भारत के लिए महत्वपूर्ण थी। भारत आज संभावनाओं वाला देश नहीं रहा। जैसे आपकी प्रतिभा को आपके शिक्षकगण आगे बढ़ा रहे हैं वैसे ही भारत की संभावनाओं को प्रतिदिन व्यवहार में लाया जा रहा है। भारत एक उभरता हुआ राष्ट्र है। यह उभार निरंतर है। यह वृद्धि क्रमिक है और यदि मैं पिछले दशक को देखूं तो वैश्विक स्तर पर भारत की आर्थिक प्रगति अभूतपूर्व रही है। अवसंरचना में अद्भुत वृद्धि हुई है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में हम सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। भारत के लिए पिछला दशक विकास का दशक रहा है, प्रगति का दशक रहा है, वैश्विक परिप्रेक्ष्य में एक नई जगह बनाने का दशक रहा है और अब इसे आपको आगे ले जाना है कयों कि विकसित भारत केवल हमारा सपना नहीं हमारा लक्ष्य है। युवाओं को परिवर्तन के प्रेरक के रूप में कार्य करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया भारत की ओर केवल उसके उत्थान के कारण नहीं केवल उसके वैज्ञानिक विकास के कारण नहीं केवल अधोसंरचना विकास के कारण नहीं देख रही है वह भारत की ओर देख रही है कयों कि हमारे पास एक अद्वितीय जनसांयिकीय लाभांश है। हमारे युवाओं की औसत आयु 28 वर्ष है। हम चीन और अमेरिका से 10 वर्ष छोटे हैं और जब हम जनसंखया की संरचना को देखते हैं तो 65 प्रतिशत लोग 35 वर्ष से कम उम्र के हैं। उन्होंने कहा भारत दुनिया में सबसे अधिक स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं वाला देश है, हमारी डिजिटल पहुंच और कनेटिविटी पूरी दुनिया में अद्वितीय है। आपने कई बार सुना होगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बलॉकचेन, मशीन लर्निंग जैसे शबद।

समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने कहा कि शेरवुड कॉलेज केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं बल्कि एक जीवंत विरासत है। इस प्रतिष्ठित संस्थान की 156 वर्षों की गौरवशाली यात्रा भारत के शिक्षा इतिहास में एक अनूठा अध्याय है। यहां से अनेक महान विभूतियों ने शिक्षा प्राप्त कर न केवल जीवन के उच्च आदर्श गढ़े बल्कि अपने.अपने क्षेत्रों में देश का नाम भी रोशन किया।राज्यपाल ने कहा कि शेरवुड कॉलेज न केवल शिक्षा का केंद्र रहा हैए बल्कि यह चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला भी रहा है। इस संस्थान ने ऐसे कई युवा तैयार किए हैं जो संवेदनशील, उत्तरदायी और नेतृत्व में सक्षम हैं। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हर छात्र को यह समझना चाहिए कि उसकी हर कोशिश हर सफलता केवल उसकी व्यक्तिगत उपलबधि नहीं बल्कि राष्ट्र की पूंजी है। जब हम अपने कर्तव्यों का निर्वहन इस भावना के साथ करते हैं कि हम देश के लिए कार्य कर रहे हैं तभी हम सच्चे अर्थों में शिक्षित कहलाते हैं। उन्होंने कहा कि एक विद्यालय से निकलने वाला छात्र जब समाज की समस्याओं को अपनी जिमेदारी मानने लगे तब समझा जा सकता है कि हम सही दिशा में अग्रसर हैं।

कालेज के प्रधानाचार्य अमनदीप संधू ने कालेज परिवार की ओर से देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ समेत सभी अतिथियों व अभिभावकों व अमंत्रित जनों का स्वागत किया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समारोह में स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर आयुक्त कुमाऊँ मंडल व सचिव मुखयमंत्री दीपक रावत, पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊँ रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी वंदना सिंह, पुलिस कप्तान प्रहलाद नारायण मीणा, प्रधानाचार्य शेरवुड कॉलेज अमनदीप सिंह संधू, लॉन्व्यू पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल भुवन त्रिपाठी, सेंट मैरी स्कूल के प्रिंसिपल मंजु शाह, बिरला विद्या मंदिर के प्राधानाचार्य अनिल शर्मा, सेंट जोसेफ कॉलेज के प्रिंसिपल सेबिस्टियन जॉर्ज, आशा फाउंडेशन की चेयरमैन आशा शर्मा, हेम पांडे, बासु शाह सहित अन्य उपस्थित रहे।

घोलतीर बस दुर्घटना: डीएम ने बनाई उच्च स्तरीय जांच कमेटी

जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने कहा, जिले के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों का होगा निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर घोलतीर के समीप गुरुवार को हुई दुखद मिनी बस दुर्घटना में लापता लोगों की खोजबीन शुक्रवार को भी जारी रही। जिलाधिकारी प्रतीक जैन की सीधी निगरानी में सर्च ऑपरेशन का संचालन किया जा रहा है। अभियान में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ और जल पुलिस की छः टीमें विभिन्न स्थानों पर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। रेस्क्यू अभियान को तेज करते हुए प्रशासन द्वारा राफ्टों के माध्यम से 15 किलोमीटर तक का क्षेत्र कवर किया जा रहा है। साथ ही सोनार तकनीक का भी प्रयोग किया जा रहा है, ताकि गहराई रेस्क्यू टीमों को खोजबीन में मदद मिल सके।

जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने शुक्रवार प्रात: स्वयं घटना स्थल का निरीक्षण कर राहत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और टीमों से विस्तृत जानकारी ली और हर स्तर पर प्रभावी तालमेल बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि राहत एवं बचाव कार्यों में आधुनिक तकनीकों की मदद ली जा रही है और प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है ताकि किसी भी पीड़ित परिवार को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए प्रशासन गंभीर एवं सजग है। उन्होंने उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक विशेष समिति गठित की है, जिसमें एआरटीओ, पुलिस, लोक निर्माण विभाग और एनएच के अधिकारी शामिल होंगे।

यह समिति राष्ट्रीय राजमार्गों के सभी संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं की गहन समीक्षा करेगी। साथ ही छोटे से छोटे दुर्घटना संभावित जोन को चिन्हित कर वहां साइनेज, पैराफिट्स और सुरक्षा अवसंरचनाओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

घायलों का बेहतर इलाज, परिजनों से निरंतर संपर्क में प्रशासन

दुर्घटना में घायल हुए आठ लोगों में से चार का इलाज ऋषिकेश स्थित एम्स में और चार का उपचार जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग में चल रहा है। जिलाधिकारी ने स्वयं डीएच में जाकर चारों घायलों का हालचाल जाना। बृहस्पतिवार रात के समय डीएम जिला चिकित्सालय पहुंचे और उन्होंने घायलों का हालचाल जानने के साथ ही चिकित्सकों से घायल मरीतों को बेहतर ट्रीटमेंट देने को कहा। बताया कि सभी घायलों को प्राथमिकता के आधार पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और नियमानुसार उन्हें शीघ्र ही परिजनों को सौंपा जाएगा। प्रशासन प्रभावित परिवारों के सतत संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

वाहन हादसे की मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश

रुद्रप्रयाग। बीते 26 जून को जनपद के अंतर्गत घोलतीर में वाहन संख्या-यूके 08 पीए 7444 दुर्घटनाग्रस्त होकर हाइवे से अलक. नंदा नदी में जा गिरा था। दुर्घटना के बाद जिला मजिस्ट्रेट ने दुर्घटना की मजिस्ट्रीयल जांच के निर्देश दिए हैं। उप जिला मजिस्ट्रेट रुद्रप्रयाग याक्षी अरोड़ा ने बताया कि उक्त वाहन दुर्घटना की मजिस्ट्रीयल जांच उनके स्तर से की जा रही है। उन्होंने आम जनमानस से अपील करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति दुर्घटना से संबंधित जानकारी रखते हों अथवा जानकारी देना चाहते हों, तो एक सप्ताह के भीतर लिखित, मौखिक अथवा डाक द्वारा शपथ पत्र के माध्यम से भी जानकारी कार्यालय उप जिला मजिस्ट्रेट रुद्रप्रयाग में उपलब्ध करा सकते हैं।

राज्यभर में नशा रोकथाम के लिए 15 दिनी छापेमारी अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। राज्य में नशामुक्ति को लेकर चल रही मुहिम को और अधिक प्रभावी और व्यापक बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति की सातवीं बैठक आयोजित की गई। बैठक सभी जिलों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और संबंधित विभागों के अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए। टिहरी जनपद से जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने जिला कलेक्ट्रेट नई टिहरी के वीसी कक्ष से बैठक में भाग लिया।

मुख्य सचिव ने बैठक के दौरान दो टूक कहा कि नशे के विरुद्ध लड़ाई में अब सतही नहीं, बल्कि जड़ तक पहुंचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं की आपूर्ति और मांग की श्रृंखला को तोड़ने के लिए सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी और प्रभावित क्षेत्रों में छापेमारी कर नेटवर्क को ध्वस्त किया जाएगा। इस दिशा में अगले 15 दिनों के भीतर एक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके तहत नशा प्रभावित इलाकों और दुकानों पर सघन छापेमारी की जाएगी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जन-जागरूकता को मिशन मोड में चलाया जाएगा। इसके लिए सोशल मीडिया, यूट्यूबर, इनफ्लुएंसर, रेडियो, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जैसे प्रभावी माध्यमों का इस्तेमाल कर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

चिन्यालीसौड़ में बाघ ने बछड़े और बैल को बनाया शिकार

शाह टाइम्स संवाददाता

चिन्यालीसौड़/ उत्तरकाशी। प्रखंड चिन्यालीसौड़ में अक्सर जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। ताजा मामला चिन्यालीसौड़ के धानपुर व जेस्टवाड़ी का है यहां बाघ ने एक बछड़े व एक बैल का शिकार कर अपना निवाला बना लिया। इस घटना के बाद ग्रामीण काफी सहमें हुए है। उन्होंने वन विभाग से मदद की गुहार लगाई है।

नगर पालिका चिन्यालीसौड़ के वार्ड 6 में गुलाब सिंह अपने पशुओं को रात में घास देकर अपने घर आया तभी वहां घात लगाए बैठे बाघ ने बछड़े पर हमला कर दिया। बाघ के हमलों में बछड़े की मौत हो गई। स्थानीय लोगों का मानना है कि बाघ ने आस- आस पास ही डेरा डाला हुआ है। जिस कारण लोग काफी डरे हुए है। ग्रामीणों को डर है कि कभी भी बाघ उन पर हमला कर सकता है। इसीलिए लोग अपने खेतों की तरफ भी नहीं जा रहे है। ग्रामीणों द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता सुमन बडोनी को रात ही सूचना दी गई जिस पर रात ही बन विभाग धरासू के कर्मचारी घटना स्थल पर पहुंचे । ग्रामीणों ने वन विभाग से इलाके में पिंजरा लगाने की मांग की है। विकासखंड चिन्यालीसौड़ के जेस्टवाड़ी गांव में भी गुरुवार रात्रि जयेंद्र को. हली के बैल पर बाघ ने हमला किया। वन क्षेत्राधिकारी जगमोहन सिंह गंगाडी ने बताया कि बाघ ने अलग अलग समय पर अलग अलग जगह पशुओं पर हमला बोला उन्होंने पिंजरा लगाकर बाघ को पकड़ने की बात कही।

गुलदार की खोज में वन विभाग को अब तक नहीं मिली सफलता

नई टिहरी। प्रतापनगर क्षेत्र के पट्टी भदूरा स्थित ओनालगांव में गुलदार की सक्रियता को लेकर ग्रामीणों की चिंता के बीच वन विभाग द्वारा लगाए गए सुरक्षा उपकरणों और सघन गश्त के बावजूद अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया है। बीते रविवार की शाम गांव में एक चार वर्षीय बालक पर हुए गुलदार के हमले के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ था, लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। वन रेंजर हर्षराम उनियाल ने जानकारी दी कि घटना के तुरंत बाद सोमवार को गांव में गुलदार की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए दो फॉक्स लाइट और तीन ट्रैप कैमरे लगाए गए थे। इनका उद्देश्य गुलदार की लोकेशन को ट्रेस करना और उसकी गतिविधियों को रिकॉर्ड करना था, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि न तो कैमरों में गुलदार की कोई तस्वीर कैद हुई है और न ही गश्त कर रही टीम को गुलदार कहीं दिखाई दिया है। उन्होंने कहा कि विभाग की टीम प्रतिदिन गांव में भ्रमण कर रही है, लेकिन अब तक गुलदार की मौजूदगी का कोई संकेत नहीं मिला है।

डीएम ने भटवाड़ी में नामांकन और मतगणना कक्षों का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। हाईकोर्ट नैनीताल से स्टे समाप्त होते ही त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां एक बार पुन: तेज हो गई है। शुक्रवार को जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिला अधिकारी प्रशांत कुमार आर्य ने भटवाड़ी ब्लॉक में नामांकन,मतगणना कक्षों एवं स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण।

जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 की तैयारियां जोरों पर है। जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी ने विकासखंड भटवाड़ी मुख्यालय में पंचायत चुनाव के लिए बनाए गए नामांकन कक्ष,मतगणना कक्ष एवं स्ट्रांग रूम का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्ट्रांग रूम से मतपेटियों को मतगणना स्थल तक लाने एवं वापस ले जाने की प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा के पुखग्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाए। उन्होंने बैरिकेडिंग कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के साथ ही मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं पेयजल,शौचालय,विद्युत एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए बनाएं गए रैम्प आदि व्यवस्था को समय रहते चौक करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन कार्य एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है तथा समय से पूर्व त्रुटिरहित एवं सुव्यवस्थित तैयारियां सुनिश्चित की जाएं, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराई जा सके। उसके उपरांत जिलाधिकारी ने विकास खंड कार्यालय भटवाड़ी का भी निरीक्षण कर कर्मचारियों को शासन की मंशा के अनुरूप ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बीडीओ डॉ.अमित ममगाई,तहसीलदार।सुरेश सेमवाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दूल गुसाईं , अपर जिला सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बद्रीनाथ हाईवे से खाई में गिरने से व्यक्ति की मौत

रुद्रप्रयाग। बद्रीनाथ हाईवे के रुद्रप्रयाग स्थित पेट्रोल पंप के पास एक व्यक्ति राजमार्ग से खाई में जा गिरा। एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने खाई में उतरकर व्यक्ति का रेस्क्यू किया, लेकिन तब तक व्यक्ति की मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह लम्बे समय से रुद्रप्रयाग नगर क्षेत्र में भीख मांगकर गुजर बसर कर रहा था। शुक्रवार सुबह के समय रुद्रप्रयाग मुख्यालय स्थित पेट्रोल पंप से कुछ दूरी पर गौचर की ओर जा रहा उमाकांत सेमवाल उर्फ उमा पुत्र स्वर्गीय सदानंद सेमवाल ग्राम चामक-दुर्गाधार राजमार्ग से नीचे गहरी खाई में जा गिरा। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

शराब पीकर वाहन चलाने पर चालक गिरफ्तार, वाहन सीज

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। गोविंदघाट से ऋषिकेश लौट रहे श्रद्धालुओं ने सतर्क रहते हुए अपनी जान बचाई है। शराब पीकर वाहन चला रहें ड्राइवर के खिलाफ यात्रियों ने इसकी शिकायत पुलिस की की। श्रीनगर पुलिस की तत्परता ने एक संभावित हादसे को टाल दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 यात्रियों का एक समूह हेमकुंड साहिब की यात्रा पूर्ण कर टेंपो ट्रैवलर वाहन से गोविंदघाट से ऋषिकेश की ओर लौट रहा था। रास्ते में भोजन के लिए रुकने पर यात्रियों को चालक की गतिविधियों पर संदेह हुआ कि उसने भोजन के साथ शराब का सेवन किया है। शुरुआत में इसे भ्रम माना गया, लेकिन जब वाहन आगे बढ़ा और श्रीनगर की ओर बढ़ने लगा, तो चालक की लापरवाही और असंतुलित ड्राइविंग से उसके नशे में होने की पुष्टि हो गई। ऐसे में श्रीनगर के पास पहुंचते ही यात्रियों ने 112 नंबर डायल कर पुलिस को पूरे घटनाक्रम की सूचना दी। सूचना मिलते ही कुछ ही मिनटों में कोतवाली श्रीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को रोक लिया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि चालक की मेडिकल जांच के बाद उसके नशे में होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद वाहन को बाजार चौकी, श्रीनगर लाया गया।

एमआर उन्मूलन को चलेगा विशेष टीकाकरण अभियान

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में आयोजित मिजिल्स-रूबेला उन्मूलन अभियान की जिला स्तरीय टास्क फोर्स बैठक में अभियान को सफल बनाने को लेकर आगामी जुलाई माह से शुरू होने वाले विशेष टीकाकरण अभियान में निर्माण साइट पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राज्य सर्विलांस अधिकारी डॉ विकास शर्मा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 2026 तक एमआर उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है।

तीन सूत्रीय मांगों पर कार्रवाई न होने पर गुरिल्लाओं में रोष

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। नौकरी, पेंशन और आश्रित हितों को लाभ दिए जाने को लेकर शुक्रवार को एसएसबी गुरिल्ला स्वयंसेवकों की आपातकाल बैठक कीर्तिनगर स्थित भोलू भरदारी पार्क में आहुत की गई। बैठक में कीर्तिनगर ब्लाक, हिंडोलाखाल ब्लाक और श्रीनगर गढ़वाल क्षेत्र के गुरिल्ला शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी अनिल प्रसाद भट्ट ने कहा कि सरकार बीते 19 वर्षों से केवल आश्वासन देती आई है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ब्लाक अध्यक्ष कीर्तिनगर हिम्मत सिंह मेहर ने कहा कि वे शांतिपूर्ण और देशभक्ति भाव से वर्षों से संघर्षरत हैं, लेकिन अब सब्र की सीमा टूट रही है। मीडिया प्रभारी अनिल प्रसाद भट्ट ने कहा कि नैनीताल हाईकोर्ट भी उत्तराखंड के एसएसबी गुरिल्लाओं के पक्ष में निर्णय दे चुका है, जिसमें मणिपुर की तर्ज पर उन्हें नियुक्ति, पेंशन और ग्रेच्युटी देने की बात कही गई थी। मौके पर बृजमो. हन गुसाईं, जवाहर सिंह बिष्ट, दयाल सिंह सजवाण, लक्ष्मी भट्ट, सुंदर मणी पोखरियाल, राजेंद्र भंडारी, रघुवीर समेत अन्य मौजूद रहे।

हर्षिल- मुखवा जांगला मोटर मार्ग बनाने को लेकर सीएम को भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। हर्षिल- मुखवा जांगला सड़क मार्ग की मांग तेज हो गई है। शुक्रवार को गंगा पुरोहितों का एक दल ने अपर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उक्त सड़क मार्ग बनाने की मांग की गई है ।

■ गंगा पुरोहितों ने चेताया जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो करेंगे चुनाव का बहिष्कार

पत्र में चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द सड़क बनाने का आश्वासन नहीं दिया जाता है तो त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का बहिष्कार किया जायेगा। सीएम को भेजे गए ज्ञापन में कहा गया कि माँ गंगा का शीतकालीन आवास मुखवा गांव में हैं। जिसमें जांगला मोटर मार्ग जो 1983 में स्वीकृत किया गया था। लेकिन आजतक सड़क मार्ग नहीं बन पाया है। हर्षिल -मुखवा जांगला मोटर मार्ग की मांग को लेकर गंगा पुरोहितों में लंबे समय से नाराजगी देखने को मिल रही है। गंगा पुरोहितों का कहना है कि अगर हर्षिल मुखवा जांगला मोटर मार्ग पर जल्द कार्य शुरू नहीं किया तो पंचायती चुनाव का मुखवा की जनता और सभी गंगा पुरोहित बहिष्कार करेंगे। गंगा पुरोहितों का कहना है कि हर साल माँ गंगा कि डोली कपाट बंद होने या खुलने पर इसी रास्ते से आवागमन होता है। हर्षिल मुखवा जांगला मोटर मार्ग जो आजादी के 70 वर्ष बाद भी सड़क नहीं बन पाई है। इस मार्ग पर चलते समय बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता हैं। ज्ञापन में संजीव सेमवाल, भूपेंद्र, डा सत्येंद्र सेमवाल, शैलेश सेमवाल, राजेश सेमवाल आदि के हस्ताक्षर थे।

मानसून सीजन को लेकर केदारनाथ यात्रा में बरतें सतर्कता

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने केदारनाथ यात्रा पर आ रहे समस्त श्रद्धालुओं से निवेदन किया कि मानसून सीजन को देखते हुए अत्यंत सतर्कता एवं सावधानी के साथ यात्रा करें। उन्होंने कहा कि पर्वतीय मार्गों पर फिसलन, भूस्खलन और पत्थर गिरने की संभावना बनी रहती है। अत: सभी यात्री प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी की जा रही एडवाइजरी का पालन करें।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से सभी यात्रियों से अपील की कि वे अपने वाहनों की गति धीमी रखें और किसी भी स्थिति में लापरवाही न बरतें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सभी वाहन चालकों को पर्याप्त विश्राम के उपरांत ही यात्रा आगे बढ़ानी चाहिए, जिससे दुर्घटनाओं की संभावनाएं न्यूनतम की जा सकें। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए है कि संवे. दनशील स्थलों पर क्रश बैरियर्स, चेतावनी बोर्ड, पैराफिट्स, बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा कर्मियों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन सतर्क

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद टिहरी के नरेंद्रनगर तहसील सभागार में शुक्रवार को जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और यात्रा की तैयारी से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अगले तीन से चार दिनों के भीतर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण की जाएं, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या अव्यवस्था उत्पन्न न हो।

बैठक के दौरान सीओ नरेंद्रनगर सुरेंद्र सिंह ने गंगोत्री और नीलकंठ कांवड़ यात्रा मार्गों की स्थिति, पैदल यात्रा के रास्ते, डाक कांवड़ के लिए निर्धारित मार्ग और ट्रैफिक प्लान की विस्तृत जानकारी दी। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह ट्रैफिक प्लान आमजन की जानकारी के लिए प्रसारित किया जाए ताकि स्थानीय लोग और यात्री पहले से अवगत रहें। साथ ही, पुलिस विभाग को निर्देश दिए गए कि जो कांवड़ यात्री निर्धारित मार्ग से हटकर यात्रा करते हैं, उन्हें रास्ते में ही बैरियर से वापस भेजा जाए और रानीपोखरी-गुजराड़ा मार्ग को पूर्ण रूप से बंद कर वन-वे व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए। बैठक में नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती के अधिशासी अधिकारी ने पार्किंग की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी, जिसमें पूर्णानंद स्टेडियम, जिला विकास प्राधिकरण और नगरपालिका की पार्किंग शामिल हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पार्किंग टिकट में पार्किंग स्थान का नाम, पर्ची नंबर और साइनेज स्पष्ट रूप से दर्ज हो। साथ ही, मुनिकीरेती और तपोवन क्षेत्र में शौचालय, बिजली, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं और निराश्रित पशुओं को पकड़कर गोसदन में भेजा जाए। जिला खाद्य पूर्ति अधिकारी को भंडारों की व्यवस्था पर निगरानी रखने और वहां फायर सेफ्टी, स्वच्छता, फूड सिक्योरिटी, रेट लिस्ट की उपलब्धता और ओवर चार्जिंग जैसी शिकायतों से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

एक नजर ....

शोध छात्र आदर्श पन्त बैंकाक में यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित

श्रीनगर। गढ़वाल विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के शोध छात्र आदर्श पन्त को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यंग साइंटिस्ट अवार्ड पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया। बैंकॉक में जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और पर्यावरणीय चुनौतियां जैसे विषयों पर केंद्रित है। इसका आयोजन एरोसोल, वायु गुणवत्ता एवं क्लाइमेट रिसर्च सोसायटी समेत सुआन सुनंदा राजभट्ट वि वि (बैंकाक), भारतीय स्पेक्ट्रोस्कोपी सोसायटी (नई दिल्ली), भारतीय सामाजिक विकास संघ(भोपाल) तथा डॉ. बीआर अंबेडकर कालेज (मैनपुरी, उत्तर प्रदेश) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सम्मेलन में आदर्श पन्त ने चमोली जनपद में जनसंख्या प्रवास से संबंधित कारकों पर शोध पत्र पढ़ा। इस सम्मेलन में गढ़वाल विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के प्रो. बीपी नैथानी के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे है।

बेस चिकित्सालय में कार्डियो ओपीडी आज

श्रीनगर। राजकीय मेडिकल कालेज के टीचिंग बेस चिकित्सालय में आज (कल) कार्डियो ओपीडी लगाई जायेगी। मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. आशुतोष सयाना ने बताया कि दून अस्पताल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अमर उपाध्याय हृदय रोग से सम्बंधित मरीजों को उपचार एवं परामर्श देंगे।

श्रीनगर में एसडीआरएफ की टीम का रेस्क्यू आपरेशन जारी

श्रीनगर। जनपद रूद्रप्रयाग के घोलतीर में हुई टैंपो दुर्घटना के बाद श्रीनगर में एसडीआरएफ, जल पुलिस और 40 पीएसी की टीम लगातार सर्च ऑपरेशन में लगी हुई है। बीते दिन गुरूवार को रूद्रप्रयाग के पास घोलतीर में एक टैंपो ट्रेवलर दुर्घटनाग्रस्त होकर अलकनंदा नदी में समा गया था। जिसमें सवार 10 यात्री अलकनंदा नदी में बह गये थे। जिसमें से तीन शवों को बरामद कर लिया गया है। जबकि अन्य की खुजबीन के लिए अलग-अलग स्थानों पर एसडीआरएफ, जल पुलिस रेस्क्यू आपरेशन चला रही है। इंस्पेक्टर मंजरी नेगी ने बताया कि शुक्रवार को भी लगातार रेस्क्यू आपरेशन चलाया जा रहा है, लेकिन अभी तक कोई भी शव बरामद नहीं हुआ है। बताया कि एसडीआरएफ, 40 पीएसी हरिद्वार, पुलिस प्रशासन लगातार राफ्ट और दूरबीन की मदद से डुंगरीपंथ, फरासू सहित जीवीके झील में लगातार सर्च आपरेशन चला रही है।

विभिन्न सामाजिक संगठनों ने दी स्व. कुंजबिहारी को श्रद्धांजलि

श्रीनगर। राज्य आंदोलनकारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष पौड़ी स्व.कुंज बिहारी नेगी के निधन पर शुक्रवार को डालमिया धर्मशाला में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस मौके पर विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रीनगर नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णानंद मैठाणी ने कहा कि स्व. कुंजबिहारी नेगी सामाजिक कार्यों में ही नहीं,बल्कि शैक्षिक और सांस्कृतिक आंदोलनों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गढ़वाल विश्वविद्यालय की स्थापना को एक जन आकांक्षा का प्रतीक मानते हुए वक्ताओं ने बताया कि स्व.कुंजबिहारी नेगी ने स्वामी मनमंथन के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक आंदोलन का नेतृत्व किया,जिससे गढ़वाल क्षेत्र की पहचान और शैक्षिक प्रगति को एक नई दिशा मिली। इस अवसर पर गढ़वाल विश्वविद्यालय की पूर्व कुलसचिव प्रो.पीएस राणा एवं पर्वतीय विकास शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ.अरविंद दरमोड़ा ने गढ़वाल विश्वविद्यालय के किसी सभागार का नाम स्व.कुंज बिहारी नेगी के नाम पर किए जाने की मांग की। बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति से मिलकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। कार्यक्रम में प्रगतिशील जन मंच के संयोजक अनिल स्वामी, वीरेंद्र सिंह नेगी, सुरज घिल्डियाल, भगवती प्रसाद पुरी, हीरालाल जैन, बीपी वशिष्ठ, झाबर सिंह रावत, मेजर राजेंद्र रावत, डॉ.योगेंद्र कांडपाल, सुरेंद्र उनियाल, चंद्रपाल सिंह नेगी, प्रकाश बुटोला, मुकेश अग्रवाल, डॉ.प्रदीप अणथ्वाल, डॉ.अरुण ने स्व. कुंजबिहारी नेगी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

रेल सेवा का नाम कण्वनगरी एक्सप्रेस रखने की मांग उठाई

कोटद्वार । डू समथिंग सोसाइटी ने आनंद विहार से कोटद्वार के लिए संचा. लित होने वाली रेल सेवा का नाम कण्वनगरी एक्सप्रैस रखने की मांग की है। कहा कि इससे क्षेत्र में पर्यटन व्यवसाय बढ़ेगा। इस संबध में सोसाइटी संरक्षक प्रकाश कोठारी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रेषित ज्ञापन में कहा गया है कि सोसाइटी की ओर से पूर्व में भी गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी के माध्यम से केंद्रीय रेलमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। कहा कि कण्वाश्रम को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के अंतर्गत यह प्रयास भी लाभकारी साबित हो सकता है। इससे बाहरी क्षेत्र से आने वाले पर्यटकों में कण्वाश्रम के बारे में जानने की उत्सुकता बढ़ेगी और क्षेत्र में पर्यटन व्यवसाय भी बढ़ेगा।

सेवानिवृत्त सचिवों की बैठक 29 जून को

कोटद्वार । जिला सहकारी समिति के सेवानिवृत्त सचिवों की बैठक का आयोजन 29 जून को होगा। समिति के पूर्व अध्यक्ष सुबोध देवरानी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि डीसीडीएफ कार्यालय में होने वाली बैठक में पूर्व सचिवों की ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण एवं ग्रेड पे को लेकर जिला सहायक निंबधक की सहमति के अनुसार चर्चा की जायेगी।

हाई स्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के मेधावियों को किया सम्मानित

कोटद्वार । उत्तराखंड क्षत्रिय उत्थान संस्था की ओर से नगरनिगम कोटद्वार के घमंडपुर स्थित एक बारातघर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में दुगड्डा ब्लाक के विद्यालयों के इस वर्ष की हाई स्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के मेधावियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर निगम महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, विशिष्ट अतिथि बाल भारती स्कूल के संस्थापक गिरिराज सिंह रावत व क्रेडल प्ले स्कूल की प्रधानाचार्य रेणुका गुसाई ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि नगर निगम महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि आज के छात्र ही कल के देश का भविष्य हैं। छात्रों की उपलब्धियों के आधार पर ही क्षेत्र और विद्यालय को पहचान मिलती है। इसलिए सभी छात्रों को परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए। तत्पश्चात उन्होंने दुगड्डा ब्लाक के विभिन्न विद्यालयों के हाई स्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में अव्वल प्रदर्शन करने वाले 35 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष राजेंद्र सिंह रावत, सचिव डीएस नेगी, मदन सिंह नेगी, राजेंद्र बिष्ट, भारत सिंह भंडारी, उम्मेद सिंह भंडारी और केएस चौहान सहित संस्था के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बेस्ट चैलेंजिंग बाक्सर का खिताब जीतने पर हर्ष

कोटद्वार। हरियाणा के रोहतक में 19 से 25 जून तक आयोजित जूनियर नेशनल बाक्सिंग चौंपियनशिप में उत्तराखंड की टीम में शामिल कोटद्वार छात्रावास के बाक्सरों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। इस दौरान बाक्सर लकी बगड़वाल ने बेस्ट चौलेंजिंग बाक्सर का खिताब जीता। शुक्रवार को स्टेडियम इंचार्ज और बॉक्सिंग कोच श्याम सिंह डांगी ने बताया कि चौंपियनशिप में छात्रावास के बाक्सरों बेस्ट चौलेंजिंग बाक्सर का खिताब जीता। शुक्रवार को स्टेडियम इंचार्ज और बॉक्सिंग कोच श्याम सिंह डांगी ने बताया कि जूनियर नेशनल बॉक्सिंग चौंपियनशिप 19 जून 2025 से 25 जून 2025 तक रोहतक, हरियाणा में चली जिस चौंपियनशिप में उत्तराखंड की टीम से 13 बालकों ने अलग अलग 13 भार वर्गों में प्रतिभाग किया । जिसमें से 5 बालक कोटद्वार छात्रावास से थे, कोटद्वार छात्रावास के लक्की बगड़वाल ने 54 से 57 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया और बेस्ट चौलेंजिंग बॉक्सर का खिताब भी अपने नाम किया । वंश खाती ने 52 से 54 किलोग्राम भार वर्ग में, प्रत्यूष डोभाल ने 57 से 60 किलोग्राम भार वर्ग में, अभय धामी ने 63 से 66 किलोग्राम भार वर्ग में, मयंक नेगी ने 66 से 70 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिभाग किया ।

आढ़त बाजार पुनर्विकास परियोजना के क्रियान्वयन पर मंथन

प्राधिकरण के अधिकारियों सहित परियोजना से प्रभावित दुकानदार भी हुए शामिल

■ एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने की बैठक

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मसूरी देहरादून विकास प्राधिरकण उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने आढत बाजार पूर्नविकास परियोजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बैठक ली। जिसमें परियोजना से प्रभावित दुकानदारों को भी आमंत्रित किया गया। बैठक में कई बिन्दुओं पर चर्चा की गयी।

बैठक में प्राधिकरण सचिव मोहन सिंह बर्निया, संयुक्त सचिव गौरव चटवाल,वित्त नियंत्रक संजीव कुमार, अधीशासी अभि सुनील कुमार, अवर अभि सुनील उपरेती, लेखपाल नजीर अहमद, वास्तुविद प्रशान्त नौटियाल, आढत बाजार एसोशिऐशन के अध्यक्ष राजेन्द्र गोयल, सचिव विनोद गोयल एवं गांधी रोड व आढत बाजार के अन्य दुकानदार उपस्थित रहे।

इन अहम बिंदुओं पर हुई चर्चा

सर्वप्रथम निर्माणाधीन आढत बाजार का प्रस्तुतीकरण वास्तुविद व परामर्श दायी संस्था द्वारा किया गया। जिसमें सभी लाभर्थियों को परियोजना के ले आउट, दुकानों के डिजाइन इत्यादि के विषय में विस्तार पूर्वक अवगत कराया गया। साथ ही प्राधिकरण उपाध्यक्ष को अवगत कराया गया कि आढत बाजार कार्य में 70 प्रतिशत प्लॉटिंग व 90 प्रतिशत पार्किंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

बैठक में यह निर्धारित किया गया कि परियोजना के प्रथम चरण में शासन द्वारा निर्धारित नीति के अनुसार बडे साईज के प्लॉटों को आढत बाजार के अढतियों के लिये आरक्षित रखा जायेगा। साथ ही अन्य आढत व्यवसायियों हेतु भूमि की उपलब्धता के अनुसार पृथक से अवंटन प्रक्रिया को द्वितीय चरण के अन्तर्गत किया जाना निर्धारित किया गया। जिसके लिए आढत बाजार एसोसियेशन से पृथक से प्रस्ताव आमंत्रित किया गया।

एक जुलाई से भूखण्ड आवंटन की प्रक्रिया प्रारम्भ किये जाने के भी निर्देश दिये गये। आवंटन की प्रक्रिया प्राधिकरण द्वारा पुनर्वास नीति के आधार पर की जायेगी।

आढत बाजार से सम्बन्धित प्रतिनिधियों ने यह अनुरोध किया कि प्राधिकरण द्वारा आवंटित भूखण्ड का 10 वर्ष तक किसी प्रकार का क्रय विक्रय न किया जाये।

आवंटन से सम्बन्धित प्रकरणों के निस्तारण के लिए संयुक्त सचिव मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण की अध्यक्षता में एक समति का गठन भी किया गया।

एमडीडीए ने ध्वस्त की बीघा अवैध प्लॉटिंग

देहरादून। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत एक ही व्यक्ति के अलग-अलग स्थानों में अवैध रूप से की जा रही प्लॉटिंग पर संयुक्त सचिव गौरव चटवाल के आदेशों पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। मासूम अली की ओर से जीएसआर क्रिकेट एकेडमी के निकट शिमला बाई-पास रोड देहरादून में दो अलग- अलग स्थानों पर लगभग 18 से 20 व 10 बीघा में की जा रही अवैध प्लॉटिंग पर प्राधिकरण ने ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की। इस कार्यवाही में सहायक अभियन्ता अभिषेक भारद्वाज,अवर अभियन्ता अभिजीत थलवाल,सुपरवाईजर सुरेश और पुलिस फोर्स मौजूद रही।

मेयर व नगर आयुक्त ने किया मई माह के उत्कृष्ट सफाई कर्मचारियों को सम्मानित

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। नगर निगम देहरादून की ओर से मई 2025 माह के लिए चयनित तीन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को अटल निर्मल नगर पुरस्कार योजना के अंतर्गत सम्मानित किया गया। इन कर्मचारियों ने अपने कार्यों में अनुकरणीय दक्षता, निष्ठा एवं समर्पण का परिचय दिया, जिससे नगर निगम की सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

नगर निगम कार्यालय में आयोजित एक सादे समारोह में महापौर देहरादून सौरभ थपलियाल तथा नगर आयुक्त नमामि बंसल ने इन तीनों कर्मचारियों को सम्मानित किया। सम्मान स्वरूप प्रत्येक कर्मचारी को 10,000/- की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। मई माह में प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वालों में पर्यावरण मित्र वीरेंद्र पुत्र सुक्कन (वार्ड 17), मुकेश पुत्र मुन्नी (वार्ड 06), रवि पुत्र इलम सिंह (वार्ड 37) शामिल रहे। यह योजना स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत दिए गए निर्देशों के अनुपालन में सफाई व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिये जाने वाले पर्यावरण मित्रों/स्वच्छता सेनानियों को प्रतिमाह प्रति वार्ड से 03 पर्यावरण मित्रों/स्वच्छता सेनानियों को 10,000/- (दस हजार रूपये) प्रोत्साहन धनराशि देकर सम्मानित किया जाता है। सोमपाल पुत्र कल्लू जैसे दिव्यांग पर्यावरण मित्र को उत्कृष्ट कार्य करने पर विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस अवसर पर महापौर सौरभ थपलियाल ने कहा कि निगम कर्मचारियों का परिश्रम नगर की स्वच्छता, व्यवस्था और विकास में अहम भूमिका निभाता है। इस दौरान सहायक नगर आयुक्त राजबीर चौहान एवं मुख्य सफाई निरीक्षक मौजूद रहे।

पर्यटन मंत्री महाराज से मिला प्रतिनिधिमंडल

■ राजजात मानचित्र पर कुरुड़ व देवराला को अंकित करने की उठाई मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मां नंदा देवी राजराजेश्वरी सिद्ध पीठ कुरुड़ मंदिर विकासखंड नंदानगर बड़ी नंदाजात-2026 आयोजन समिति का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोकनिर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण एवं जलागम, मंत्री सतपाल महाराज से उनके निजी आवास पर मिला।

मां नंदा देवी राजराजेश्वरी सिद्ध पीठ कुरुड़ मंदिर विकासखंड नंदानगर बड़ी नंदाजात-2026 आयोजन समिति का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को अपनी समस्याओं को लेकर प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज से उनके सर्कुलर रोड स्थित निजी आवास पर मिला। प्रतिनिधि मंडल ने उन्हें बताया कि शासन की और से श्री नंदादेवी राजजात यात्रा-2026 का आयोजन सुनिश्चित किया गया है जिसमें राजा के प्रतिनिधि कांस्वा के कुंवर लोग इस परंपरा के तहत अपनी कुल देवी श्री नंदादेवी सिद्धपीठ कुरुड़ की डोली में पूजा और मनौती भेंट करने के लिए नौटी से चलकर नंदकेसरी में अपनी पूजा और मनौती भेंट करते हैं और कुरुड़ के गौड, ब्राह्मण बधाण के पुजारियों के हाथों से पूजा अर्चना होती है जो की एक पौराणिक परंपरा है। प्रतिवर्ष नंदादेवी राजराजेश्वरी सिद्ध पीठ कुरुड़ से छोटी जात (लोकजात) व 12 वर्ष बाद बड़ी जात (राजजात) का आयोजन होता है। प्रतिनिधि मंडल में मां नंदा देवी राजराजेश्वरी सिद्ध पीठ कुरुड़ मंदिर विकासखंड नंदानगर बड़ी नंदाजात 2026 आयोजन समिति के धनीराम गौड़, प्रकाश चंद गौड़, जनार्दन प्रसाद गौड़, राकेश चंद्र गौड़, अशोक प्रसाद गौड़, विपुल मैंदोली, जगत सिंह नेगी, रघुनाथ फरस्वाण, सुनील कोठियाल, मनीष नेगी, दीपक पंत, गंभीर रावत और विजेंद्र रावत शामिल थे।

जनता चाहती थी जीरो रोस्टर खत्म हो, भाजपा की चाल से व्यवस्था उलझीः कांग्रेस

देहरादून। उत्तराखंड में पंचायत चुनावों को लेकर उच्च न्यायालय के निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस ने कहा है कि जनता की भावना थी कि भाजपा की और से किया गया जीरो रोस्टर रद्द हो और पिछड़े, वंचित, महिला वर्ग को उनका हक फिर से मिले। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री नवीन जोशी ने कहा कि भाजपा सरकार ने आरक्षण को खघ्त्म करने और लोकतंत्र की मूल आत्मा को चोट पहुँचाने का प्रयास किया, जिससे गांव की आवाज दबाई गई और सामाजिक न्याय पर कुठाराघात हुआ। जोशी ने कहा, कि कांग्रेस सरकार में न केवल पंचायतों को समय पर चुना जाएगा, बल्कि हर वर्ग

जोशी ने किया नगर निगम के वेंडिंग जोन का उद्घाटन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी और नगर निगम देहरादून के महापौर सौरभ थपलियाल ने वार्ड 06 दून विहार में नगर निगम के निर्मित वेंडिंग जोन का उद्घाटन किया। नगर निगम के निर्मित इस तीसरे वेंडिंग जोन में पहले चरण में 19 लोगों को दुकानें आवंटित की गई।

अपने सम्बोधन में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उनकी विधानसभा क्षेत्र में ये स्मार्ट वेंडिंग जोन बना है, जिससे व्यवस्था बनने के साथ ही लोगों को रोजगार मिला है। शहर में लोगों को रोजगार देने का ये अच्छा साधन है। उन्होंने कहा कि अक्सर देखने में आता है अतिक्रमण अभियानों के दौरान सबसे पहले लाठी गरीब तबके के लोंगो पर पड़ती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अन्तोदय के नारे को लेकर कार्य करती है और इसी भावना के साथ वैंडिग जोन का निर्माण प्रदेश भर में हो रहा है। उन्होंने उधमसिंहनगर जनपद में भी निर्माणाधीन वैंडिग जोन का जिक्र भी किया। मेयर सौरभ थपलियाल ने कहा कि राजपुर रोड जाखन में नगर निगम का यह तीसरा वेंडिंग जोन बना है। पूर्व में छह नंबर पुलिया और पटेलनगर लालपुल में वेंडिंग जोन बनाए गए थे। जाखन स्थित वेंडिंग जोन एक व्यवस्था के तहत बनाया गया है। शहर में जहां-जहां नगर निगम को जगह मिलेगी, वहां वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस वेंडिंग जोन में कल 49 दुकानें हैं, जिसमें से अभी 19 लोगों को इस वेंडिंग जोन में जगह दी है। इस अवसर पर पार्षद मीनाक्षी नौटियाल, नगर आयुक्त नमामी बंसल, अधिशासी अभियंता रचना पायल, पूर्व पार्षद संजय नौटियाल, भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रदीप रावत, सुरेन्द्र राणा, आशीष थापा, समीर डोभाल, पार्षद भूपेन्द्र कठैत, निरंजन डोभाल, रेखा राजपूत, भावना बिष्ट, देवेन्द्र रावत उपस्थित रहे।

बड़ी बैटरी और दमदार परफॉर्मेंस के साथ पोको का एफ7 नया स्मार्टफोन लांच

देहरादून। पोको अपनी मशहूर एफ सीरीज में नया स्मार्टफोन पोको एफ7 लेकर आया है। टेक प्रेमियों और हमेशा दौड़-भाग में लगे यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह फोन दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक डिजाइन और शक्तिशाली बैटरी को एक पतली, स्टाइलिश बॉडी में पेश करता है। पोको एफ7 में 7550एमएएच की भारत की सबसे बड़ी बैटरी दी गई है, जिसमें सिलिकॉन कार्बन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो ऊर्जा की क्षमता और दीर्घकालिक परफॉर्मेंस को बेहतर बनाती है।

मैक्स हॉस्पिटल ने कैंसर सर्वाइवर्स के लिए किया कार्निवल का आयोजन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने कैंसर सर्वाइवर्स के लिए एक कार्निवल का आयोजन किया, जिसमें कैंसर से जंग जीत चुके मरीजों ने अपने परिवारजनों के साथ मिलकर अपनी हिम्मत और हौंसले का जश्न मनाया। इस अवसर पर 90 से अधिक लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सौरभ तिवारी, कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, डॉ. रुनू शर्मा, कंसल्टेंट ख्र मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं डॉ. अमित बडोला, कंसल्टेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल देहरादून ने दीप प्रज्वलित करके किया।

इस इवेंट को आयोजित करना का उद्देश्य कैंसर सर्वाइवर्स की साहसिक और प्रेरणादायक कहानियों को सामने लाना था, ताकि अन्य मरीजों और उनके परिवारों को यह संदेश मिल सके कि सकारात्मक सोच और मजबूत इच्छाशक्ति से हर कठिनाई को पार किया जा सकता है। कार्यक्रम में कैंसर मरीजों और सर्वाइवर्स के लिए एक आर्ट थेरेपी वर्कशॉप का भी आयोजन किया गया।

नशा समाज के लिए एक अभिशाप : डॉ. सयाना

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राजकीय दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून में निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ आशुतोष सयाना एवं प्राचार्य डॉ गीता जैन के निर्देशानुसार कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य निषेध दिवस- 2025 के अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान का सफल आयोजन किया गया। 01 जून से 26 जून, तक चले इस अभियान में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा जन जागरूकता अभियान सहित अनेको गतिविधियां आयोजित की गई।

निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ आशुतोश सयाना ने अपने संदेश में कहा कि नशा समाज के लिए एक अभिशाप है और आज की युवा पीढ़ी को इससे सजग रहने की नितांत आवश्यकता है।

प्राचार्य राजकीय दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून डॉ गीता जैन ने अपने वक्तव्य में कहा कि नशे की लत बहुत बुरी होती है, जिससे निकलना बहुत मुश्किल होता है। जन जागरूकता अभियान और सबकी भागीदारी से ही नशे के खिलाफ मुहिम को सफल बनाकर एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकता है। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अनुपमा आर्या के नेतृत्व और नोडल अधिकारी डॉ सुदीक्षा के समन्वय से ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, नया गांव पेलियो और शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र मेहूवाला और पथरी बाग चौक , देहरखास में संवाद और नुक्कड़ नाटक द्वारा नशे के खिलाफ मुहिम को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया जिसमें एमबीबीएस छात्रों, पीजी रेजिडेंट, इंटर्न एवं मेडिकल सोशल वर्कर सहित समुदाय के लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर कम्युनिटी मेडिसिन विभाग से डॉ शिव कुमार यादव, डॉ रिचा सिन्हा, डॉ सुनील, डॉ सुमित, डॉ शालिनी, डॉ मधुलिका, डॉ सोनम, डॉ नरेश, डॉ मोनोजीत, डॉ भारती आदि उपस्थित रहे।

प्रधानाचार्या के वार्षिक अधिवेशन में शैक्षणिक नेतृत्व पर मंथन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। स्कूली शिक्षा को सफल बनाने में प्रधानाचार्यों की महत्ती भूमिका है। शैक्षणिक नेतृत्व व वार्षिक शैक्षणिक योजना में प्रधानाचार्य का महत्वपूर्ण योगदान होता है। प्रधानाचार्य किसी भी स्कूल की योजना निर्धारण मे भी सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। प्रभावी शैक्षणिक नेतृत्वकर्ता के अंदर क्या मुख्य गुण-कौशल होने चाहिए, इन बिन्दुओं पर वार्षिक अधिवेशन में विस्तारपूर्वक मंथन हुआ।

श्री गुरु राम राय एजुकेशन मिशन द्वारा संचाचिल एसजीआरआर पब्लिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों के वार्षिक अधिकवेशन में वक्ताओं ने मुख्य रूप से इन बिन्दुओं को रेखांकित किया। प्रधानाचार्यर् एक शैक्षणिक नेतृत्वकर्ता विषय पर आधारित कार्यक्रम में प्रधानाचार्यों की भूमिका, जिम्मेदारी व नीति निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि, वीना रावत, आजीवन सदस्य, श्री गुरु राम राय एजुकेशन मिशन ने कहा कि मिशन के चेयरमैन श्रीमहंत देवेन्द्र दास महाराज कुशल प्रशासक के रूप में हम सभी के प्रेरणास्त्रोत हैं।

ट्रांसफार्मरों एवं फीडरों पर स्मार्ट मीटर लगने से बेहतर हो रही एनर्जी एकाउंटिंग

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। यूपीसीएल द्वारा प्रदेश भर में उपभोक्ताओं के घरों के साथ-साथ वितरण परिवर्तकों एवं फीडरों पर स्मार्ट मीटरों की स्थापना की जा रही है जिससे ऊर्जा वितरण प्रणाली में दक्षता, विश्वसनीयता और पारदर्शिता में सुधार हो रहा है।

स्मार्ट मीटर लगने से न केवल उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं मिलती हैं, बल्कि यूपीसीएल को भी अपने संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करने का अवसर मिलता है। यूपीसीएल द्वारा आरडीएसएस योजना के अंतर्गत प्रदेश भर में लगभग 16 लाख उपभोक्ताओं के घरों पर मीटर लगाने के साथ-साथ एनर्जी एकाउंटिंग को बेहतर बनाने के लिए कुल 59,212 वितरण परिवर्तकों तथा कुल 2602 फीडरों पर मी स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे हैं।

स्मार्ट मीटर ऊर्जा खपत पर सटीक, वास्तविक समय का डेटा प्रदान करते हैं. जिससे वितरण परिवर्तकों एवं फीडरों पर खपत को ट्रैक कर सकते हैं और सूचित निर्णय ले सकते हैं। 2. दूरस्थ निगरानी और डेटा संचार स्मार्ट मीटर का डेटा संचारित करने में सक्षम होने से ऊर्जा संसाधनों की प्रभावी दूरस्थ निगरानी और प्रबंधन सम्भव होता है। 3. स्मार्ट मीटर नेटवर्क में लोड वितरण को अनुकूलित करने में मदद करते हैं जिससे ट्रांसफार्मर और फीडर्स पर दबाव कम होता है और लोसेस एवं डीटी फेल्योर रेट को कम करने में कारगर सिद्ध होता है। 4. उन्नत निगरानी क्षमताओं के साथ स्मार्ट मीटर प्रणाली में दोषों या असामान्यताओं की पहचान जल्दी कर सकते हैं, जिससे त्वरित प्रतिक्रिया और रखरखाव संभव होता है और आउटेजेस को रोकने में मदद मिलती है।

यूनियन लो ड्यूरेशन फंड लॉन्च

देहरादून। यूनियन म्यूचुअल फंड ने यूनियन लो ड्यूरेशन फंड लॉन्च करने की घोषणा की है, यह योजना उन लोगों के लिए है जो अपने अप्रयुक्त धन को 3 से 12 महीने की छोटी अवधि के लिए बेहतर ढंग से निवेश करना चाहते हैं। नया फंड ऑफर 26 जून 2025 को खुलेगा और 10 जुलाई 2025 को बंद होगा। यह योजना उन निवेशकों के लिए एक विकल्प देने का प्रयास करती है जो सक्रिय प्रबंधन,लिक्विडिटी और बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न की संभावना की तलाश में हैं। यह योजना ऋण और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स के संयोजन में निवेश करने का लक्ष्य रखती है।

एसजीएचएस लाभार्थी से अवैध वसूली पर स्वास्थ्य प्राधिकरण ने लिया एक्शन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना के लाभार्थी से अवैध रूप से धनवसूली के आरोप में राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ने हरिद्वार जनपद के एक निजी अस्पताल पर एक्शन लिया है। कार्रवाई के प्रथम चरण में आरोपों पर अपना पक्ष रखने को लेकर संबंधित अस्पताल को नोटिस जारी किया गया है।

बता दें कि कुछ दिवस पूर्व राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण की ओर से प्रदेश के सभी सूचीबद्ध अस्पतालों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, अटल आयुष्मान उत्तराखंड योजना व राज्य सरकार उत्तराखंड योजना के उपचार में लाभार्थियों से इलाज के नाम पर अनाधिकृत रूप से किसी भी तरह की धन वसूली पर सख्त कार्रवाई का नोटिस जारी किया गया था। प्राधिकरण की टीमों द्वारा अवैध गतिविधियों पर निगरानी को औचक निरीक्षण की कार्रवाई भी किया जा रही है।

इसी क्रम में हरिद्वार निवासी माधौराम त्यागी ने राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर का उपयोग करते हुए में कॉल सेंटर में शिकायत की कि, विनय हॉस्पिटल हेल्थकेयर प्रा.लि. रूड़की हरिद्वार में उपचार के एवज में उनसे धनराशि ली गई है। आरोप पर एक्शन लेते हुए प्राधिकरण ने तत्काल प्रभाव से संबंधित अस्पताल को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने तथा इस तरह की हरकतों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

आयुष्मान योजना में लाभार्थियों को भ्रमित करने या उपचार के नाम अवैधवसूली करना अपराधः रीना जोशी

देहरादून। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रीना जोशी ने कहा कि आयुष्मान योजना में लाभार्थियों को भ्रमित करने या उपचार के नाम अवैध वसूली करना अपराध है। यदि इस तरह की शिकायतों की पुष्टि होती है तो संबंधित अस्पताल के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना को लेकर भ्रम फैलाने या अन्य अमान्य गतिविधियों पर निगरानी की जा रही है। रोकथाम में सहयोग को लाभार्थियों को भी सजग रहना होगा। यदि कहीं इस तरह की हरकतें होती हैं तो शिकायतों के लिए प्राधिकरण द्वारा टोल फ्री नंबर जारी किए गए हैं।

वरिष्ठ नेताओं को बैठकों में अवश्य आमंत्रित करेंः सुरेन्द्र

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में कांग्रेस संगठन को चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए जिला, महानगर, ब्लॉक व यहां तक की बूथ कांग्रेस कमेटियों के गठन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन अवश्य लें व उनको जिले से लेकर बूथ कांग्रेस कमेटियों की बैठकों में आदर पूर्वक आमंत्रित कर उनका मार्गदर्शन लें यह बात उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सह प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जिला महानगर देहरादून व प्रदेश महिला कांग्रेस, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की बैठकों में पार्टी पदाधिकारियों से कही। उन्होंने कहा कि हर बड़ा नेता पदाधिकारी, सांसद, विधायक, या सांसद व विधायक का चुनाव लड़ा व्यक्ति किसी ना किसी पोलिंग बूथ में मतदाता है इसलिए उनका मार्गदर्शन व सहयोग लेना अति आवश्यक है। शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह, पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल जैसे अनुभवी व वरिष्ठ नेता हैं और प्रदेश के किसी भी जिले, महानगर, ब्लॉक या बूथ तक के कार्यक्रम में अगर इनको आमंत्रित किया जाएगा तो वे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए वहां अवश्य पहुंचेंगे।

पहाड़ी वास्तुकला में चमकेंगे तीर्थस्थल

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद के सचिव व मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीरज सिंह गर्ब्याल ने शुक्रवार को मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत प्रदेशभर में चल रही परियोजनाओं की गहन समीक्षा की। सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य न केवल समयबद्ध तरीके से पूर्ण हों, बल्कि इनमें राज्य की पारंपरिक पहाड़ी स्थापत्य कला की स्पष्ट झलक भी नजर आनी चाहिए।

सचिव ने कहा कि धार्मिक पर्यटन के विकास के साथ ही राज्य की सांस्कृतिक विरासत को संजोकर रखना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में आधुनिक सुविधाओं का समावेश इस प्रकार हो कि वह तीर्थयात्रियों को बेहतर अनुभव दे सके और साथ ही पर्यावरणीय संतुलन को भी बनाए रखे। बैठक में उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक रूहेला, बीएल राणा, निदेशक अवस्थापना, संयुक्त निदेशक पर्यटन सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इन स्थलों के कार्यों की हुई समीक्षा

समीक्षा बैठक में कैंचीधाम, नैनीदेवी मंदिर, पाताल रूद्रेश्वर, पाताल भुवनेश्वर, हाटकालिका मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों, डॉर्मिटरी, शौचालय, पुल मरम्मत, विद्युतीकरण, भवन निर्माण एवं पार्किंग जैसी सुविधाओं की प्रगति का विस्तार से आंकलन किया गया। सचिव ने कहा कि इन स्थलों पर निर्माण कार्य पारंपरिक शैली में, स्थानीय पत्थरों एवं कंक्रीट का उपयोग करते हुए किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि इन कार्यों से युवाओं को राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलेगा। पर्यटन सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी डिजाइन कार्यों में स्थानीय भूगोल, सांस्कृतिक सौंदर्यबोध, पर्यावरणीय संतुलन और तीर्थयात्रियों की सुविधा का समुचित ध्यान रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर परिसरों में कोबल स्टोन पाथवे के माध्यम से पथों को व्यवस्थित किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम हो सके।

गुणवत्ता से नहीं होगा समझौता, तृतीय पक्ष निगरानी होगी जरूरी

बैठक के दौरान सचिव पर्यटन ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लंबित कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेते हुए जल्द पूर्ण किया जाए, और सभी निर्माण कार्य तृतीय पक्ष निगरानी व्यवस्था के तहत हों, जिससे गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

युवा 'नौकरी खोजने वाले' नहीं 'नौकरी देने वाले' बनेंः जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने जीरोऑर फाउंडेशन द्वारा आयोजित छात्र संसद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब भारत के युवा देश की नीतियों, शासन प्रणाली और समाज के निर्माण में रुचि लेने लगते हैं, तो देश की दिशा और दशा बदलनी शुरू हो जाती है। उन्होंने आहवान किया कि छात्र संसद भ्रमण के बाद उत्तराखण्ड से वापस लौटने के बाद उत्तराखंड से सिर्फ यादें नहीं, बल्कि एक दृष्टिकोण लेकर जाएं कि नीति, शासन और नवाचार सिर्फ किताबों में नहीं, जमीन पर भी जरूरी हैं। देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में छात्र संसद इंडिया द्वारा आयोजित 'नेशनल गवर्नेंस टूर' में शामिल प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्बोधित किया। इस भ्रमण यात्रा में देश भर के प्रमुख संस्थानों एवं प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएँ भाग ले रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नीति निर्माण, शासन प्रणाली और लोकतांत्रिक मूल्यों की गहराई से समझ देना है। काबीना मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की भौगोलिक चुनौतियाँ, कृषि की विषमताएँ और रोजगार के अवसरों की सीमाएँ, सबकुछ हमें रचनात्मक और व्यावहारिक समाधान खोजने को प्रेरित करती हैं। इस अवसर पर जीरोऑर फाउंडेशन से कुनाल ठाकुर, मानस तिवारी, शशांक शेखर तिवारी, विधि शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कांवड़ मेला आस्था एवं श्रद्धा का बहुत बड़ा उत्सव : आनन्द बर्द्धन

कांवड़ मेले को लेकर सात राज्यों के अधिकारियों ने बनाई रणनीति

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में आगामी कांवड़ मेले को सरल, सुखद व सुरक्षित संपन्न कराने हेतु इंटरस्टेट समन्वय समिति की बैठक सीसीआर सभागार हरिद्वार में संपन्न हुई। जिसमें उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली तथा राजस्थान के उच्चाधिकारियों द्वारा ऑफलाइन व ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभाग किया गया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि कांवड़ मेला आस्था एवं श्रद्धा का बहुत बड़ा उत्सव है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा सकुशल एवम् सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु जिला प्रशासन, पुलिस एवं अन्य सम्बन्धित विभाग चाक चौबंद व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने सभी राज्यों से रियल टाइम कॉर्डिनेशन व रियल टाइम डाटा साझा किए जाने की बात भी कही। सुरक्षात्मक दृष्टि से सभी आवश्यक इनपुट्स साझा किए जाएं। मुख्य सचिव ने कांवड़ मेले की व्यवस्थाओं में आधुनिक तकनीक का ज्यादा से ज्यादा उपयोग किए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आगामी कुंभ मेले को दृष्टिगत रखते हुए सभी तैयारियों को अंजाम दिया जाए ताकि मेले के अनुभव कुंभ में भी काम आएं। मुख्य सचिव ने कहा कि कांवड़ मेले में दौरान कानून व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था के लिए चाक चौबंद व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर भेल पार्किंग का भी उपयोग किए जाने के निर्देश भी जिला प्रशासन को दिए। यात्रा मार्ग पर स्थित ढाबों और होटलों में सुरक्षा मानकों का अनुपालन हो, साथ ही रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से चस्पा की जाए।

डीजीपी दीपम सेठ ने कहा कि हर आयोजन नई चुनौतियां प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि आस्था एवम् श्रद्धा के इस मेले को सुरक्षात्मक रूप से संपन्न कराने हेतु रियल टाइम सूचनाएं साझा की जाएं, किसी भी प्रकार की अफवाह का यूनिफाइड खंडन किया जाए। अपने कार्यों में दक्षता रखने वाले कर्मी ही एकखद्रूसरे स्टेट भेजे जाएं। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के लिए 'क्या करें और क्या नहीं करें' की जानकारी यात्रा मार्गों पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए। इंटर स्टेट कॉर्डिनेशन की अपेक्षाएं पूर्ण हों तथा मेला शांतिपूर्वक संपन्न हो। बैठक में सचिव गृह शैलेश बगौली ने कहा कि यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो, यातायात व्यवस्था सरल सुगम व सुरक्षित हो तथा श्रद्धालुओं की सहूलियतों को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित तथा एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने कांवड़ यात्रा अवधि, विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं का प्रतिशत, ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सहित कांवड़ यात्रा हेतु की जा रही तैयारियों का पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। उत्तर प्रदेश की ओर से डीआईजी अभिषेक ने यात्रा प्लान सहित चल रही तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि सुरक्षात्मक दृष्टि से सभी आवश्यक सूचनाएं तथा इनपुट्स रियल टाइम साझा किए जाएं, सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग की जाए और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही के लिंक भी साझा किया जाए। कांवड़ 10 फीट से अधिक ऊंचाई के न हों। शराब तथा मीट से संबंधित एसओपी का सख्ती से अनुपालन हो, सभी चिन्हित डीजे संचालकों को नियमानुसार नोटिस देते हुए बाउण्ड ऑफ किया जाए। उत्तराखंड द्वारा समयखसमय पर हरिद्वार में पार्किंग की स्थिति से उत्तर प्रदेश को अवगत कराया जाए। बैठक में उत्तर प्रदेश से एडीजे भानु भास्कर, सचिव गृह मोहित गुप्ता, कमिश्नर मेरठ डिवीजन ऋषिकेश भास्कर यशोद, कमिश्नर बरेली सौम्य अग्रवाल, कमिश्नर सहारनपुर एके राय, डीआईजी सहारनपुर अभिषेक सिंह, आईजी आरपीएफ पंकज गंगवार, उत्तराखंड से आईजी निलेश आनंद भरणे, एनएस नपलच्याल, डीआईजी धीरेन्द्र गुंज्याल, एसएसपी देहरादून अजय सिंह, मेलाधिकारी सोनिका, सहित पांचों राज्यों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश कांग्रेस सहप्रभारी ने दिए बूथ मैनजमेंट संगठन को मजबूत करने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मायापुर स्थित कांग्रेस कार्यालय में कार्यशाला में उत्तराखंड कांग्रेस सहप्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं, ब्लाक अध्यक्ष व वरिष्ठ नेताओं को अभी से बूथ मैनेजमेंट पर फोकस कर संगठन को मजबूत करने और आंदोलनात्मक गतिविधियों को बढ़ाने के निर्देश दिए। सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि नेता छोटा हो या बड़ा, बूथ पर सभी को सक्रिय होना होगा। बूथ बैठकों में शामिल न होने वालों की सूचना केंद्र तक दी जाए। सुरेद्र शर्मा ने जिला महानगर कांग्रेस पदाधिकारियों, ब्लॉक अध्यक्षों से बूथ स्तर तक गठन और बीएलए नियुक्तियों की समीक्षा की और कहा कि पार्टी में जो भी पदाधिकारी सक्रिय रूप से काम नहीं कर पा रहे हैं, वे स्वयं ही पद त्याग दें। जिससे अन्य सक्रिय कार्यकर्ता को उस पद पर नियुक्त किया जाए। अब उत्तराखंड में हर बड़े नेता को उनके बूथ पर आयोजित होने वाली बैठक में बुलाया जाए। कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता विपक्ष लोकसभा राहुल गांधी भी स्पष्ट रूप से कह चुके हैं कि बड़े से बड़ा नेता पहले अपने घर के बूथ से जुड़े। कहा कि पंचायत चुनावों के साथ साथ प्रदेश के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर तैयारियां पूरी करनी हैं। बैठक में जिला महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग, एससी प्रकोष्ठ अध्यक्ष मदनलाल, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुरली मनोहर , वरिष्ठ नेता राजबीर सिंह, संतोष चौहान, महेश प्रताप राणा, मनोज सैनी, महानगर कांग्रेस महासचिव राजीव भार्गव, तरूण व्यास, ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा, अंकित चौहान, विमल शर्मा साटू, कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष नितिन यादव, पार्षद हिमांशु गुप्ता, सोहित सेठी, महावीर वशिष्ठ, मुकर्रम अंसारी, सीपी सिंह, बीएस तेजियान, अजय गिरी, हिमांशु राजपूत, जिला महासचिव यूथ कांग्रेस शुभम जोशी, अंकित प्रजापति, अरूण चौहान, रितेश पाण्डेय आदि कांग्रेसजन मौजूद रहे।

बैटरी चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कनखल थाना पुलिस ने घर की छत से रात के अंधेरे में बैटरी चोरी करने वाले आरोपी को 24 घण्टे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी पहले भी कई बार चोरी के मामलों मे जेल जा चुका है। गुरुवार को जमालपुर रोड जगजीतपुर निवासी महिला ने शिकायत देकर बताया कि बीती रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने पहले उसके घर की लाईट काटी और फिर छत मे रखी इन्वर्टर की ल्यूमिनिस कंपनी की बैट्री को छत से चोरी कर चला गया।पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर वाजिद नामक व्यक्ति को चोरी की बैट्री के साथ दबोचा। घटना में शामिल फरार साथी की तलाश की जा रही है। कनखल थाना प्रभारी चंद्रमोहन सिंह ने बताया कि आरोपी वाजिद पुत्र ताहिर निवासी सुल्तानपुर शिव मन्दिर के पास सुल्तानपुर लक्सर हरिद्वार इससे पहले भी चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। पुलिस टीम में अ.उ.नि. ललित मोहन अधिकारी, कां. दीपक कुमार, कां. सतेन्द्र रावत, कां. उमेद सिंह शामिल रहे हैं।

परिवहन आरक्षी प्रशिक्षुओं को आईजी अनन्त शंकर ने दिलाई कर्तव्यनिष्ठा की शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सशस्त्र प्रशिक्षण केन्द्र (एटीसी) के प्रशिक्षण संस्थान में प्रचलित 21 दिवस के प्रशिक्षण के उपरान्त शुक्रवार को दीक्षान्त परेड में सम्मिलित 112 परिवहन प्रशिक्षुओं को आईजी प्रशिक्षण अनन्त शंकर ताकवाले द्वारा कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई गयी। इस दीक्षान्त परेड का संचालन परेड़ कमाण्डर प्रशिक्षु महिला परिवहन आरक्षी प्रिया के नेतृत्व में परेड़ में सम्मिलित छह टोलियों के टोली कमाण्डरों द्वारा किया गया। एटीसी के उच्चाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि आईजी प्रशिक्षण अनन्त शंकर ताकवाले का स्वागत किया गया एवं सलामी मंच पर ले जाया गया। मुख्य अतिथि ने परेड़ कमाण्डर के साथ दीक्षांत परेड का निरीक्षण किया। जिसके बाद दीक्षांत परेड में सम्मिलित परिवहन आरक्षियों द्वारा अत्यंत उत्साह, सुन्दर ड्रिल एवं अनुशासन के साथ पंक्तिबद्ध होकर मंच से मार्च पास्ट करते हुए मुख्य अतिथि का मानप्रणाम किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक एटीसी सुरजीत सिंह पंवार ने प्रशिक्षण की प्रशासनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि दो जून से एटीसी में नवनियुक्त 112 परिवहन आरक्षियों का प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया। प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ साइबर क्राइम, लैंगिक संवेदनशीलता, आपदा प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास, सॉफ्ट स्किल डेवलप्मेंट, सड़क सुरक्षा आदि विषयों की जानकारी दी गयी एवं अन्त: कक्ष प्रशिक्षण के लिए नवीन

प्रविधियों जैसे स्मार्ट क्लास में इन्ट्रेक्टिव पैनल का प्रयोग किया गया। प्रशिक्षुओं को एल्कोमीटर, रेडार गन आदि नवीनतम गैजेट्स का प्रशिक्षण भी दिया गया। सम्पूर्ण प्रशिक्षण में सर्वांगसर्वोत्तम प्रशिक्षु परिवहन आरक्षी अर्जुन सिंह को चयनित किया गया। अन्त:कक्ष में प्रथम स्थान प्रशिक्षु परिवहन आरक्षी मो. शोयब अली सलमानी , बाह्य कक्ष में प्रथम प्रशिक्षु महिला परिवहन आरक्षी प्रिया एवं सर्वश्रेष्ठ अनुशासन महिला परिवहन आरक्षी अर्चना को चयनित किया गया जिनको मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार वितरित किए गये।

मुख्य अतिथि द्वारा अपने सम्बोधन में पास-आउट हो रहे प्रशिक्षुओं के गौरवान्वित माता-पिता और अभिभावकों को हार्दिक बधई देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक, सशस्त्र प्रशिक्षण केन्द्र हरिद्वार और प्रशिक्षण संस्थान के समस्त अधिकारीगण, प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण और दीक्षांत परेड़ को भव्य बनाने में कड़ी मेहनत के साथ अपना योगदान देने वाले समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों की सराहना की गयी। पास आउट होकर परिवहन विभाग उत्तराखण्ड का हिस्सा बनने जा रहे समस्त प्रशिक्षुओं भविष्य में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा दीक्षान्त परेड में सम्मिलित प्रशिक्षुओं को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गयी। रिक्रूट आरक्षियों का मानप्रमाण ग्रहण करने हेतु मुख्य अतिथि अनन्त शंकर ताकवाले आईजी प्रशिक्षण एवं सनत कुमार सिंह, संयुक्त परिवहन आयुक्त का अपर पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने राज्य स्मृति चिन्ह सम्मान स्वरुप भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। सनत कुमार सिंह, संयुक्त परिवहन आयुक्त द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि इससे पूर्व परिवहन विभाग द्वारा 2009 में परिवहन आरक्षी प्रशिक्षु का प्रशिक्षण कराया गया था। 112 परिवहन आरक्षी प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी एटीसी हरिद्वार को दी गयी। इस प्रशिक्षण संस्थान ने 21 दिवस की अल्पावधि में प्रशिक्षुओं को उच्च कोटि का प्रशिक्षण एवं मार्ग दर्शन प्रदान किया। यह प्रशिक्षण परिवहन प्रशिक्षुओं को नई दिशा देने में लाभकारी होगा। जिसकी उनके द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी। डॉ. अनीता चमोला, सम्भागीय परिवहन अधिकारी देहरादून ने कहा कि परिवहन आरक्षियों का पद अत्यन्त महत्वपूर्ण है, जिनके द्वारा परिवहन विभाग के प्रवर्तन दलों में रहते हुए प्रवर्तन आरक्षियों के साथ सडक सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता है। साथ ही एटीसी के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों व परिवहन विभाग की ओर से इस प्रशिक्षण को सफल बनाने में जिन अधिकारियों का योगदान रहा।

इससे पूर्व बुधवार की संध्या के समय बडा खाने का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक एटीसी नीरू गर्ग एवं परिवहन विभाग के अधिकारी राजीव मेहरा, परिवहन उपायुक्त, डॉ. अनीता चमोला आरटीओ देहरादून, अपर पुलिस अधीक्षक एटीसी सुरजीत सिंह पंवार, पुलिस उपाधीक्षक अनुषा बडोला, पुलिस उपाधीक्षक एटीसी नेहा झा, एआरटीओ हरिद्वार पंकज श्रीवास्तव, एआरटीओ(ई) कृष्णा पडलिया, एआरटीओ रुडकी की उपस्थिति में परिवहन आरक्षी प्रशिक्षुओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। पुलिस महानिरीक्षक, सशस्त्र प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक, सशस्त्र प्रशिक्षण केन्द्र और प्रशिक्षण संस्थान के समस्त अधिकारीगण, प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण और कड़ी मेहनत के साथ अपना योगदान देने वाले समस्त अधि0/कर्मचारियों की सराहना की गयी। जिनमें निशा जोशी, प्रिया टम्टा, लालूराम, भानू, प्रिया टम्टा द्वारा अपनी प्रस्तुतिया दी गई। मंच का संचालन परिवहन आरक्षी प्रशिक्षु निशा जोशी एवं कविता महर द्वारा किया गया। इस अवसर पर सेनानायक 40 वीं वाहिनी तृप्ति भट्ट, कैप्टन एमके छावडा भारतीय नेवी, विंग कमाण्डर डॉ. सरिता नेगी पंवार (जिला सैनिक कल्याण अधिकारी), वरिष्ठ जेल अधीक्षक मनोज कुमार, पुलिस उपाधीक्षक 40 वीं वाहिनी पीएसी बिपेन्द्र सिंह, पुलिस उपाधीक्षक जीआरपी स्वप्निल मुयाल, एआरटीओ हरिद्वार नेहा झा, कृष्ण चन्द्र पलेडिया एआरटीओ रुडकी, निखिल शर्मा एआरटीओ प्रशासन हरिद्वार, वरुणा सैनी टीटीओ हरिद्वार, संगीता धीमान, टीटीओ भगवानपुर, कृष्ण कुमार बिज्लवाण टीटीओ नारसन, मुकेश भारती, टीटीओ गोवधनपुर, हरीश सती, टीटीओ चिडियापुर, डॉ. अमन गुप्ता, (वरिष्ठ समाज सेवी), जेपी जुयाल पुलिस उपाधीक्षक (सेनि.), सभासद डा. राजकुमार यादव, नरेन्द्र सिंह मेहरा, प्रतिसार निरीक्षक महिपाल सिंह बिष्ट, एचडीआई प्रीतम सिंह निरीक्षक, अन्त:कक्ष प्रभारी एटीसी एवं समस्त प्रशिक्षक, एटीसी, परिवहन विभाग के अधि0/कर्मचारी, आरक्षियों के परिजन उपस्थित रहे। सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन सरिता शाह, निरीक्षक एटीसी एवं डा. नरेश चौधरी प्रोफेसर ऋषिकुल ने किया गया।

घाट पर बैठे युवक पर हमला कर किया घायल, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र में गुरुकुल विश्वविद्यालय के सामने घाट पर अपने दोस्तों के साथ बैठे एक युवक पर नाम पूछते हुए हमला कर दिया गया। लाठी डंडों से उसे बुरी तरह पीटा गया। ये मामला सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मुइब निवासी मोहल्ला कैतवाड़ा, ज्वालापुर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने दोस्तों सावेज और शाहिद के साथ गुरुकुल के सामने घाट पर बैठा था। इसी दौरान 10 से 15 युवक वहां पहुंचे और तीनों से उनका नाम पूछा। जैसे ही उन्होंने अपना नाम बताया, आरोप है कि सभी युवक भड़क उठे और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गालियां देने लगे। इसके बाद उन्होंने लाठी, डंडों और हॉकी स्टिक से हमला कर दिया। हमले में मुइब गंभीर रूप से घायल हो गया। वहां मौजूद राहगीरों ने किसी तरह बीच-बचाव कर जान बचाई और मुइब को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद सोशल मीडिया पर ये मामला वायरल हो गया। थाना प्रभारी निरीक्षक चंद्रमोहन सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय कामगार सेना ने कार्यकारिणी का किया विस्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। राष्ट्रीय कामगार सेना (भारत) की बैठक का आयोजन घास मंडी बाल्मीकि बस्ती ज्वालापुर में किया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष रेखा वाल्मीकि ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नवनियुक्त पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रेखा वाल्मीकि ने कहा कि राष्ट्रीय कामगार सेना (भारत) मजदूरों, किसानों की लड़ाई लड़ रही है। जहां भी कर्मचारियों, मजदूरों, किसानों का शोषण होता है वहां संगठन सदैव शोषितों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम, नगर पालिका में कर्मचारियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। जल्द ही प्रशासन के खिलाफ धरना दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए पप्पू खैरवाल को प्रदेश महामंत्री, शीतल चंचल शहर अध्यक्ष, अमित छाछर शहर महामंत्री, किशोर कुमार जिलाध्यक्ष, विकास पेवल शहर उपाध्यक्ष, सुशील कुमार और दीपक कुमार शहर संगठन मंत्री, कौशल्या चंचल महिला मोर्चा शहर सचिव, उपाध्यक्ष रजनी, सुनीता चंचल महामंत्री, सरिता को उप महामंत्री नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर समस्त पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन द्वारा जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उस पर पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा। कर्मचारियों के हितों की लड़ाई को जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम में बहुत भ्रष्टाचार व्याप्त है। मृतक आश्रितों को न्याय नहीं मिल रहा। संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण नहीं होने से कर्मचारी परेशान हैं। अधिकारी ही निगम को लूटने का कार्य कर रहे हैं। दिनों दिन भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। बैठक में धनेश छाछर, बल्लू, राजेश, हरेंद्र, नीरज, अमित आदि मौजूद रहे।

मेयर किरण जैसल ने किया वार्ड 37 और 50 का निरीक्षण

अधिकारियों कर्मचारियों को दिए सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश, पार्षदों ने की मंडी के कुंए का सौंदर्यीकरण व सड़क निर्माण की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मेयर किरण जैसल ने उपनगरी ज्वालापुर के वार्ड 37 कोटरवान एवं वार्ड 50 मैदानियन का निरीक्षण किया। इस दौरान वार्ड 37 के पार्षद नौमान अंसारी व वार्ड 50 के पार्षद प्रतिनिधि शहाबुद्दीन अंसारी ने मेयर को अपने वार्डो की समस्याओं से अवगत कराया और ऐतिहासिक मंडी के कुंए का सौंदर्यकरण तथा जामा मस्जिद से अंबेडकर चौक तक जाने वाली जर्जर हो चुकी सड़क का निर्माण कराने की मांग की। पार्षद नौमान अंसारी व पार्षद प्रतिनिधि शहाबुद्दीन ताजिया जुलूस जामा मस्जिद अंबेडकर चौक मार्ग से निकलते हैं। जर्जर हो चुकी सड़क की वजह से जुलूस में शामिल लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने क्षेत्र की अन्य सड़को के पैचवर्क की मांग भी की। निरीक्षण के दौरान मेयर किरण जैसल ने वार्ड 37 में बनायी गयी सड़क का उद्घाटन भी किया और अधिकारियों कर्मचारियों को सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने निर्देश देते हुए कहा कि वार्डवासियों को किसी भी प्रकार की और असुविधाओं का सामना ना करना पड़े। वार्डो में नियमित रूप से सफाई की जाए और कूड़ा उठाया जाए। सीवर ओवरफ्लो की समस्या का भी तत्काल निराकरण किया जाए। सड़कों पर जलभराव ना इसके लिए सभी सड़कों का पैचवर्क किया जाए। पार्षद नौमान अंसारी एवं पार्षद प्रतिनिधि शहाबुद्दीन अंसारी ने कहा कि मेयर किरण जैसल का सहयोग पार्षदों को मिल रहा है। इस दौरान नगर निगम के जेई जगदीश लाल, सीनियर सेनेटरी इंसपेक्टर विकास चौधरी, सफाई नायक दीपक सांवरिया, प्रमोद, बंटी, इरफान अंसारी, हाजी शहाबुद्दीन अंसारी, हुमैर आरिफ पीरजी, रेहान अंसारी आदि मौजूद रहे।

महिला पर लाठी डंडों से किया हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में घर के बाहर बच्चे के साथ टहल रही महिला पर लाठी डंडा से हमला कर दिया। पुलिस ने एसएसपी के निर्देश पर महिला की शिकायत पर सात लोगों पर मारपीट और और कुत्ते से हमला कराने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार मधु बिहार कॉलोनी निवासी सरस्वती पत्नी राजेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने पति के साथ सब्जी बेचने का काम करती है और परिवार का पालन पोषण करती है। 20 जून की रात वह अपने बच्चों के साथ घर के बाहर टहल रही थी, तभी शुभम नाम का युवक कार में आया और गालियां देने लगा। इसके बाद वह अपने रिश्तेदारों और अन्य के साथ लाठी, डंडों और लोहे की सरियों से लैस होकर आया और हमला कर दिया।

आईबीपीएस की प्रोबेशनरी ऑफिसर परीक्षा पास कर निशा नौटियाल ने बढ़ाया हरिद्वार का मान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सिलेक्शन परीक्षा पास कर ऋषिकुल निवासी निशा नौटियाल ने परिवार के साथ हरिद्वार का मान बढ़ाया है। इंस्टिटयूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में प्राबेशनरी ऑफिसर्स के पदों पर चयन के लिए ली जाने वाली परीक्षा पास कर बैंक ऑफ इंडिया में प्रोबेशनरी ऑफिसर्स के पद पर चयनित हुई निशा नौटियाल ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता एवं गुरूजनों को दिया है।

भारत सरकार की स्वतंत्र संस्था आईबीपीएस देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में अधिकारियों और कार्मिकों की नियुक्ति के लिए परीक्षा का आयोजन करती है। बैंकों के लिए प्रोबेशनरी ऑफिसर्स के पदों पर भर्ती के आईबीपीएस द्वारा 19 अक्टूबर 2024 को प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गई थी। प्रारंभिक परीक्षा में सफल उम्मीदवारों के लिए मुख्य परीक्षा का आयोजन 30 अक्टूबर 2024 को किया गया था। मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का साक्षात्कार फरवरी 2025 को लिया गया था। निशा नौटियाल ने परीक्षा के सभी चरण में शानदार सफलता हासिल कर बैंक आफ इंडिया में प्रोबेशनरी ऑफिसर के पद पर नियुक्ति पाने में सफलता हासिल की है।

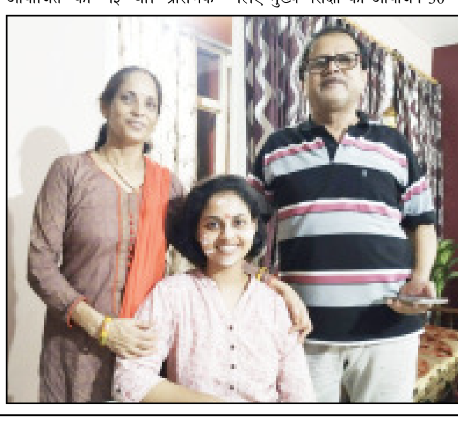

निशा के पिता सत्यप्रकाश नौटियाल और राजकीय प्राथमिक विद्यालय गाजीवाली में सहायक अध्यापिका के पद पर कार्यरत माता उषा नौटियाल ने बेटी की सफलता का श्रेय उसकी कड़ी मेहनत, समर्पण, अनुशासन और अटूट विश्वास को देते हुए बताया कि बैंक ऑफ इंडिया के नोएडा स्थित प्रशिक्षण महाविद्यालय में 30 जून से 3 सप्ताह के प्रशिक्षण के बाद ब्रांच में पोसिंटग दे दी जाएगी। निशा के चाचा प्रैस क्लब के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार दीपक नौटियाल ने अपनी भतीजी की इस सफलता पर कहा कि यदि इंसान अपने लक्ष्य के प्रति पूरी लगन से प्रयास करें तो सफलता निश्चित रूप से कदम चूमती है। यह सफलता उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, महासचिव दीपक मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार सुनीलदत्त पांडे, आदेश त्यागी, राजेंद्रनाथ गोस्वामी, श्रवण झा, डा. रजनीकांत शुक्ला, संजय आर्य, प्रदीप जोशी, अश्वनी अरोरा, मनोज रावत, कुलभूषण शर्मा, महावीर नेगी, ऋषिकुल पार्षद ललित रावत ने निशा की सफलता पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

श्री अखंड परशुराम अखाड़े ने की इटावा मामले की सीबीआई जांच की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री अखंड परशुराम अखाड़ा ने इटावा में यादव कथावाचक के बाल काटने और उस पर मूत्र छिड़कने की घटना और उसके बाद यादवों और ब्राह्मणों के बीच विवाद की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। ऋषिकुल घाट पर पूजा अर्चना के पश्चात बयान जारी करते हुए श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि धर्म को कमाई का जरिया बनाया जा रहा है। जिससे विवाद हो रहा है। जिसका जो अधिकार है। उसे उसका पालन करना चाहिए। दूसरे को उसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। जात पात के नाम पर आपस में लड़ना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ब्राहमण किसी के पास नहीं जाते। लोग ब्राह्मण के पास आते है तो ब्राह्मण धार्मिक क्रियाकलाप करते हैं और सभी को आशीर्वाद देते हैं। पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि इटावा मामले में राजनीति नही होनी चाहिए और चारों शंकराचार्यो को इस संबंध में अपना वक्तव्य जारी करना चाहिए। जिससे समाज को दिशा मिले और विवाद का समापन हो सके। इस दौरान भागवताचार्य पंडित पवन कृष्ण शास्त्री, पंडित विष्णु शास्त्री, आचार्य संजय शर्मा, कुलदीप शर्मा, बृजमोहन शर्मा, मनोज ठाकुर, अश्मित शर्मा, विष्णु गौड़ आदि मौजूद रहे।

ट्रक खाई में गिरा, एक की मौत, दो घायल

■ ट्रक सवार दिल्ली से टमाटर बेचकर जा रहे थे वापस हिमाचल के नेरवा, मृतक और दोनों घायल हिमाचल प्रदेश के नेरवा निवासी

शाह टाइम्स संवाददाता

कालसी। गुरुवार देर रात दिल्ली से नेरवा की तरफ जा रहा ट्रक कोटी से पहले कोलिया खड के पास स्टेरिंग फेल होने से अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में ट्रक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को विकासनगर उपजिलाचिकित्साल में भर्ती कराया गया है। मृतक का पंचायतनामा व पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक और दोनों घायल हिमाचल प्रदेश के नेरवा के निवासी है। वह दिल्ली से टमाटर बेचकर वापस नेरवा जा रहे थे।

कालसी थाना प्रभारी दीपक धारीवाल ने बताया कि गुरुवार रात करीब साढ़े दस बजे स्थानीय निवा. सियों ने सूचना दी कि कोटी से पहले कोलिया खड में एक आयशर ट्रक नीचे खाई में गिर गया है। जिसमें तीन लोग सवार थे। बताया कि सूचना पर तत्काल थाना कालसी पुलिस मौके पर पहुंची व एसडीआरएफ को भी सूचना दी। जिसके बाद स्थानीय निवासियों की मदद से घायलों व मृतक को बाहर निकाला गया। घायलों व मृतक को प्राइवेट वाहन से विकास नगर चिकित्सालय भेजा गया।

मृतक की पहचान इसराइल (28 वर्ष) पुत्र मसर निवासी ग्राम जलाला नेरवा हिमाचल प्रदेश व घायलों की पहचान असलम पुत्र नूर अहमद व गुलाम पुत्र मूर्तजा निवासी नेरवा हिमाचल प्रदेश के रूप में हुई। बताया घायलों को काफी चोंटे आई है। वाहन को असलम चला रहा था। जानकारी करने पर पता चला कि तीनों लोग आईसर ट्रक में दिल्ली से टमाटर बेचकर वापस नेरवा जा रहे थे।

घायल असलम ने बताया कि गाड़ी में अचानक आवाज आने से स्टेरिंग फेल हो गया और ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। मृतक का पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

निजी बस ने युवक को मारी टक्कर, गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

सेलाकुई। विकासनगर रूट पर चलने वाले निजी बस ने सहसपुर में जंगलात बैरियर के पास पैदल चल रहे एक युवक को टक्कर मार दी। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक के हाथ, पैर, सिर में काफी चोटें आई हैं। उसका इलाज सीएचसी सहसपुर में किया जा रहा है। पुलिस ने बस को सीज कर दिया है। तहरीर के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसएसआई विकास रावत ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि जंगलात बैरियर के पास बस से एक युवक को टक्कर मार दी है।

सूचना पर चीता कर्मी मौके पर पहुंचे और घायल युवक समीर पुत्र अल्ताफ निवासी चोरखाला सहसपुर को इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया।

बताया कि समीर पैदल सड़क पर चल रहा था। इसी दौरान विक. ासनगर से सेलाकुई की तरफ जा रही बस चालक पिंटू पुत्र निवासी विकासनगर ने उसे टक्कर मार दी। जिससे समीर के हाथ, पैर और सिर पर काफी चोटें आई है।

पूर्व सैनिक बोले, क्षेत्र में खुले कैंटीन व केवि

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय विकासनगर ने पूर्व सैनिक पर्वतीय जनकल्याण समिति पछवादून के सहयोग से पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन सेलाकुई के राजारोड़ तेलपुरा में किया गया। शिविर में पूर्व सैनिकों और वीर नारियों की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया और उन्हें विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में जिला सैनिक बोर्ड विकासनगर के कमांडिंग अफसर कर्नल ओमप्रकाश पासवान मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि कैंप का उद्देश्य पूर्व सैनिकों और उनके परिवारजनों को मिलने वाली सुविधाओं की जानक. ारी देना और उनकी समस्याओं का समाधान करना रहा। कहा कि पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए ऐसे शिविर समय-समय पर लगाए जाते हैं, ताकि उन्हें उनकी पात्र सुविधाएं और योजनाओं का लाभ तत्काल मिल सके। इस अवसर पर उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा के पछवादून अध्यक्ष निरंजन चौहान ने क्षेत्र में पूर्व सैनिकों की समस्याओं को मजबूती से रखते हुए कहा कि पछवादून क्षेत्र में आज तक कोई भी आर्मी कैंटीन नहीं है। जिसके कारण बुजुर्ग पूर्व सैनिकों को 20-25 किमी दूर जाना पड़ता है। उन्होंने क्षेत्र में एक आर्मी कैंटीन खोलने और पूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए एक केंद्रीय विद्यालय स्थापित करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने वृद्ध पूर्व सैनिकों के ईसीएचएच में आने-जाने के लिए एक विशेष बस सेवा शुरू करने, राजा रोड पर असिस्टेंट कमांडेंट शहीद टीकम सिंह द्वार का निर्माण शीघ्र करवाने की मांग की।

उन्होंने पूर्व सैनिकों की जमीनों पर कब्जे की बढ़ती आशंका पर भी चिंता व्यक्त की और एक स्थायी सहायता समिति के गठन की मांग की ताकि किसी भी पूर्व सैनिक को संकट में सहारा मिल सके। कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्र के कई पूर्व सैनिक, वीर नारियां एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान कैप्टन हयात सिंह, दरबार सिंह, वीर सिंह रावत, हनुमत सिंह, बुद्धि सिंह, परशुराम रतूड़ी, राम रतन नेगी, भागवत सिंह, राज. ेश्वरी देवी एवं संगीता देवी आदि मौजूद रहे।

महिला पर झपटा गुलदार

बागेश्वर। शोर मचाकर महिला ने गुलदार से अपनी जान बचाई। हालांकि इस बीच गुलदार ने अपने पंजों से महिला पर आत्मघाती हमला कर दिया। हमले में महिला का हाथ जख्मी हो गया। गुरुवार की रात गुलदार ने तुपेड़ गांव में खाना खा रही 40 वर्षीय कमला देवी पत्नी दयाल सिंह का हाथ जख्मी हो गया। परि. जनों व महिला ने हल्ला कर गुलदार को घर से भगाया। गुलदार की धमक से गांव में दहशत बनी हुई है। शुक्रवार को जिला अस्पताल में पहुंची पीड़ित ने अपनी आप बीती बताई। उन्होंने कहा यदि कुछ पल देर होती तो गुलदार उनकी जान ले सकता था। घटना के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। घायल महिला को जिला अस्पताल लाया गया। जहां डाक्टरों ने घायल का इलाज किया। ग्रामीणों ने वन विभाग से पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की। साथ ही पीड़िता को मुआवाजा देने की मांग की हैं।

केदारनाथ धाम जाने को वैकल्पिक मार्ग तैयार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। बीते तीन दिनों से सोनप्रयाग में सटल सेवा एप्रोच ब्रिज के समीप हो रहे लगातार भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा प्रभावित हो रही है। पहाड़ी से रुक-रुक कर गिर रहे बोल्डर और मलबे की वजह से मार्ग बार-बार अवरुद्ध हो रहा है, जिससे यात्रियों की आवा. जाही बाधित हो रही है।

प्रशासन की ओर से मार्ग को सुचारु करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। तीर्थ यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सोनप्रयाग से मुनकटिया तक निर्मित पैदल मार्ग पर बने अस्थाई पुल के एप्रोच पर गैबियन (पत्थरों से भरे मजबूत तार के बॉक्स) लगाकर मार्ग को ऊंचा किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि नदी का जलस्तर बढ़ने की स्थिति में पुल के पहुंच मार्ग को नुकसान न पहुंचे और पैदल यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं की आवाजाही निर्बाध बनी रहे।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के अधिशासी अभियंता विनय झिंक्वाण ने बताया कि यह वैकल्पिक अस्थाई मार्ग लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबा है। इसके अतिरिक्त मार्ग के दोनों तरफ नदी पर दो अस्थाई स्टील सेतु भी लगाए गए हैं। जो वर्तमान में यात्रा के लिए उपयुक्त है, मगर कदाचित जलस्तर बढ़ने के कारण पुल की एप्रोच पर नदी का पानी आ रहा है।

उन्होंने जानकारी दी कि पुल के एप्रोच को और सुरक्षित करने के लिए गैबियन लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है, ताकि नदी की धाराएँ पुल की एप्रोच को प्रभावित न कर सकें। उन्होंने कहा कि यह कार्य शीघ्रता से पूर्ण कर लिया जाएगा, जिससे केदारनाथ यात्रा सुचारु रूप से जारी रह सके और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

हंस फाउंडेशन व हनुमत धाम ने किया मेडिकल कैंप का आयोजन

विकासनगर। (शाह टाइम्स) हंस फाउंडेशन बहादराबाद और हनुमत धाम के संयुक्त रूप से आंख नाक गला आदि का मेडिकल कैंप हनुमान धाम में आयोजित किया गया, आज के कैंप में लगभग 70 लोगों का चेकअप किया गया जिसमें हंस फाउंडेशन के द्वारा चश्मा और दवाइयां वितरण की गई, 20 लोगों का चयन मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए किया गया। इस मौके पर हनुमत धाम के महत्व विष्णु महावर ने कहा हंस फाउंडेशन में माता मंगला के प्रयास से लोगों को यह सुविधा निशुल्क उपलब्ध हो रही है उसके लिए माता मंगला और भोले जी महाराज धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा अब तक लगभग निशुल्क 40 लोगों का आंखों का ऑपरेशन कैंप के माध्यम से हो चुका है और 200 लोगों को दवाई चश्मा वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह के अंतिम शुक्रवार को कैंप का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर हंस फाउंडेशन व हनुमान धाम की तरफ से विकास शर्मा, पंडित जीवन भट्ट, हनुमत धाम के महंत विष्णु महावर, पंडित आकाश, विनय, पंकज गोयल आदि उपस्थित थे।

भारतीय वन्यजीव संस्थान में आयोजित किया गया भारतीय संरक्षण सम्मेलन-2025

वन्य जीव शोधकर्ताओं, संरक्षण वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं का लगा जमावड़ा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून में भारतीय संरक्षण सम्मेलन के अंतिम दिन भारत के वन्य जीव शोधकर्ताओं, संरक्षण वैज्ञानिकों, वन अधिकारियों और नीति निर्माताओं की सबसे बड़ी सभा एक ही छत के नीचे हुई। देश भर और उसके बाहर से 500 से अधिक प्रतिभागियों के साथ, 3 दिवसीय कार्यक्रम - पूर्व-सम्मेलन कार्यशालाओं के एक पूरे दिन से पहले - भारत में सहयोगात्मक और डेटा-संचालित संरक्षण कार्रवाई के लिए बढ़ती गति को दर्शाता है। समापन दिवस की शुरुआत डॉ. महेश शंकरन के संबोधन से हुई, जिन्होंने 'सवाना पारिस्थितिकी तंत्र में जलवायु-जैव विविधता संबंधों' पर एक आकर्षक गहन चर्चा की।

देशभर की शोध परियोजनाओं प्रदर्शित इसके बाद के तकनीकी सत्रों में आनुवंशिकी, परिदृश्य पारिस्थितिकी, संरक्षण संघर्ष और प्रजातियों की निगरानी पर मौखिक प्रस्तुतियों का एक समृद्ध मिश्रण शामिल था। डॉ. आकांक्षा राठौर ने ष्सेंसिंग द वाइल्ड: एआई टूल्स फॉर ट्रैकिंग, अंडरस्टैंडिंग एंड कंजर्विंग नेचरष पर एक आकर्षक स्पॉटलाइट टॉक दिया, जिसमें दिखाया गया कि कैसे उभरती हुई तकनीक वन्यजीव निगरानी और पारिस्थितिकी अनुसंधान में क्रांति ला सकती हैं। डॉ. मनोज नायर, आईएफएस, सीसीएफ ओडिशा ने भारत में चल रही संरक्षण प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। वन्यजीव संस्थान की डीन डॉ. रुचि बडोला ने कहा, इस मंच ने शोध, नीति और अभ्यास के बीच की खाई को पाटने में मदद की है - खासकर हमारे छात्रों और शुरुआती करियर के पेशेवरों के लिए।

वन्यजीव संस्थान के निदेशक वीरेंद्र तिवारी ने कहा 500 से ज्यादा लोगों के साथ, आईसीसीओएन 2025 देश में अपनी तरह का सबसे बड़ा आयोजन है। यह संरक्षण नेतृत्व को बढ़ावा देने और बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए डब्ल्यूआईआई की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। हम पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और मंत्री भूपेंद्र यादव के निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं।

भाजपा ने 25 जून 1975 को काला दिवस के रूप में मनाया

■ आपातकाल के संस्मरण पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। भारतीय लोकतंत्र के सबसे काले अध्याय 25 जून 1975 की 50वीं बरसी पर भाजपा देशभर में 'काला दिवस' मना रही है। इसी क्रम में विकासनगर क्षेत्र के कोटड़ा कल्याणपुर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां लो. कतंत्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित करने वाले नेताओं को याद किया गया।

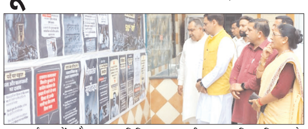

कोटड़ा कल्याणपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर सहित पार्टी पदाधिकारियों ने शिरकत की।

वहीं इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अपने दादा, स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा का जिक्र करते हुए कहा कि आपातकाल के दौरान उन्होंने सत्ता की परवाह किए बिना लो. कतंत्र का पक्ष चुना, और यही हमारी विरासत है। कार्यक्रम में आपातकाल के साक्षी कुंवर सिंह को भी मुख्य अतिथि सौरभ बहुगुणा, विधायक सहसपुर सहदेव पुंडीर, जिला अध्यक्ष मीता सिंह, राज्यमंत्री भुवन विक्रम डबराल, संतोष रावत, नीरू देवी ने शॉल भेट कर माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम को पालिका अध्यक्ष नीरू देवी, राज्यमंत्री भुवन विक्रम डबराल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम स्थल पर आपातकाल के संस्मरण आधारित एक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया।

इस अवसर पर नरेश चौहान, अनिल कुमार, भाजयुमो जिलाध्यक्ष संजय तोमर, मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ चौधरी, राहुल शर्मा, अनुज गुलेरिया, लक्ष्मी अग्रवाल, कृष्णा तोमर, नेहा शर्मा, आशा सैकसेना, प्रदीप वर्मा, सुरेंद्र चौहान, रितेश असवाल, जनार्दन जोशी, सुभाष शर्मा, अनिल नोटियाल, सुखबीर बुटोला, भगवती बेलवाल, मंजू नेगी, सुनीता चौधरी, वीरता गुरुंग, देवेंद्र चावला आदि उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस ने एक लाख रुपये कीमत की चरस पकड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। कोतवाली विकासनगर पुलिस ने अवैध चरस 960 ग्राम (एक लाख रूपये कीमत) का परिवहन करते मय कार स्विट डिजायर के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग के दौरान त्यागी फार्म हाउस से थोड़ा आगे अजीत नगर केनाल रोड से आती हुए स्विफ्ट डिजायर कार चालक द्वारा पुलिस को देखकर पीछे मुड़ाकर भागने पर संदिग्ध प्रतीत होने पर एक दम अपने अपने वाहनों को चलकर उक्त कार को घेरकर रोककर चेक करने पर उक्त कार में चालक गोपाल प्रसाद पुत्र स्व. जगदम्बा प्रसाद निवासी सीटी 25 डाकपत्थर विकासनगर को 960 ग्राम अवैध चरस को अपने कब्जे में रखकर परिवहन करते मय एक कार स्विट डिजायर के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस टीम में संदीप कुमार चौकी प्रभारी बाजार, सिपाही संदीप पंवार, सौरभ कुमार शामिल रहे।

विद्यार्थियों को दिया कम्प्यूटर कोर्स का प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज सहसपुर में विद्यार्थियों को इनडस एवं एनआईआईटी फाउंडेशन के द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

इस कार्यक्रम में विधालय के प्रधानाचार्य डा. रविंद्र कुमार सैनी, सुनीता रावत (चेयरपर्सन अनुनाद सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल) डा. मदनपाल बिरला (शिक्षक राजकीय प्राथमिक विद्यालयविकास नगर) एवं रमेश चंद्र गर्ग (सेवानिवृत्त प्रवक्ता आशाराम वैदिक इण्टर कालेज विकासनगर), विद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता आलोक बिजल्वाण रहे।

तीनों अतिथियों ने कहा कि कंप्यूटर के ज्ञान का महत्व आधुनिक युग में बहुत अधिक है, खासकर छात्र-छात्राओं के लिए। इससे वे डिजिटल साक्षर बनते हैं और आधुनिक तकनीक का उपयोग करने में सक्षम होते हैं। कंप्यूटर के ज्ञान से उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अवसर मिलते हैं, जैसे कि सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि। इससे वे समस्याओं का समाधान करने के लिए तर्कसंगत और विश्लेषणात्मक तरीके से सोच सकते हैं और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकते हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को 1 माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

खेल मंत्री ने किया 20वी इंडोर आइस स्केटिंग नेशनल चैंपियनशिप का शुभारंभ

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड की खेल उपलब्धियों में शुक्रवार को उस समय एक नया आयाम जुड़ गया जब हिमाद्री आइस रिंक में देश की पहली इंडोर आइस स्केटिंग नेशनल चैंपियनशिप की शुरुआत हुई। चौंपियनशिप में 19 राज्यों की टीमें हिस्सा ले रही है।

शुक्रवार को खेल मंत्री रेखा आर्या ने महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स स्टेडियम के हिमाद्री आइस रिंक में 20वीं नेशनल शॉर्ट ट्रैक एंड फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि अभी तक देश में आइस स्केटिंग की सभी नेशनल चौंपियनशिप बर्फबारी के सीजन में खुले पहाड़ी मैदानों में कराई जाती थी। पहली बार आइस स्केटिंग की नेशनल चौंपियनशिप इंडोर स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। खेल मंत्री ने कहा कि यह देवभूमि उत्तराखंड को खेल भूमि बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम है।

कहा कि हमारा यह आइस रिंक देशभर के खिलाड़ियों के अभ्यास व ट्रेनिंग के लिए खुला है और हम चाहते हैं कि इस खेल अवस्थापना का फायदा उठाकर भारत के खिलाड़ी दुनिया भर में आइस गेम्स में देश का नाम रोशन करें।

इस अवसर पर आइस स्केटिंग के खिलाड़ियों ने इतने सुंदर स्किल का प्रदर्शन किया कि दर्शक दांतो तले उंगली दबाने पर मजबूर हो गए।

इस अवसर पर विशेष प्रमुख खेल सचिव अमित सिन्हा, खेल निदेशक आशीष चौहान, आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अमिताभ शर्मा, एशियाई इवेंट कोऑर्डिनेटर क्रिस चेन, आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के अध्यक्ष शिव पैन्यूली, जगराज साहनी आदि मौजूद रहे।

हिमाद्री में की ट्रेनिंग, यूएई में जीता मेडल

खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि आइस हॉकी की इंडियन वूमेंस टीम ने हाल ही में यूएई में आयोजित एशियाई चौंपियनशिप कप में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया है। यूएई रवाना होने से पहले इंडियन वूमेंस आइस हॉकी टीम की एक महीने की ट्रेनिंग हिमाद्री आइस रिंक में कराई गई थी। इंटरनेशनल लेवल पर ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली टीम की खिलाड़ियों ने बाद में यह माना कि उनकी तैयारी में देहरादून के हिमाद्री आइस रिंक की बड़ी भूमिका रही। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उत्तराखंड का खेल ढांचा अब टीम इंडिया को इंटरनेशनल मेडल दिलाने में सहायक बन रहा है जो कि हर प्रदेशवासी के लिए गौरव की बात है।

नवप्रभात ने किया जगन्नाथ यात्रा का स्वागत

विकासनगर। शाह टाइम्स जगन्नाथ यात्रा का पूर्व मंत्री नव प्रभात के द्वारा किया गया स्वागत। इस मौके पर उन्होंने कहा भगवान जगन्नाथ हम सब के आराध्य हैं इस मौके पर विकास शर्मा नगर पालिका के अध्यक्ष धीरज बॉबी नौटियाल, सभासद भारत कालरा, सभासद सोनिया वर्मा, संजय जैन, बलजीत सिंह, भुवन पथ, मायाराम, राजकमल जुगरण, राजीव शर्मा, सुबोध वर्मा, सुरेंद्र शर्मा, डीके बर्नजी, राजमोहन बिष्ट, आशीष पुंडीर, नीरज रोहिल्ला आदि शामिल रहे।

उत्तराखण्ड कुदरती तरीके से कृषि उत्पादों का स्वर्ग : जोशी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने उत्तराखण्ड पीएचडी चौम्बर ऑफ कामर्स द्वारा आयोजित एग्रो एक्सपोर्ट कॉन्क्लेव का दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया। देहरादून के राजपुर रोड़ स्थित एक होटल में कृषि मंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगाये गये स्टॉलों का भी निरीक्षण किया और उत्पादों से जानकारी ली।

अपने सम्बोधन में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड की देवभूमि में इस प्रकार के विच. ारशील और दूरदर्शी सम्मेलन का आयोजन होना, हम सभी के लिए गौरव की बात है। यह केवल संवाद का मंच नहीं है, बल्कि अवसरों के नए द्वार खोलने वाली पहल है और हमारे कृषि क्षेत्र को निर्यात केंद्रित शक्ति में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य में उच्च मूल्य की फसलों, जैविक उत्पादों, औषधीय पौधों, मसालों, मिलेट्स और बाग. वानी फसलों की अपार संभावनाएं हैं। चाहे वो पौड़ी की लाल चावल हो, चमोली की हल्दी, अल्मोड़ा का राजमा हो या उधमसिंह नगर के सब्जियां, ये उत्पाद अब देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी लोकप्रिय हो रहे हैं।

■ कृषि मंत्री जोशी ने किया पीएचडी चौम्बर ऑफ कामर्स के आयोजित एग्रो एक्सपोर्ट कॉन्क्लेव का शुभारम्भ, कहा - हर उत्पाद में गुणवत्ता और शुद्धता का अनोखा संगम

कृषि मंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड, अपनी जैव विविधता, उपजाऊ मिट्टी और स्वच्छ पर्यावरण के कारण, कुदरती तरीके से कृषि उत्पादों का स्वर्ग है। हर उत्पाद में गुणवत्ता और शुद्धता का अनोखा संगम है। आज हम इसी सामग्री को दुनिया भर में पहुँचाने का संकल्प ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार, केंद्र सरकार के साथ मिलकर, किसान उत्पादक संगठनों, कृषि तकनीकी मिशन, मिशन ऑर्गेनिक उत्तराखण्ड तथा स्कीम ऑफ प्रॉसेसिंग पार्क्स आदि की शुरुआत कर चुकी है। हमारा उद्देश्य किसान को कच्चा माल बेचने तक सीमित न रखकर, उन्हें वैल्यू एडिशन, ब्रांडिंग और ग्लोबल मार्केट तक पहुँचाने का है। राज्य की उपजों को निर्यात करने जैसे अहम मुद्दों पर भी सम्मेलन में चर्चा हुई। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो के निदेशक सौरभ तिवारी, नाबार्ड के सीजीएम पंकज यादव, पीएचडी चौम्बर के चेयरमैन हेमंत कोचर, रितेश कुमार सिंह और अतुल श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTTHIN2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

एक नजर...

फर्जी दस्तावेज़ों से बनवाया मकान

नैनीताल। नगर के मल्लीताल निवासी पवन जाटव ने नेपाली मूल के लोगों पर भारती के फर्जी दस्तावेज बनाकर सरकारी अतिक्रमण कर मकान बनाने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। बता दें कि मल्लीताल निवासी पवन जाटव ने एसएसपी को शिकायती पत्र देते हुए कहा है कि बीते कई वर्षो से नेपाल से आए लोगों ने नैनीताल शहर व ल खुर्पाताल के एक तोक में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर लिया है। नेपाली मूल के लोगों गलत तरीके से भारत के फर्जी दस्तावेज बना कर यहां घर भी बना लिए हैं। जबकि भारत में बिना भारत सरकार को जानकारी दिये कोई विदेशी नागरिक न ही जमीन खरीद सकता है और न ही दस्तावेज बना सकता है। जिसको लेकर माननीय उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। उन्होंने कहा है कि पूर्व में कई गई शिकायत की जांच से वह संतुष्ट नहीं हैं इसलिए दोबारा जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। दूसरी ओर शिकायत के आधार पर कोतवाली पुलिस की ओर से देवी रॉय, हिमाल कुमार, विनोद रॉय, गौरी देवी व राजवती देवी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

महिला के अकाउंट से कैश निकालने की कोशिश

नैनीताल। नगर के मल्लीताल क्षेत्र की एक महिला के चैक से अज्ञात व्यक्ति द्वारा रूपये निकालने की कोशिश की है। बैंक व महिला की सूझबूझ से महिला के खाते से रूपये निकलने से बच गए। जानकारी के अनुसार मल्लीताल निवासी मुन्नी देवी के पास शुक्रवार को बैंक से कॉल आया जिसमें उनकी ओर से 7 लाख का चैक किसी व्यक्ति को भुगतान किए जाने की बात पूछी गई। जिस पर महिला ने उनकी ओर से किसी भी व्यक्ति को चैक देने की बात से इंकार कर दिया, जिसके बाद वह खुद बैंक पहुंच गई। जिसके बाद उन्होंने उनके खाते से किसी को भुगतान न करने की अपील की। जिस पर बैंक ने अकाउंट से भुगतान रोक दिया वहीं महिला ने पुलिस को भी मामले की जानकारी देते हुए मामले में कार्रवाई की मांग की। एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया कि मामले में महिला का चैक बैंक में लगाने वाले का पता किया जा रहा है।

विधायक के रिश्तेदार को हूटर बजाना महंगा पड़ा

नैनीताल। यूपी के विधायक के रिश्तेदार को नैनीताल में हूटर बजाना महंगा पड़ गया। पुलिस ने वाहन से हूटर हटाते हुए युवक के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कालाढूंगी रोड से नैनीताल को यूपी 86एकयू-9009 वाहन हूटर बजाते हुए नैनीताल की ओर आ रहा था। बारापत्थर पुलिस चौकी में वाहनों की कतार के दौरान भी वाहन हूटर बजाते हुए आगे निकल गया। इस दौरान पुलिस को किसी विधायक या मंत्री के आने का आभास हुआ। लेकिन चौकी के समीप जब वाहन रोक पूछताछ की गई तो वाहन में कोई मंत्री या विधायक नहीं था। वाहन चालक ने बताया कि वाहन उसका है और उसके रिश्तेदार विधायक हैं। जिसके चलते उन्होंने हूटर लगाया है। कोतवाली में तैनात एसआई दीपक कार्की ने बताया कि वाहन से हूटर निकाल लिया गया है। जिसके बाद हाथरस यूपी निवासी सूर्या नंदन के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है।

अनियंत्रित होकर पालिका परिसर में गिरी बुलेरो

नैनीताल। नैनीताल के मल्लीताल स्थित पंतपार्क के समीप शुक्रवार को अनियंत्रित होकर बुलेरो नगरपालिका परिसर में आ गिरी। गनीमत है कि आसपास कोई भी वाहन की चपेट में नहीं आया जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी में दो लोग सवार थे जो गाड़ी गिरते ही वहां से फरार हो गए। मामले में पालिकाध्यक्ष डा. सरसवती खेतवाल का कहना है कि वाहन के गिरने से पालिका की संपति का जो भी नुकसान हुआ है उसकी वाहन चालक से उसकी भरपाई कराई जाएगी।

कुलपति का कूटा ने आभार जताया

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (कूटा) ने विश्वविद्यालय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम को भव्य तथा ऐतिहासिक बताते हुए इसकी कामयाबी के लिए विवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत का पुष्प गुच्छ, भागवत गीता तथा देवदार का पौधा भेंटकर उनका विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। बता दें कि कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ तथा राज्यपाल उत्तराखंड लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह तथा उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत को विशिष्ट अतिथि के रूप में एक साथ पधारने पर कूटा ने हर्ष व्यक्त किया। उप राष्ट्रपति की उपस्थिति से कार्यक्रम अति गरिमामय हुआ तथा कार्यक्रम ऐतिहासिक तथा भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की सफलता कूटा द्वारा कुलपति प्रो.रावत को बधाई दी। इस अवसर कूटा के अध्यक्ष प्रो.ललित तिवारी समेत डीएसबी परिसर के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.संजय पंत, कूटा के महासचिव डा. विजय कुमार तथा कुविवि के क्रीड़ाधिकारी डा. नागेंद्र प्रसाद शर्मा शामिल रहे।

अनूठा पौधारोपण आंदोलन जारी

नैनीताल। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आवाहन पर नियमितीकरण नियमावली कट ऑफ डेट 2025 को लेकर किया जा रहा राज्य में अनूठा पौधा रोपण आंदोलन 257 वें दिन भी जारी रहा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरु रानी के नेतृत्व में पर्यटकों को पौधारोपण कार्यक्रम से जोड़ने के तहत स्लोगन देवभूमि में पर्यटक बनकर आईए पौधारोपण कर पर्यावरण मित्र बनकर जाइए के तहत गुरना देवी मंदिर परिसर पिथौरागढ़ स्थित गुरना वाटिका में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए।

शेरवुड ने देश को दीं कई नामी हस्तियां

सदी के महानायक बिग बी और मानेक शॉ शेरवुड कॉलेज की देन

अफज़ल फौजी

नैनीताल। उत्तर भारत के सबसे प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक स्कूलों में शुमार शेरवुड कॉलेज नैनीताल ने अपनी शैक्षिक यात्रा के 156 वर्ष पूरे कर लिए हैं। हरे-भरे पहाड़ों के बीच स्थित यह शिक्षण संस्थान न केवल अपनी भव्यता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि अपने गौरवशाली पूर्व छात्रों और अनुशासित शैक्षिक परंपराओं के लिए भी जाना जाता है। 1869 में ब्रिटिश मिशनरियों द्वारा स्थापित यह विद्यालय प्रारंभ में डायोसिसन बॉयज स्कूल के नाम से जाना जाता था। जिसे वर्ष 1873 में शेरवुड कॉलेज नाम मिला। यह स्कूल लगभग 300 एकड़ में फैला है और इसकी वास्तुकला औपनिवेशिक काल की भव्यता को दर्शाती है। विद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं से युकत विज्ञान प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर लैब, विशाल पुस्तकालय, खेल परिसर और छात्रावास हैं , जो छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आदर्श वातावरण प्रदान करते हैं। शेरवुड कॉलेज ने बीते डेढ़ शताब्दी में देश और दुनिया को कई महान शख्सियतें

दी हैं, जिनमें अमिताभ बच्चन, बॉलीवुड के महानायक, जिन्होंने 1958-1959 में यहां पढ़ाई की और बेस्ट ऑलराउंडर स्टूडेंट का खिताब हासिल किया। फील्ड मार्शल एसएचएफजे मानेकशॉ, भारतीय सेना के सबसे सम्मानित सैन्य अधिकारी थे। परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा, जिन्होंने 1947 के कश्मीर युद्ध में अद्वितीय वीरता दिखाई। जनरल वीएन शर्मा, भारतीय थल सेना के पूर्व प्रमुख एनके किदवई, पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ राजनेता इनके अलावा, वीर चक्र विजेता मेजर समर बहादुर और अनेक बहादुर सैनिक, प्रशासनिक अधिक. ारी, वैज्ञानिक, लेखक, और कलाकार इस विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर देश-विदेश में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। फाउंडर्स डे शेरवुड कॉलेज का एक प्रमुख आयोजन होता है, जिसे हर साल भव्यता के साथ मनाया जाता है, इस अवसर पर पूर्व छात्र भी शामिल होते हैं, जो नए छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा करते हैं और प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। यह आयोजन पुराने और नए छात्रों के बीच एक मजबूत सेतु का काम करता है। विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेल, संगीत, रंगमंच, वाद-विवाद और सामाजिक सेवा पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है, यही कारण है कि शेरवुड से निकले छात्र न केवल शैक्षणिक रूप से बल्कि व्यक्तित्व के हर क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरते हैं। आज भी शेरवुड कॉलेज में कई पूर्व छात्र शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं, जो अगली पीढ़ी को मार्गदर्शन और मूल्यों की शिक्षा दे रहे हैं। यह परंपरा दर्शाती है कि यह संस्थान न केवल ज्ञान देता है, बल्कि जीवन के मूल्यों और राष्ट्र सेवा की भावना भी छात्रों में भरता है। शेरवुड कॉलेज केवल एक स्कूल नहीं, बल्कि एक परंपरा, एक प्रेरणा और एक विचार है, जिसने हजारों युवाओं को जीवन में कुछ बड़ा करने की दिशा दी है, 156 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा में इस संस्थान ने शिक्षा, संस्कृति और चरित्र निर्माण की जो मिसाल कायम की है, वह आने वाले वर्षों में भी देश को उत्कृष्ट नागरिक देने का कार्य करती रहेगी।

छात्रों से उपराष्ट्रपति ने कहा-आप ऐसे स्थान पर हैं, जहां दिग्गजों ने कदम रखे

नैनीताल। शेरवुड कालेज के पूर्व छात्रों की विरासत को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने छात्रों से कहा आप ऐसे स्थान पर हैं जहां दिग्गजों ने कदम रखे हैं। मेजर सोमनाथ शर्मा भारत के पहले परमवीर चक्र विजेता इस राष्ट्र का सर्वोच्च सैन्य सममान यहीं के छात्र थे। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ 1971 की ऐतिहासिक विजय के शिल्पकार जिन्होंने यह जीत राष्ट्र को दिलाई वे भी यहीं से शिक्षित हुए। आप उस विरासत में जी रहे हैं इसे कभी न भूलें और अगर मैं अन्य क्षेत्रों की बात करूं तो अनेक नाम हैं लेकिन मैं एक नाम अवश्य लूंगा अमिताभ बच्चन का क्योंकि उनकी पत्नी जया बच्चन राज्यसभा की प्रतिष्ठित सदस्य हैं। अमिताभ बच्चन हमें हमेशा याद दिलाते हैं कर्म ही पूजा है। कार्य करने की कोई उम्र नहीं होती आपको निरंतर योगदान करते रहना है। उन्होंने कहा कि उनकी अद्‌भुत उपलबधियां आपकी विरासत हैं। उनकी उपल. बधियां आपकी नींव हैं लेकिन इससे भी अधिक उनकी विरासत अब आपकी जिमेदारी है। आपको नए मानक स्थापित करने होंगे।

बच्चों पर दबाव न डालें अभिभावक: धनखड़

नैनीताल। समारोह में अभिभावकों से अपील करते हुए उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मातृत्व-पितृत्व वह सबसे बड़ी जिमेदारी है जो केवल आपके बच्चों के प्रति ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के प्रति है। इसलिए अपने बच्चों पर दबाव न डालें। यह मत तय करें कि उनका जीवन का उद्देश्य कया होगा। यदि आप तय करेंगे तो वे सब केवल पैसे या पैसे के पीछे दौड़ेंगे। फिर वैज्ञानिक कहां से आएंगे?, खगोलशास्त्री कहां से आएंगे? वे लोग कहां से आएंगे जो पूरे विश्व की दिशा तय करते हैं।

दुनिया तेज़ी से बदल रही है

नैनीताल। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने छात्र-छात्राओं से कहा-दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। हमें परिवर्तन से पीछे नहीं रहना है। हमें वही परिवर्तन लाना है जिसकी आवश्यकता है वही बदलाव गढ़ना है जो हम चाहते हैं और भारत वह बदलाव चाहता है जो संपूर्ण पृथ्वी के लिए कल्याणकारी हो, इसलिए हमने जी-20 में विश्व को एक सूत्र दिया-एक पृथ्वी-एक परिवार-एक भविष्य।

आप भविष्य के निर्माता हैं: राज्यपाल

नैनीताल। समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह समय आपका है। आप न केवल इस महान परंपरा के उत्तराधिकारी हैं बल्कि आप ही भविष्य के निर्माता भी हैं।

गौरांश भट्ट और इशांत से मिले उपराष्ट्रपति

नैनीताल के शेरवुड स्कूल के 156वें स्थापना दिवस के मौके पर शुक्रवार को आयोजित समारोह में शामिल होने पहुंचे देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कार्यक्रम समापन के बाद एक भावुक पल साझा किया। बता दें शेरवुड स्कूल के गेट के बाहर खड़े दो स्कूली बच्चों को देखकर उपराष्ट्रपति ने अपनी कार रुकवाई और बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने दोनों बच्चों से नाम और स्कूल की जानकारी ली और उन्हें प्रोत्साहित किया। इन बच्चों में इशांत और गौरांस थे जोकि सेंट जेवियर्स स्कूल नैनीताल के छात्र थे, ने कहा कि उन्हें देश के उपराष्ट्रपति से मिलकर बेहद खुशी हुई।

भवन मानचित्र स्वीकृति के लिए 2 जुलाई को हल्द्वानी में होगा एक दिवसीय कैंप

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण द्वारा नगर निगम हल्द्वानी-काठगोदाम एवं नगर पालि. का परिषद रामनगर क्षेत्रान्तर्गत भवन मानचित्र स्वीकृति के लिए 2 जुलाई 2025 को एक दिवसीय कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह कैंप पूर्वान्ह 11 बजे से प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय, हल्द्वानी (उपजिलाधिकारी कार्यालय परिसर) में आयोजित होगा। जिला विकास प्राधिकरण नैनीताल के सचिव विजयनाथ शुक्ल ने बताया कि इस कैंप में प्राप्त भवन मानचित्रों का मौके पर ही निस्तारण कर स्वीकृति प्रमाण पत्र निर्गत किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि भवन मानचित्रों की स्वीकृति के लिए विभिन्न विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी। ऐसे मामलों (क्रिटिकल मामलों को छोड़कर) में संबंधित विभागों की उपस्थिति में मौके पर ही अनापत्ति जारी कर मानचित्रों का निस्तारण किया जाएगा। शुक्ल ने बताया कि कैंप का उद्देश्य जनसामान्य को भवन मानचित्र स्वीकृति में सुविधा प्रदान करना है। इस दौरान नगर निगम हल्द्वानी, तहसील कार्यालय, नगर पालिका, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग, जल संस्थान, विद्युत, उद्यान, अग्निशमन सहित संबंधित विभागों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिका. रियों एवं सक्षम प्रतिनिधियों से समय पर कैंप में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने की अपील की है, ताकि आम जनता को त्वरित सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

पंत पार्क से गुरुद्वारा तक दुकानें लगाने दी जाएं

रेहड़ी पटरी हॉकर्स एसोसिएशन ने नगर पालिका के सामने दिया धरना

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। रेहड़ी पटरी हॉकर्स एसोसिऐशन नैनीताल ने शुक्रवार को नगर पालिका के सामने धरना प्रर्दशन किया। जिसमें उन्होंने नगरपालिका परिषद प्रशासन से अपने टोकन वापसी और पंत पार्क से गुरूद्वारा परिसर तक दुकाने लगाने की मांग की।

बता दें कि शुक्रवार को रेहड़ी पटरी हॉकर्स एसोसिऐशन ने नगर पालिका नैनीताल के सामने अपनी मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने मांग की बीते तीन सालों से नगर पालिका ने फड़ करोबारियों के टोकन नवीनीकरण के लिए जामा किए थे लेकिन पालिका ने अभी तक टोकनों का नवीनीकरण कर वापस नहीं किए हैं। टोकन की मांग के लिए पालिका को काई बार लिखित रूप से अवगत कराया गया हैए लेकिन पालिका ने काई सुनवाई नहीं की। इसके साथ ही कोर्ट के आदेश पर फड़ व्यवसायी वीआईपी पार्किंग से गुरूद्वारा परिसर तक फड़ करोबारी दुकान लगाते थे। पुलिस प्रशासन व नगरपालिका ने फड़ व्यवसायियों को वहां से हटाकर नगरपालिका के समीप बिठा दिया है जिससे उनका करोबार पट हो गया है। कारोबारियों ने पूर्व पालिका के ईओ को ज्ञापन दिया था जिसमें उन्होंने पूर्व की भांति दुकान लगाने की अनुमति मांगी थी, मांग पूरी न होने पर कारोबारियों ने पालिका के समक्ष धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान फड़ कारोबारी संजय कुमार, मंजु वर्मा, बबीता देवी, ललित लाल, भावना बिष्ट, विजय कुमार, जमीर अहमद, तिलक कुमार, विनोद कुमार व रूपवती आदि मौजूद रहे। म्मामले में पालिका के ईओ (द्वितीय) विनोद जीना ने बताया कि फड़ व्यवसायियों की बात को जिला. धिकारी वंदना सिंह तक पहुंचायी जाएगी। जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार ही फड़ व्यवसायियों को दुकाने लगाने दी जाएंगी।

अतिक्रमण चिन्हित कर ध्वस्त कराएं एसडीएम रुड़की

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने हरिद्वार के ग्राम नूरपुर पेजनहेड़ी में दो लोगो के द्वारा सार्वजनिक रास्ते के ऊपर अतिक्रमण कर के लेंटर जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ती आलोक महरा की खण्डपीठ ने एसडीएम रुड़की को निर्देश दिए हैं कि अतिक्रमण को चिन्हित कर विधि अनुसार ध्वस्त कर के उसकी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करें।

मामले के अनुसार ग्राम के जागरूक नागरिक सौरभ सरकार ने उच्च न्यायलय में जनहित याचिका दायर कर कहा है कि रुड़की के ग्राम नूरपुर में आम रास्ते के ऊपर प्रदीप चौहान व अतुल चौहान ने अतिक्रमण कर एक दूसरे के घर आने जाने के लिए फ्लाई ओवर की तरह पुल का निर्माण कार्य कर दिया है। जिसकी वजह से आमजन व वाहनों को आने जाने में दिक्कत हो रही है। जब इसकी शिकायत डीएम व एसएसपी से की गई तो उनकी शिकायत पर कोई कार्यवाही नही हुई। इस मुद्दे का हल निकालने के लिए उन्हें उच्च न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। जनहित याचिका में उनके द्वारा कोर्ट से प्रार्थना की है कि अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त किया जाए।

कार्यालय-कांवड मेला समिति / नगर पालिका परिषद, मुनिकीरेती-ढालवाला

पत्रांक:- मेमो/कोटेशन/2025-26 | दिनांक:- 27-06-2025

कोटेशन सूचना

कांवड मेला समिति को कांवड मेला 2025 के दृष्टिगत नगर क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु जनहित में पार्किंग में किराये पर लाईटिंग की व्यवस्था, अस्थाई साउण्ड सिस्टम, साइनेज की व्यवस्था आदि कार्य करवाये जाने की आवश्यकता है जो कि मेला अवधि के लिए किराये के आधार पर किया जाना है। जिस हेतु इच्छुक कम्पनी / फर्म / डीलर से दिनांक 04/07/2025 को 2:00 बजे तक न्यूनतम कोटेशन आमन्त्रित किये जाते हैं। जो कि उसी दिन सांय 4:00 बजे कोटेशनदाताओ के समक्ष खोली जायेंगी। किसी एक या समस्त कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा। कांवड मेला-2025 हेतु किये जाने वाले कार्य का विवरण निम्नानुसार है-

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
01	पूर्णानन्द पार्किंग में किराये पर लाईटिंग की व्यवस्था, पुलिस अस्थाई टेण्ट में पंखे, स्वीच बोर्ड एवं लाईटिंग, बैरीकेटिंग आदि लगाये जाने का कार्य।	2.49 लाख
02	नगर क्षेत्र में पुलिस बूथो एवं अन्य आवश्यक स्थानो पर अस्थाई साउण्ड सिस्टम किराये पर लगाये जाने का कार्य।	2.48 लाख
03	कांवड मेला के दृष्टिगत नगर क्षेत्र में मुख्य स्थानो पर साईनेज का कार्य।	2.48 लाख
04	चन्द्रभागा पार्किंग में किराये पर लाईटिंग एवं बैरीकेटिंग आदि की व्यवस्था का कार्य।	2.45 लाख

शर्ते-
1- किसी भी प्रकार की क्षति/हानि के लिये सम्बन्धित ठेकेदार की जिम्मेदारी होगी।
2- संपादित किये जाने वाले कार्य के सम्बन्ध में सक्षम अधिकारी के दिशा निर्देशानुसार कार्य करना होगा।

(अंकिता जोशी)
सचिव
कांवड मेला समिति, मुनिकीरेती।

(आशीष घिल्डियाल)
अध्यक्ष
कांवड मेला समिति, मुनिकीरेती।

सीएस प्रकरण में निर्णय ले सरकार

उत्तराखण्ड हाईकोर्ट में अवमानना याचिका पर सुनवाई

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाई कोर्ट ने उपनल कर्मचारियों के मामले पर पूर्व के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर मुख्य सचिव आनंद वर्धन के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि इनके प्रकरण पर चार सप्ताह में निर्णय लें। बता दें शुक्रवार को हुई सुनवाई पर राज्य की तरफ से एडवोकेट जनरल एसएन बाबुलकर ने कोर्ट का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि अभी राज्य में पंचायत चुनाव होने वाले है। इसलिए कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराने हेतु समय दिया जाए। जिसपर कोर्ट नें राज्य सरकार को आदेश का अनुपालन करने हेतु चार सप्ताह का और अतरिक्त समय दिया। अब मामले में अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। मामले के अनुसार हाईकोर्ट ने उपनल कर्मचारियों के नियमितीकरण से जुड़े प्रकरण में पूर्व में आदेश देकर कहा था कि इनके नियमतिकरण करने के लिए सरकार विचार करें लेकिन तय समय सीमा के भीतर कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किया गया। कोर्ट के आदेश का अनुपालन नही करने पर पूर्व में तत्कालीन सचिव के खिलाफ अवमानना की याचिका दायर की गई। इसी बीच सरकार ने उनका तबा. दला कर उनकी जगह आईएएस अधिकारी आनंद वर्धन को विभाग का जिममा संभालने के आदेश दिए गए। अब विभाग का अधिकरियों बदलने की वजह कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं हो पा रहा है जिस पर कोर्ट ने कहा कि नवनियुक्त सचिव को पक्षकार बनाए। उन्हें नोटिस जारी कर के अपना जवाब कोर्ट में प्रस्तुत करें। मामले के अनुसार वर्ष 2018 में कुंदन सिंह और अन्य की जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को उपनल कर्मचारियों के नियमित. ीकरण के लिए नियमावली बनाने तथा उनके वेतन से टैक्स न वसूलने और न्यूनतम वेतन देने के साथ ही एरियर भुगतान का आदेश दिया था। इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। इसके बावजूद याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि राज्य सरकार ने आदेश का पालन नहीं किया और नियमावली नहीं बनाई। साथ हीए वर्षो से कार्यरत उपनल कर्मचारियों को हटाकर नियमित भतर्ह प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गलती से मेरे पुत्र के जन्म प्रमाणपत्र में मेरा नाम **अवनीश कुमार** लिखा गया है जबकि शैक्षिक अभिलेख व आधार कार्ड आदि में मेरा सही नाम **अवीश खुर्शिया** है इसलिए भविष्य में मुझे **अवीश खुर्शिया** के नाम से ही जाना पहचाना, पढ़ा लिखा व दर्ज किया जाए।

अवीश खुर्शिया पुत्र मलखान सिंह नि0 गांव मुंडेट, मंगलौर हरिद्वार, उत्तराखंड पिन-247656.

बारिश में मलबा और बोल्डर गिरने से सड़कें बंद

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिले में मानसूनी बारिश के चलते शुक्रवार देर शाम तक जिले की चार सड़कें पिछले पांच दिन से बंद है। जबकि गुरुवार की रात हुई बारिश के चलते सात नई सड़कों पर मलवा और बोल्डर आने से बंद है। जिन्हें खोलने के लिए लगातार विभागों द्वारा प्रयास जारी है। जिले में मानसूनी बारिश शुरू हो गई है। इस कारण सड़कों पर मबला आना शुरू हो गया है। गुरुवार की रात हुई बारिश के बाद 11 सड़कों पर यातायात बाधित रहा। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शिखा सुयाल ने बताया कि बंद सड़कों में कपकोट-कमी, भानी-हरसिंग्याबगड़, बैसानी-पौसारी, रमाणी-कनौली, कपकोट-पिंडारी, बदियाकोट-बोरबलड़ा, बदियाकोट-कुंवारी, खड़लेख-भनार, कपकोट-पोलिंग, मुनार-गांसी तथा मिकिलाखलपट्टा मोटर मार्ग शामिल है। उन्होंने बताया कि बंद सड़कों को खोलने के लिए विभाग द्वारा लगातार प्रयास जारी है। इधर ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही भीषण बारिश से सरयू नदी व गोमती नदी उफान पर रही। शुक्रवार की सुबह दिनों नदियों का जलस्तर डेंजर जोन तक आ पहुंचा। सुबह की पाली में नदियों का पानी घाटों तक आ पहुंचा। हालांकि दिन चढ़ते ही नदियां कम होती गई। शुक्रवार को पूरा दिन कभी धूप कभी छांव में व्यतीत हुआ। जबकि शाम होते ही आसमान में काले बदल छाने लगे।

सार्वजनिक सूचना

सूचित किया जाता है कि सम्पत्ति नगर निगम सं0 242/242 डाण्डीपुर मौहल्ला, कालिका माता मंदिर देहरादून रकबा 82.7 वर्गमीटर के स्वामी मनोहर सूरी थे उनके वारिस श्री सुरेन्द्र सिंह सूरी मालिक हुये और सम्पत्ति वारिस पुत्री चकक्षिता नागपाल को उपहार कर दी सम्बन्धित सम्पत्ति श्री प्रशांत पाण्डेय जी उक्त सम्पत्ति क्रय कर रहे है जो एस०एम०एफ०जी० इण्डिया होम फाईनेंस को० लिमिटेड से ऋण प्राप्त कर रहे है यदि किसी को स्वामित्व अधिकार और खरीद या ऋण के सबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो व पांच दिनो की अवधि के भीतर दस्तावेजी सबूत के साथ मेरे समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

एडवोकेट शम्मी टंडन मोबाइल नं० 9897006975 पता सिविल कोर्ट कम्पाउंड जिला देहरादून।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमि0
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड, नारायणबगड़ (चमोली) दूरभाष: 01363-255215
कारपोरेट आई0डी0 संख्या (CIN) U40109UP2001SG025867/2358 Email:eddnbagar@yahoo.com

निविदा तिथि विस्तार सूचना

इस खण्ड की निविदा सं0-06/2025-26 से निविदा संख्या 10/2025-26 जो दिनांक- **27.6.2025** खोली जानी थी, अपरिहार्य कारण से अब दिनांक-**04.7.2025** को दोपहर 12:00 बजे तक प्राप्त एवं दिनांक-**05.7.2025** को 12.00 बजे तक जमा की जा सकती है व उसी दिवस अपराहन में निविदादाताओं के सम्मुख सांय 14:00 बजे सार्वजनिक रूप से क्रमवार खोली जायेंगी, अन्य नियम व शर्ते यथावत रहेंगी।

"विद्युत बिलों के **24x7** ऑनलाईन भुगतान हेतु **www.upcl.org** पर जायें"

पत्रांक: 634/वि0वि0ख0नारायणबगड़/टी-1 दिनांक: 27/06/2025 **अधिशासी अभियन्ता**

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" टोल फ्री नं0 1800-419-0405

कार्यालय-कांवड मेला समिति /नगर पालिका परिषद, मुनिकीरेती-ढालवाला

पत्रांक:- मेमो/कांवड़ मेला पार्किंग निविदा/2025-26 | दिनांक:- 27-06-2025

अत्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि कांवड मेला समिति मुनिकीरेती द्वारा नगर पालिका परिषद, मुनिकीरेती-ढालवाला क्षेत्रान्तर्गत कांवड मेला 2025 हेतु पूर्णानन्द पार्किंग (खेल मैदान) में दुपहिया वाहनों, छोटे एवं बड़े वाहनों एवं चद्रभागा पार्किंग में छोटे एवं बड़े वाहनो की अस्थाई पार्किंगो के संचालन हेतु दिनांक 04-07-2025 को समय 02:00 बजे तक सीलबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। जो कि उसी दिन सायं 04:00 बजे कांवड मेला समिति के निविदादाताओ या उनके प्रतिनिधियो के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र का विक्रय दिनांक 03-07-2025 को सायं 04:00 बजे तक नगर पालिका परिषद, मुनिकीरेती-ढालवाला के कार्यालय से पार्किंग निविदा की शर्तो सहित निर्धारित निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 सहित जमा कर प्राप्त किये जा सकते है, निविदा प्रपत्र के साथ निम्नवत जमानत की धनराशि की एफ0डी0आर0/सी0डी0आर0 / राष्ट्रीय बचत पत्र सचिव कांवड मेला समिति मुनिकीरेती टिहरी गढ़वाल के नाम से बन्धक कर मूल रूप से संलग्न करना अनविार्य है। किसी भी एक या समस्त निविदाओ को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति में निहित होगा, इस पर किसी को अपत्ति करने का अधिकार नही होगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अवधि	निर्धारित बोली	जमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	पार्किंग किये जाने वाले वाहन
01	चन्द्रभागा पार्किंग	दिनांक 11-07-2025 से कांवड मेला अवधि तक	2,50,000.00	30,000.00	500.00 + 18% जी0एस0टी0	छोटे एवं बड़े वाहन
02	पूर्णानन्द पार्किंग (खेल मैदान)	दिनांक 11-07-2025 से कांवड मेला अवधि तक	2,00,000.00	30,000.00	500.00 + 18% जी0एस0टी0	छोटे एवं बड़े वाहन

शर्ते-
1- किसी भी प्रकार की क्षति/ हानि के लिये सम्बन्धित ठेकेदार की जिम्मेदारी होगी।
2- संपादित किये जाने वाले कार्य के सम्बन्ध में सक्षम अधिकारी के दिशा निर्देशानुसार कार्य करना होगा।

(अंकिता जोशी)
सचिव
कांवड मेला समिति, मुनिकीरेती।

(आशीष घिल्डियाल)
अध्यक्ष
कांवड मेला समिति, मुनिकीरेती।

संक्षिप्त खेल समाचार

खेल मंत्रालय ने 'माई भारत पोर्टल पर शुरु किया व्हाट्सएप चैटबॉट

नई दिल्ली, वार्ता। खेल मंत्रालय ने भारत के युवाओं के लिए डिजिटल जुड़ाव बढ़ाने और सेवाओं तक पहुंच को सुव्यवस्थित करने के एक प्रगतिशील कदम के तहत 'माई भारत' पोर्टल के साथ व्हाट्सएप एकीकरण शुरू किया है। व्हाट्सएप चैटबॉट अब माई भारत पोर्टल पर लाइव है और इसे सीधे व्हाट्सएप (7289001515) के द्वारा भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह मंच बातचीत करने का अधिक आसान, वास्तविक समय और उपयोगकर्ता के अनुकूल तरीका प्रदान करता है। इसमे सभी पंजीकृत माई भारत उपयोगकर्ताओं को अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम, स्वयंसेवा के अवसर, सीवी निर्माण, मेंटरशिप, संगठन में शामिल होने किसी भी मुद्दे की रिपोर्ट करने और माय भारत सहायता तक पहुंचने की सुविधा मिलती है। व्हाट्सएप चैटबॉट में सत्र शुरू करने के लिए व्यक्ति को 7289001515 नंबर पर 'हॉय' संदेश भेजना होगा।

हैम्पशायर ने टी-20 ब्लास्ट के लिए लिन को किया अनुबंधित

लंदन, वार्ता। हैम्पशायर ने अपने शेष टी-20 ब्लास्ट ग्रुप मैचों के लिए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज क्रिस लिन को अनु. बंधित किया है। हॉक के पास ग्रुप चरण में छह और गेम हैं और लिन का आगमन दक्षिण अफ्रीकी जोड़ी लुआन-ड्रे प्रीटोरियस और डेवाल्ड ब्रेविस के अंतर्राष्ट्रीय कॉल-अप अर्जित करने के बाद हुआ है। दक्षिण अफ्रीका को 28 जून से जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। लिन ने नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक के लिए पहले ब्लास्ट में खेला है और इस प्रारूप में आठ हजार से अधिक रन के साथ 292 टी-20 मैच खेले हैं।

आईसीसी ने 6 नियमों में बदलाव किए

● **खेल को ज्यादा तेज, निष्पक्ष और रोचक बनाने की कवायद: टेस्ट में 60 सेकेंड में ओवर शुरू करना होगा, दो चेतावनी के बाद 5 रन कटेंगे**

दुबई, वार्ता। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने हाल ही में पुरुष क्रिकेट के 6 नियम बदले हैं, ताकि खेल को ज्यादा तेज, निष्पक्ष और रोचक बनाया जा सके। टेस्ट क्रिकेट में ये नियम नई वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप (2025-27) के लिए लागू हो चुके हैं। वहीं, सीमित ओवर (वनडे और टी-20) फार्मेट में ये नियम 2 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे। आईसीसी ने सभी देशों से नियमों में किए गए बदलावों की जानक. ारी साझा की है। आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में अब स्टाप क्लाक नियम लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत फील्डिंग टीम ओवर शुरू करने में 60 सेकेंड से अधिक देर करती है तो उसे दो बार वार्निंग दी जाएगी। इसके बाद भी अगर यह नियम टूटा तो पेनल्टी के तौर पर उसके 5 रन काट लिए जाएंगे। टी-20 और वनडे क्रिकेट में यह नियम एक साल पहले ही लागू हो चुका है। आईसीसी ने तीनों फार्मेट के लिए शार्ट रन का नियम भी बदला है। जानबूझकर शार्ट रन लेने पर पहले 5 रन का जुर्माना लगता था। अब अगर बल्लेबाज एक्स्ट्रा रन चुराने के लिए जानबूझकर रन पूरा नहीं करता तो अंपायर फील्डिंग टीम से पूछेंगे कि वे पिच पर मौजूद दोनों में से किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर चाहते हैं। 5 रन के जुर्माना वाला नियम भी लागू रहेगा। गेंद पर सलाइवा (लार) लगाने पर बैन जारी रहेगा। हालांकि, गलती से सलाइवा लगाने पर बाल बदलना अनिवार्य नहीं होगा। अंपायर सिर्फ तभी गेंद बदलेंगे, जब उसकी स्थिति में भारी बदलाव हो, जैसे कि गेंद बहुत गीली हो या उसमें एक्स्ट्रा चमक हो। यह फैसला अंपायर के विवेक पर निर्भर होगा। अगर उसे लगता है कि गेंद की स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है तो इसे नहीं बदला जाएगा। यह नियम भी तीनों फार्मेट के लिए है। आईसीसी ने कोरोना काल (2020) के दौरान गेंद पर लार लगाने को बैन कर दिया था। आईसीसी ने कैच का नियम भी बदला है। अगर कैच आउट रीव्यू में गलत साबित होता है, लेकिन गेंद पैड पर लगी हो तो टीवी अंपायर एलबीडब्ल्यू की भी जांच करेंगे। अगर बैटर एलबीडब्ल्यू आउट है तो उसे आउट दे दिया जाएगा। यह नियम भी तीनों फार्मेट के लिए है। साफ्ट सिग्नल (अंपायर का लिया रिव्यू) लिया गया है और नो बाल पर कैच पर सही है तो बल्लेबाजी टीम को नो-बाल का एक रन एक्स्ट्रा मिलेगा। कैच सही नहीं है तो नो बाल का एक रन और दौड़कर बनाए गए रन भी मिलेंगे। पहले कैच के डाउट होने पर फील्ड अंपायर थर्ड अंपायर को रैफर करता था और टीवी अंपायर बताता था कि ये नो बाल थी, तो कैच की जांच नहीं होती थी। लेकिन अब उसकी जांच की जाएगी।

भारत में होंगे 2029 के विश्व पुलिस और अग्निशमन सेवा खेल

● **भारत ने मेजबानी से संबंधित बोली में जीत हासिल की, इन खेलों का आयोजन अहमदाबाद में होगा**

नई दिल्ली, वार्ता। भारत ने प्रतिष्ठित विश्व पुलिस और अग्निशमन सेवा खेलों की वर्ष 2029 की मेजबानी से संबंधित बोली में जीत हासिल की है और इन खेलों का आयोजन अहमदाबाद में किया जायेगा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्वयं इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर दी।

उन्होंने कहा कि भारत को प्रतिष्ठित विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल 2029 की मेजबानी मिलना हर भारतीय के लिए गौरव का क्षण है। भारत ने 2029 में होने वाले विश्व पुलिस और अग्निशमन सेवा खेलों 2029 की मेजबानी के लिए बोली जीत ली है। बर्मिंघम में आयोजित समारोह में भारत ने वियतनाम को पछाड़कर इन खेलों के लिए बोली जीती। यह प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट गुजरात के अहमदाबाद शहर में आयोजित किया जायेगा। इससे भारत में खेल संस्कृति को नई ऊंचाई मिलेगी और विश्वभर के पुलिस और अग्निशमन सेवा के खिलाड़ियों के लिए यह भव्य मंच साबित होगा। शाह ने भारत को प्रतिष्ठित विश्व पुलिस और अग्निशमन सेवा खेल 2029 की मेजबानी मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इन खेलों की मेजबानी मिलना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विस्तृत खेल ढांचे के निर्माण की वैश्विक मान्यता को दर्शाता है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत को प्रतिष्ठित विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल 2029 की मेजबानी मिलना हर भारतीय के लिए गौरव का क्षण है।

टी-20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया से बदला लिया: रोहित शर्मा

● **ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 नवम्बर की फाइनल हार का गुस्सा पूरी टीम के मन में था**

नई दिल्ली, वार्ता। रोहित शर्मा ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया को हराने को लेकर बात की है। उन्होंने कहा सुपर-8 मैच में ऑस्ट्रेलिया को हारकर पूरी टीम ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल का बदला लिया था।

रोहित शर्मा ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 नवम्बर की फाइनल हार का गुस्सा उनके और पूरी टीम के मन में था। इसके बाद टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था। इस मैच में रोहित ने 92 रनों की पारी खेली थी। जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट से बाहर हो गया था। रोहित रोहित ने कहा 2023 वर्ल्ड कप में हमने शानदार खेल दिखाया लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने हमें हरा दिया। 19 नवम्बर की चिढ़न हमेशा से मेरे और टीम के मन में थी। उन्होंने कहा, गुस्सा तो हमेशा था।

ऑस्ट्रेलिया ने हमारा 19 नवम्बर खराब कर दिया था। ड्रेसिंग रूम में 2023 फाइनल की बात होती थी टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर रोहित ने बताया, ड्रेसिंग रूम में हम इस बारे में बात करते थे। मन में ये ख्याल तो रहता है, लेकिन जब आप बल्लेबाजी करने उतरते हैं, तो इन सबके बारे में ज्यादा नहीं सोचते। हमने पहले पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 205/4 का स्कोर बनाया।

सीनियर्स हारे, पर भारतीय अंडर-19 ने इंग्लैंड को धोया

● **442 रनों के जवाब में इंग्लैंड यंग लायंस 211 रन पर हो गई ढेर**

होव, वार्ता। भारत की अंडर-19 टीम इन दिनों इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां उन्हें इंग्लैंड की अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इसकी शुरुआत आज होव में होगी। उससे पहले 24 जून को भारतीय अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड के यंग लायंस के खिलाफ 50 ओवर का प्रैक्टिस मैच खेला। इस मैच में भारत के युवा खिलाड़ियों ने इंग्लैंड की टीम को धो दिया। आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली टीम ने 50 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 442 रन बनाए।

जवाब में इंग्लैंड यंग लायंस की टीम 41.1 ओवर में 211 रन पर सिमट गई। भारतीय अंडर-19 टीम ने इसी के साथ इंग्लैंड यंग लायंस पर 231 रन की जीत के साथ इंग्लैंड की अंडर-19 टीम को चेतावना दे दी है कि उन्हें हल्के में लेने की कोशिश न करें। भले ही सीनियर टीम इंग्लैंड की सीनियर टीम के खिलाफ लीड्स टेस्ट हार गई हो, लेकिन आयुष म्हात्रे एंड कंपनी का इरादा कुछ और ही है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और 33 रन तक टीम ने अपने दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। कप्तान म्हात्रे एक रन और 14 साल के वैभव सूर्यवंशी 17 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद विहान मल्होत्रा और मौलयाराजसिंह चावड़ा ने तीसरे विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी निभाई। विहान 31 गेंद में छह चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, चावड़ा ने 18 गेंद में पांच चौके की मदद से 23 रन की पारी खेली। अभिज्ञान कुंडू छह रन बनाकर आउट हुए। एक तरफ जहां भारतीय सीनियर टीम के लोअर आर्डर ने लीड्स टेस्ट में निराश किया था, वहीं दूसरी तरफ भारतीय अंडर-19 के लोअर आर्डर ने तूफान मचा दिया। छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए राहुल कुमार और इसके बाद आए कनिष्क चौहान ने छठे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी निभाई। राहुल 60 गेंद में चार चौके और पांच छक्के की मदद से 73 रन और कनिष्क 67 गेंद में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 79 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए अंब्रिश ने 47 गेंद में छह चौके और चार छक्के की मदद से 72 रन की पारी खेली। हालांकि, पार्टी इसके बाद शुरू हुई। लाफबोरो में नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए हरवंश पंगलिया नाम की आंधी आई। जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे तो भारत का स्कोर सात विकेट पर 251 रन था। 52 गेंद पर आठ चौके और नौ छक्के की मदद से 103 रन जड़ दिए। वह नाबाद रहे। मोहम्मद एनान चार रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हेनिल पटेल एक रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह भारत ने 50 ओवर में नौ विकेट पर 442 रन बनाए।

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया के चार विकेट झटक कर मैच पर पकड़ बनाई

दूसरे दिन स्टंप के समय ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी में 92 रन पर चार विकेट हुए

बारबाडोस, वार्ता। तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर जेडन सील्स की अगुवाई में वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन स्टंप के समय ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 92 रन के स्कोर पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बना ली है।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने बल्लेबाज शाई होप (48) और कप्तान रोस्टन चेस (44) के बीच जुझारू साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी में बनाये गये स्कोर के आधार 10 रन की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत एक बार फिर खराब रही और उसने 27 के स्कोर पर उस्मान ख्वाजा (15) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद 34 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट सैम कॉन्स्टास (पांच) रन के रूप में गिरा। जॉश इंग्लिस (12) को जेडेन सील्स ने बोल्ड आउट किया। कैमरन ग्रीन (15) को जस्टिन ग्रीव्स ने रॉस्टन चेज के हाथों कैच आउट कराया। ऑस्ट्रेलिया 65 रन पर चार विकेट गवां कर दबाव में थी। ऐसे संकट के समय ट्रैविस हेड और ब्यू वेबस्टर की जोड़ी ने पारी को संभाला और दिन का खेल समाप्त होने के समय तक चार विकेट खोकर 92 रन बना लिए। स्टंप के समय बो वेब्स्टर (नाबाद 19) और ट्रैविस हेड (नाबाद 13) क्रीज पर मौजूद थे। वेस्टइंडीज की ओर से जेडेन सील्स, शमार जोसेफ, अल्जारी जोसेफ और जस्टिन ग्रीव्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

विंबलडन चैंपियन क्रेजिकोवा चोट के कारण ईस्टबोर्न से बाहर

लंदन, वार्ता। विंबलडन चैंपियन बारबा. ारा क्रेजिकोवा ने जांघ की चोट के कारण ईस्टबोर्न से नाम वापस ले लिया है। चेक गणराज्य की खिलाड़ी को अपने दोनों मैचों में तीन सेटों तक जाना पड़ा, जिसमें उन्होंने क्रमश: पहले और दूसरे राउंड में ब्रिटेन की हैरियट डार्ट और जोडी बर्रेज को हराया।

क्वार्टर फाइनल में उनका सामना फ्रांस की वरवारा ग्रेचेवा से होना था, लेकिन मैच शुरू होने से पहले ही उन्होंने नाम वापस ले लिया। दो बार की प्रमुख एकल चैंपियन क्रेजिकोवा ने बुधवार को शुरू में समस्या महसूस की जो रात भर में और खराब हो गई। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि मुझे नाम वापस लेने का बहुत दुख है, क्योंकि मेरी दाहिनी जांघ में कुछ दर्द है। मुझे लगता है कि अगले कुछ दिनों में विंबलडन के साथ आराम करना और यह देखना बेहतर होगा कि क्या हो रहा है और उसका समाधान करना है। क्रेजसिकोवा मंगलवार को विंबलडन में मौजूदा महिला चैंपियन के रूप में खेल की शुरुआत करेंगी, ने पीठ की चोट के कारण लंबे समय तक आराम करने के बाद इस साल सिर्फ छह मैच खेले हैं। वह पिछले सप्ताह क्वींस में अपना पहला राउंड मैच हार गई थी, फिर उसने डार्ट और बरेज दोनों के खिलाफ मैच प्वाइंट बचाए। दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी ने पिछले साल विंबलडन फाइनल में इटली की जैस्मीन पाओलिनी को हराया था।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी क्लब अल-नासर के साथ किया नया करार

लिस्बन, वार्ता। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी क्लब अल-नासर के साथ दो साल का नया करार किया है, जिसके बाद वह अपने 42वें जन्मदिन के बाद तक सऊदी प्रो लीग क्लब के साथ बने रहेंगे। पुर्तगाल के 40 वर्षीय कप्तान मैनचेस्टर यूनाइटेड को खराब परिस्थितियों में छोड़ने के बाद दिसम्बर 2022 में रियाद स्थित टीम में शामिल हुए थे। उनका पिछला अल-नासर करार जून के अंत में समाप्त होने वाला था। एक्स पर एक पोस्ट में, रोनाल्डो ने लिखा कि एक नया अध्याय शुरू होता है। वही जुनून, वही सपना। आइए साथ मिलकर इतिहास बनाएं।

आईओसी ने 2036 ओलंपिक की बिडिंग प्रोसेस रोकी

प्रसिडेंट ने कहा कि मेजबान चुनने का सही समय नहीं भारत ने 8 महीने पहले दावेदारी पेश की थी

नई दिल्ली, वार्ता। इंटरनेशनल ओलिंपिक काउंसिल (आईओसी) ने 2036 ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की बिडिंग प्रोसेस पर रोक लगा दी है। इससे गेम्स के लिए भारत की मेजबानी पर फैसला टल गया है।

आईओसी की प्रेसिडेंट क्रिस्टी कावेंट्री ने कहा कि एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सभी सदस्यों ने इस प्रोसेस को रोकने और इसकी समीक्षा करने का फैसला लिया है।

हम इस पर दोबारा विचार करने के लिए एक कार्य समूह गठित करेंगे।श 41 साल की क्रिस्टी लुसाने में एग्जीक्यूटिव बोर्ड की पहली बैठक ली। पिछले साल एक अक्टूबर को भारत सरकार ने एक अक्टूबर को लेटर आफ इंटेंट के जरिए आईओसी से गेम्स का आयोजन कराने की इच्छा जाहिर की थी। इस पर अगले साल तक फैसला होने की उम्मीद की जा रही थी। 2032 तक के मेजबान तय हैं, 2036 के लिए बिडिंग होगी 2032 तक के ओलिंपिक मेजबान तय हो चुके हैं। 2032 की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर को दी गई है। जबकि 2028 के ओलिंपिक लास एंजिलिस में होने हैं। अब तक 2 एशियाड, एक कामनवेल्थ गेम्स करा चुका है भारत भारत अब तक 3 मल्टी स्पोर्ट्स गेम्स की मेजबानी कर चुका है।

देश ने आखिरी बार 2010 में कामनवेल्थ गेम्स की मेजबा. नी की थी। इससे पहले भारत में 1982 और 1951 के एशियन गेम्स भी कराए जा चुके हैं।

विंडीज के सील्स पर लगा जुर्माना

● **सील्स को खिलाड़ियों और उनके सहायक कर्मियों के लिए अपमान जनक भाषा के प्रयोग का दोषी पाया गया**

बारबाडोस, वार्ता। वेस्टइंडीज के तेज गें. दबाज जेडन सील्स पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। आईसीसी के आज एक बयान के अनुसार सील्स को खिलाड़ियों और उनके सहायक कर्मियों के लिए अपमानजक भाषा, क्रियाकलाप तथा हाव-भाव से आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2-5 का उल्लंघन का दोषी पाया गया।

इसके तहत उन पर मैच फीस के 15 प्रतिशत जुर्माने के अलावा अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया। यह पिछले 24 महीने की अवधि में उनका दूसरा अपराध है। यह घटना बुधवार को पहले टेस्ट मैच के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया की पारी के 55वें ओवर में उस समय हुई जब कप्तान पैट कमिंस को आउट करने के बाद सील्स ने उन्हें पवेलियन की ओर इशारा किया। इससे पहले तीन दिसंबर 2024 को जमैका में बंगलादेश के खिलाफ टेस्ट मैच में सील्स को इसी तरह के अपराध के लिए दोषी पाये जाने पर एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया था। सील्स ने अपराध और मैच रेफरी के एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के जवागल श्रीनाथ द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया।

विश्वकप की तैयारियों का आगाज करेगी भारतीय टीम

इंग्लैंड से आज होगा टी-20 मैच में सामना

नाटिंघम, वार्ता। अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारियों की शुरुआत के लिए भारतीय महिला टीम के पास इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से अच्छा मौका नहीं होगा।

हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम आगामी पांच मैचों की सीरीज के जरिये इंग्लैंड की प्लेइंग कंडीशंस में खुद को ढालना चाहेगी। यहां दोनों का तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी आमना-सामना होना है। विश्व कप के आयोजन में अभी लगभग एक साल का वक्त है, लेकिन पिछले साल ग्रुप चरण में बाहर होने वाली भारतीय टीम के लिए यह सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम प्रबंधन इंग्लैंड की पिचों की प्रकृति और बदलते मौसम का खेल पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना चाहेगा। टीम प्रबंधन को इसके साथ ही यह पता करने का भी मौका मिलेगा कि इस तरह की परिस्थितियों में किस तरह के खिलाड़ी प्रभाव डाल सकते हैं। विस्फोटक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की वापसी के अलावा भारत ने क्रांति गौड़, श्री चरणी और सायली सतघरे जैसे कुछ नए चेहरों को अपनी टीम में शामिल किया है। पूरी संभावना है कि शेफाली को स्मृति मंधाना के साथ पारी का आगाज करने का मौका दिया जाएगा, क्योंकि उमा छेत्री कुछ मैचों में सलामी बल्लेबाज के रूप में प्रभावित नहीं कर पाई थी। भारत का यह इस साल का पहला टी-20 मैच है और आफ स्पिन आलराउंडर स्नेह राणा और तेज गेंदबाजी आलराउंडर अमनजोत कौर की वापसी पर सबकी निगाहें रहेंगी। राणा फरवरी 2023 के बाद टीम में वापसी कर रही हैं और इस साल की महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अच्छे प्रदर्शन से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। भारत को हालांकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर की कमी खलेगी, जो चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला से बाहर हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन को अपनी युवा खिलाड़ियों से अच्छा प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। भारतीय टीम की इस दौरे की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और उसे दोनों अभ्यास मैच में हार का सामना करना पड़ा। अब उसका मुकाबला नैट सिवर-ब्रंट की अगुआई वाली मजबूत टीम से होगा। इंग्लैंड की टीम में एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, डैनी व्याट-हाज और सोफी एक्लेस्टोन जैसे कई अनुभवी खिलाड़ी हैं।

CMYK

पूर्व राज्यमंत्री एवं बीएसएम शिक्षण संस्थान के चेयरमैन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता स्वः मनोहर लाल शर्मा की

श्रद्धांजलि सभा में उमड़ा जनसमूह, सियासी दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। पूर्व राज्य मंत्री एव बीएसएम शिक्षण संस्थान के चौयरमेंन, वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित मनोहर लाल शर्मा एडवोकेट की श्रद्धांजलि सभा में सियासी दिग्गजों, सांसद, पूर्व मुख्यमंत्री-विधायकों व अनेक जनप्रतिनिधियों सहित जनसमूह श्रद्धांजलि देने पहुंचा।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि पंडित मनोहर लाल शर्मा के निधन से समाज को एक बड़ा नुकसान होने के साथ हमारी भाजपा को भी बड़ा नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि पंडित मनोहर शर्मा ने पूरी जिंदगी शिक्षा के उत्थान के लिए कार्य किया लाखों को बच्चों को यहां से पढ़ाया। वह समाजके लिए हर समय आगे खड़े रहे। गरीब बच्चों को पढ़ाने व आगे बढ़ाने के लिए हमेशा काम करते रहे। अपने समाज के लिए भीआगे की पंक्ति में खड़े होकर मदद की वहीं हर समाज के सुख दुख में हमेशा खड़े रहे और जिस तरह से आज यहां श्रद्धांजलि सभा में जन समूह बड़ा है यह उनके कर्मों का ही फल है कि उन्होंनेलोगों के सुख-दुख में मदद की हर क्षेत्र में आगे बढ़कर काम किया समाज सेवा की इसलिए उनके प्यार में लोग आज इतनी बड़ी तादाद में यहां पहुंचे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व हरिद्वार सांसद डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पंडित मनोहर लाल शर्मा एडवोकेट का इस दुनिया से चले जाना समाज के लिए एक बड़ी स्थित है इसे कभी पूरा नहीं किया जा सकता। उन्होंने अपने सियासी जीवन में भी बहुत उतार-चढ़ाव देखे लेकिन कभी वह किसी के बुरे में नहीं रहे। डॉक्टर निशंक ने कहा किउनके चले जाने से हमारी भाजपा को भी बड़ा आघात लगा है और पार्टी को जो उनके आने से मजबूती मिली थी उम्मीद है कि आगे उनके बच्चे इसी तरह काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा किपंडित मनोहर शर्मा ने हर समाज के लिए काम किया समाज सेवा की इसीलिए आज यहां एक बड़ा जन समूह हमारा है इसमें सभी वर्ग के लोग हैंउन्होंने जिस तरह से शिक्षा क्षेत्र में आगे आकर एक बड़ा संस्थान बनाया जूनियर से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट फार्मेसी इंजीनियरिंग पॉलिटेक्निक सब कुछ खड़ा कियायह उनकी सहनशीलता और शिक्षा के प्रति लगन का ही नतीजा है। उन्होंने कहा कि पंडित मनोहर शर्मा जैसा सामाजिक-सियासी व्यक्ति का दुनिया से चले जाना सबके लिए है क्षति है। पूर्व कैबिनेट मंत्री व विधायक मदन कौशिक ने पंडित मनोहर लाल शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके निधन से सभी दुखी हैं। और जो सहयोग उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्र की जनता को दिया वह बहुत ही अनुकरणीय है, इसके अलावा

❖पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमेश पोखरियाल निशंक, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक मदन कौशिक, विधायक प्रदीप बतरा, विधायक ममता राकेश, विधायक हाजी फुरकान, विधायक विरेंद्र जाति, राज्यमंत्री शोभाराम प्रजपति, राज्यमंत्री श्यामवीर सैनी, राज्मंत्री देशराज कर्णवाल व अनेक जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर दी पुष्पांजलि

उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए भी क्षेत्र एवं समाज की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजनीति और शिक्षा के साथ-साथ वह सामाजिक क्षेत्र में भी बेहद सक्रिय थे। लगभग 83 वर्षीय पंडित मनोहर लाल शर्मा का जन्म निकटवर्ती ग्राम नागला इमरती में हुआ था। बचपन से ही उनके अंदर समाज व राष्ट्र सेवा का भाव जागृत था, जिसे उन्होंने आगे बढ़ते हुए जीवन पर्यंत जीवित रखा। आज उनका चले जाना क्षेत्रवासियों के लिए बेहद दुखद है इस कमी को कभी पूरा नहीं किया जा सकेगा।

श्रद्धांजलिदेने वालों में विध ायकप्रदीप बत्रा शविधायक ममता राकेश, विधायक वीरेन्द्र कुमार जाति, विधायक फुरकान अहमद श मेयर अनीता अग्रवाल श शराज्य मंत्री देशराज करणवाल,पूर्व राज्य मंत्री सुबोध राकेश, राज्य

मंत्री शोभाराम प्रजापति शराज्य मंत्री श्यामवीर सैनी श पूर्व राज्यमंत्री राव इंतजार, राव शेर मुहम्मद, नगर विधायक प्रदीप बत्रा, पूर्व चेयरमैन चौधरी इस्लाम , डॉक्ष शमशाद, , राजीव शर्मा ,रजनीश शर्मा, विनय शर्मा विशाल शर्मा संजू शर्मा ,रामकुमार कुमा,कुलबीर ,अमित शर्मा, शैलेंद्र पंत, कामिल भाई वरिष्ठ पत्रकार अख्तर मलिक ,रियास कुरैशी,वरिष्ठ पत्रकार संदीप तोमर श नफीसुल हसन श वरिष्ठ पत्रकार रमन त्यागी,ठाकुर योगेन्द्र पाल सिंह,काजी सादात मसूद, पार्षद धीरज पाल,सूरज नेगी चन्द्र प्रकाश बाटा ,जेपी शर्मा , रुड़की प्रेस क्लब अध्यक्ष बबलू सैनी, राम कुमार शर्मा,पूर्व सांसद राजेंद्र कुमार बाडी, फुरकान अहमद, मेयर अनीता अग्रवाल, राज्यमंत्री शोभाराम प्रजापति, श्यामवीर सैनी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय पालीवाल, वरिष्ठ समाजसेवी इंजीनियर चौरब जैन, भाजपा नेता सुबोध राकेश, एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष डॉ० नैयर काजमी, कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री सचिन गुप्ता, कांग्रेस जिलाध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेत्री रश्मि चौधरी, समाजसेवी ईश्वर लाल शास्त्री, शायर अफजल मंगलौरी, पूर्व विधायक सुरेंद्र कपिल, परवेज आलम तारिक भाई, अजय कौशिक,सहित बड़ी संख्या में शिक्षाविद एवं शहर के हर वर्ग के जिम्मेदार गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बुग्गावाला में हाथियों के झुंड फसल कर रहे हैं बर्बाद, किसान परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

बुग्गावाला। बुग्गावाला के खानपुर रेंज अंतर्गत कुड़का वाला गांव में एक बार फिर जंगली हाथियों ने विभागीय गश्त की पोल खोल दी है। देर रात खेतों में घुसे हाथियों ने किसान शाहनवाज की सब्जी की फसल को रौंदकर पूरी तरह बर्बाद कर दिया। इस घटना से किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है और वन विभाग की निष्क्रियता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, घाड़ क्षेत्र में पहले से ही किसान प्राकृतिक आपदाओं और वन्यजीवों के हमलों से परेशान हैं। फसलें उगाना अब एक जोखिम भरा काम बन गया है। किसान अपनी मेहनत से जो थोड़ी-बहुत फसल बचा भी लेते हैं, वह भी जंगली जानवरों के हमलों में बर्बाद हो जाती है। शिकायत करने पर भी कोई सुनवाई नहीं होती, जिससे किसानों की निराशा और गहरी होती जा रही है। कुड़कावाला के किसान शाहनवाज ने बताया कि खेती ही उनके परिवार की जीविका का एकमात्र साधन है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर विवाह तक, हर जरूरत खेती से पूरी होती है। ऐसे में जब फसलें बर्बाद होती हैं, तो किसान की पीड़ा शब्दों में नहीं बयां की जा सकती। उन्होंने कहा कि यह सरकार और वन विभाग की आंखें खोलने वाला हादसा है। यदि समय रहते समाध ान नहीं निकाला गया, तो किसानों का भरोसा सरकार से उठ जाएगा। समस्या गहरी है, समाधान जरूरी है। यदि किसानों की सुनवाई अब भी नहीं हुई, तो इसका असर आने वाले समय में केवल खेतों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जन-विश्वास की नींव तक हिल जाएगी।खानपुर रेंज के क्षेत्राधिकार मोहन सिंह रावत ने बताया की जंगल से हाथी आबादी की और आ रहे है जिनके लिए लगातार गस्त किया जा रहा है ओर जिन किसानो की फसलो का नुकसान हुआ है उनको मुआवजा दिलाने के लिए रिपोर्ट भेजी जा रही है।

संरक्षित प्रजाति के कछुए के मांस के साथ झोलाछाप गिरफ्तार

लक्सर। संरक्षित प्रजाति के कछुए का शिकार किए जाने की सूचना पर पुलिस ने एक झोलाछाप के ठिकाने पर छापा मारा। मौके से कछुए का मांस और धारदार हथियार बरामद किए गए। पुलिस ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। रायसी चौकी प्रभारी कमलकांत रतूड़ी को मुखबिर से एक व्यक्ति द्वारा कछुए का शिकार कर उसका मांस निकालने की सूचना मिली थी। सूचना पर उन्होंने कांस्टेबल महेंद्र चौहान और अनिल वर्मा के साथ निरंजनपुर में एक निर्माणाधीन मकान पर छापा मारा। मौके पर कछुए के अवशेष और 30 किलो मांस मिला।

करंट से भैंस की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। रायसी गांव में ऊर्जा निगम की लापरवाही एक निर्दोष पशु की जान पर भारी पड़ गई। गुरुवार सुबह एक लोहे के खंभे में करंट दौड़ने से 8 महीने की गाभिन भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना गांव के निवासी मच्छर पुत्र हुकमा कश्यप के साथ हुई, जिनकी भैंस गली में खुलकर घूम रही थी और खंभे के संपर्क में आते ही करंट की चपेट में आ गई। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त खंभे में पहले भी कई बार करंट आ चुका है और इसको लेकर ऊर्जा निगम को कई बार शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद मौके पर पशुपालन विभाग की टीम पहुंची। ऊर्जा निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर करंट की समस्या को ठीक किया और भैंस स्वामी को मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। लोगों ने कहा कि खंभे में पहले से था करंट, शिकायतों के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई। भैंस मालिक मच्छर का कहना है कि उसकी भैंस की कीमत करीब 1 लाख रुपये थी, वह मुआवजे को लेकर एसडीएम लक्सर से शिकायत करेगा। एसडीओ रायसी ने बताया कि मामला संज्ञान में है, उक्त मामले में रिपोर्ट तैयार की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नवनियुक्त इमलीखेड़ा चिकित्सा प्रभारी डॉ. राव अकरम ने ली स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। नवनियुक्त इमलीखेड़ा चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर राव अकरम ने स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने अस्पताल की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर चर्चा की।

स्वास्थ्य विभाग ने रुड़की सिविल अस्पताल में तैनात डॉक्टर राव अकरम को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इमलीखेड़ा का चिकित्सा प्रभारी नियुक्त किया हैं।डॉक्टर राव अकरम ने चिकित्सा प्रभारी का पद ग्रहण करने के बाद सभी ब्लॉक इमलीखेड़ा की एलएचयू ,एएनएम एवं स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक ली। बैठक में चिकित्सा प्रभारी ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को अपने-अपने काम को लगन और ईमानदारी से करने के निर्देश दिए। साथ ही मरीजों की देखभाल और अस्पताल की स्वच्छता पर भी जोर दिया।उन्होंने कहा कि अपना सभी रिकॉर्ड भी अपडेट रखें।इसी के साथ प्रसव से पहले एवं प्रसव के बाद किलकारी प्रोग्राम टीम की ट्रेनिंग कराई। कार्यक्रम के दौरान फार्मेसी अधिकारी ब्रिजेश कुमार ने नवनियुक्त चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर राव अकरम का स्वागत किया।और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बारे में जानकारी दी।इस मौके पर मनीष सैनी, रविंद्र प्रताप, अरविंद सैनी, लता, राधा, बबीता, राखी, अलका, पूनम, अनुपम ,योगेश सैनी, विजय शर्मा,आदि स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहें।

नई नवेली पत्नी से विवाद के बाद युवक ने खाया जहर

शाह टाइम्स संवाददाता

बुग्गावाला। बुग्गावाला क्षेत्र के बंजारेवाला गांव में नवविवाहित दंपती के बीच हुए विवाद ने गंभीर मोड़ ले लिया।

जानकारी के अनुसार बंजारेवाला गांव निवासी सचिन पुत्र राजपाल की शादी विगत रविवार को हरिद्वार में हुई थी। शुरुआती चार दिन सामान्य रूप से बीत गए, लेकिन गुरुवार को सचिन और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद सचिन की पत्नी घर छोड़कर कहीं चली गई। इससे आहत होकर शुक्रवार सुबह सचिन ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। उसकी हालत बिगड़ती देख परिजनों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल सचिन की हालत स्थिर है और अब वह खतरे से बाहर है। इस पूरे मामले को लेकर परिजनों द्वारा अभी तक पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई है। वरिष्ठ उप निरीक्षक बुग्गावाला, सुनील रमोला ने बताया कि पुलिस को अब तक इस संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलती है तो मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बारात की बग्घी में उतरा करंट दो घोड़ों ने तड़पकर तोड़ा दम

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। बरात में गई बग्घी से बिजली का तार छूने के कारण करंट उतर गया। करंट लगने से दो घोड़ों की मौके पर ही मौत हो गई। बुधवार को मंगलौर कस्बे के माजिद अपनी दो घोड़ों की बग्घी लेकर लिब्बरहेड़ी गांव में एक विवाह समारोह में गए थे। गांव में बारद्वारी के समय बिजली के तार नीचे लटक रहे थे जिन्हें हटाने का प्रयास भी किया गया। इसी दौरान तार छूने से बग्घी में करंट दौड़ गया और बग्घी में जुड़े दोनों घोड़ों की मौत हो गई। गनीमत रही कि उस दौरान बग्घी में कोई नहीं था। माजिद ने पूर्व पालिकाध्यक्ष चौधरी इस्लाम के साथ एसडीओ अभिनव सैनी से मिलकर मुआवजा दिलाने की मांग की है

कर्मचारी का डेबिट कार्ड बदलकर 40 हजार निकाले

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के सेवानिवृत कर्मचारी का डेबिट कार्ड बदलकर उनके खाते से 40 हजार रुपये की रकम निकाल ली गइ। कर्मचारी ने रुड़की सिविल लाइंस कोतवाली पहुंचकर पूरा वाकया बताया और रकम वापस दिलाने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के मोहनपुरा निवासी बाबू हुसैन बीआरओ से रिटायर्ड हैं। उन्होंने शहर के एक बैंक में अपना खाता खोला हुआ है। बृहस्पतिवार को वे अपने खाते से पैसे निकाले के लिए डेबिट कार्ड लेकर निकले और सिविल लाइंस क्षेत्र के एक एटीएम में रुपये निकालने के लिए पहुंचे लेकिन रुपये नहीं निकल पाए। इसके बाद वे ढंढेरा स्थित एक एटीएम में पहुंचे। यहां रुपये निकालते समय उन्हें कुछ परेशानी हो रही थी। तभी एक युवक केबिन में घुसा और उनकी मदद की बात कहने लगा। युवक की बातों में आकर बाबू हुसैन ने उसे अपना कार्ड दे दिया। इसके बाद उसने सफाई से उनका डेबिट कार्ड बदल दिया और फिर रुपये निकालने का नाटक करने लगा। इसके बाद युवक ने कहा कि एटीएम में कुछ खराबी है और वह दूसरी जगह जाकर पैसे निकाल लें।बाबू हुसैन वहां से निकल गए और कुछ दूर जाते ही उनके मोबाइल पर 40 हजार रुपये की रकम निकलने का मैसेज आ गया। जिस पर उन्हें कार्ड बदले जाने का अहसास हुआ। कोतवाली पहुंचकर उन्होंने कार्रवाई की मांग की है।

अवैध तमंचे के साथ एक युवक को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा एक संदिग्ध यूवक को गिरफ्तार किया गया है उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा बरामद हुआ है। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन लगाम को सफल बनाने के लिए एसएसपी हरिद्वार द्वारा सभी थाना क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम व अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाए जाने के लिए निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा मुखबिर की सूचना पर 27 जून 2025 को संदिग्ध वाहन व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम निखिल उर्फ भयानक पुत्र मुकेश उम्र 19 वर्ष निवासी मुंडा खेड़ा खुर्द कोतवाली लक्सर बताया।

नायब तहसीलदार भगवानपुर के वकील विरोधी बयान को लेकर

अधिवक्ताओं में रोष, तहसील पर किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। शुक्रवार को अधि वक्ता एसोसिएशन भगवानपुर द्वारा तहसील के नायब तहसीलदार अनिल गुप्ता के विरोध में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया गया और तहसील कार्यालय पर ताला बंदी की गई गत मंगलवार को ब्लॉक सभागार भगवानपुर में बीडीसी सदस्य एव प्रधान की बैठक में तहसील के नायब तहसीलदार अनिल कुमार गुप्ता द्वारा वक्तव्य दिया गया कि दाखिल खारिज व डोल बंदी आदि कार्यो के लिए फरियादी वकीलों को फीस ना दे बल्कि सीधे तहसील के कर्मचारियों से संपर्क करें जिसके विरोध में अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया और कहा कि यह अधिवक्ता समाज का अपमान है इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा और जब तक नायब तहसीलदार अपने वक्तव्य को वापस नहीं ले लेते तब तक धरना जारी रहेगा वकीलों के धरने स्थल पर तहसीलदार भगवानपुर दयाराम पहुंचे और वकीलों को आश्वासन दिया कि वे जल्द ही जिलाधि कारी से वार्ता कर उचित समाधान निकालेंगे वकीलों ने मांग कर कहा कि सभी पटवारियों ने रिश्वत लेने के लिए अपने गुर्गे रखे हुए हैं जो आम जनता से वसूली कर रहे हैं और गरीबों का खून चूस रहे हैं और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं जिस पर तहसीलदार दयाराम ने तत्काल कार्रवाई करने के लिए कहा है अधिवक्ताओं ने उप जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा इस मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र सैनी, चौ.अनुभव,जनेश्वर प्रसाद ,अनिल टेकचंद सैनी,सचिन चौधरी,हिमांशु कश्यप, आकिल

हसन, हंसराज सैनी ,सुनील धीमान,सुनील परालिया,कुलदीप सैनी, कुलदीप चौहान,अमित शर्मा ,प्रदीप कुमार,नरेशपाल,अरविश चौहान, आसिम इकबाल,कपिल ध ीमान ,योगेश सैनी ,रामकुमार ,नरपाल आर्य,ऋतुराज सिंह,सतीश कुमार ,शादाब ,संजीव वर्मा,जाहिद राव ,आशिफ,देवांशु कांबोज,आकाश गर्ग, तरुण बंसल, नदीम ,कादिर,शशि कश्यप आदि उपस्थित रहे।

CMYK

सम्पादकीय

शनिवार, 28 जून 2025

स्थायी शांति की जरूरत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का यह कहना बिल्कुल सही है कि जब तक जटिल मुद्दों का समाधान नहीं हो जाता, तब तक चीन सीमा पर स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। असल में इस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लेने के लिए चीन गए हैं। गुरुवार को हुई बैठक से इतर उन्होंने चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन्ग जून के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में स्थापित व्यवस्था को पुन: सक्रिय कर सीमा विवादों के स्थायी समाधानों पर बल दिया। शुक्रवार को भारतीय रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी किया जिसमें कहा गया कि भारत-चीन सीमा पर शांति सौहार्द बनाए रखने की बेहद जरूरत है। अच्छी बात यह है कि श्री सिंह ने द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए दोनों पक्षों द्वारा किए जा रहे कार्य पर संतोष प्रकट किया। रक्षा मंत्री ने सीमा प्रबंधन पर जोर दिया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार दोनों नेताओं ने परस्पर लाभ के साथ-साथ एशिया और दुनिया में स्थिरता के लिए सहयोग बढ़ाने पर भी बल दिया। जैसाकि हम जानते हैं 2020 में सीमा पर उस समय गतिरोध उत्पन्न हो गया था, जब वहां सैनिक झड़प हो गई थी। तभी से ही अविश्वास का माहौल बना हुआ है। हालांकि अभी जमीन पर काम होना बाकी है, लेकिन जिस तरह दोनों मंत्रियों ने मौजूदा व्यवस्थाओं के माध्यम से सैनिकों की वापसी, तनाव कम करना, सीमा प्रबंधन और सीमांकन मुद्दों पर प्रगति हासिल करने के लिए विभिन्न स्तरों पर परामर्श जारी रखने पर सहयोग की बात की है वह एक अच्छा संकेत है। भारतीय रक्षा मंत्री चीन के रक्षा मंत्री के साथ ही बल्कि रूसी रक्षा मंत्री बेलारूस, तजाकिस्तान, कजाकिस्तान के रक्षा मंत्रियों से भी मिल रहे हैं और आपसी सहयोग के रास्ते भी तलाश रहे हैं। साथ ही वह ऑपरेशन सिंदूर के विषय में भी भारत के दृष्टिकोण को रख रहे हैं और बता रहे हैं कि आखिर भारत को ऑपरेशन सिंदूर अभियान क्यों चलाना पड़ रहा है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि जिस तरह इस समय तनाव बना हुआ है, इजरायल हमास संघर्ष, रूस-यूक्रेन और अब हाल ही में ईरान-इजरायल संघर्ष से इस बात का और महत्व बढ़ गया है कि भारत चीन के बीच तनाव को कम किया जाए। क्योंकि दुनिया और अधिक तनाव झेलने की स्थिति में नहीं है अगर और कोई संघर्ष छिड़ जाता है तो यह पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि चीन व भारत अपने बीच पनप रही अविश्वास की खाई को समय के साथ-साथ बढ़ाने के बजाए इसको कम करने का काम करें। इसी में भारत चीन ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया का हित छिपा है। यूं भी हम सभी ने देख लिया कि कोई भी युद्ध समस्याओं को जन्म ही देता है। किसी समस्या का समाधान देता दिखाई नहीं देता। चीन इस बात को जितनी जल्दी समझे, उतना ही बेहतर है, क्योंकि जहां तक बात भारत की है, भारत हमेशा से ही विस्तारवादी नीति के खिलाफ रहा है और कभी भी उसने किसी देश पर हमला नहीं किया। यही अपेक्षा भारत दूसरे देशों से भी अपने प्रति करता है। भारत ने साफ कह दिया है कि कोई भी दोस्ती एकतरफा नहीं हो सकती। समानता के आधार पर अपनाया गया फार्मूला ही कारगर साबित होगा।

विदेश भेजने के नाम पर रूसी सेना में भर्ती

प्रधानमंत्री मोदी के अमृत काल में विदेश भेजने के नाम पर जमकर धंधा चल रहा है और देश के युवाओं से भारी भरकम राशि वसूल कर उन्हें धोखे से यूक्रेन से लड़ने के लिए रूसी सेना में भर्ती कराया जा रहा है, अमृत काल में जिस तरह के काम हो रहे है, वह बेहद चिंताजनक है, देश के युवाओं को विदेश जाने के नाम पर बहला फुसला कर उनसे मोटी रकम ऐंठी जा रही है और उन्हें धोखे से रूस भेजकर सेना में भर्ती कर सीधे युद्ध के मैदान में भेजा जा रहा है, क्या सरकार रूस से पूछेगी कि बिना अनुमति के हमारे लोगों को वहां की सेना में भर्ती क्यों किया गया और क्या सरकार ने अपने लोगों को वापस लाने का कोई प्रयास किया है। सरकार ने धोखेबाज एजेंटों पर कार्रवाई नहीं की।

-अमरिंदर सिंह बरार, लोकसभा सांसद, कांग्रेस

वो आपातकाल था तो ये क्या है...

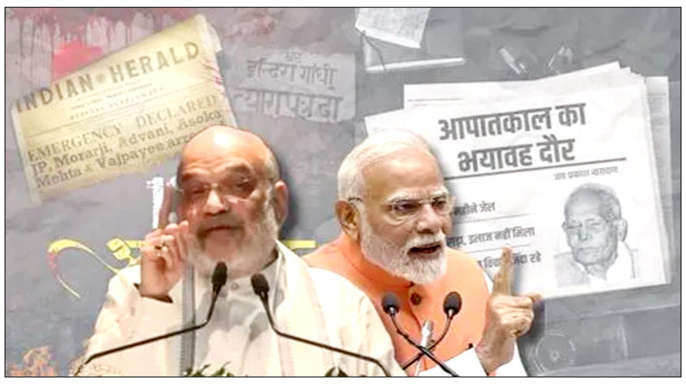

पवन सिंह

अगर आप सजग न रहे तो सत्ता और मीडिया का खतरनाक गठजोड़ आपको नफरती बना देगा। मीडिया आपमें शोषक के प्रति ही सहानुभूति पैदा कर देगा और जिसका शोषण हो रहा है, उसे अपराधी करार देगा। 2014 के बाद से भारत के मेन स्ट्रीम मीडिया ने सत्ता के साथ गलबहियां करके यही किया है। मीडिया ने अघोषित आपातकाल, अन्याय, गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी और शर्म जैसे विषयों को गौरव का विषय बना दिया और तुर्रा यह कि मीडिया आपको 1975 के उस आपातकाल की ओर ले गया, जिसका समर्थन ऐसे लोगों ने किया था, जो आज फर्जी राष्ट्रवाद का सिंदूर लगा कर टहल रहे हैं।

जनता के प्रति जवाबदेह न होना। 11 सालों में एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस न करना। उत्तर प्रदेश और बिहार में नौकरियां मांगने व रिक्त पदों को भरने की मांग को लेकर धरना दे रहे और प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं पर बर्बर लाठीचार्ज कर देना। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारी छात्रों को उनके किराए के मकानों में घुसकर पीटना, वरिष्ठ नागरिकों से रेल की सुविधा छीन लेना, पुरानी पेंशन व्यवस्था को समाप्त कर देना। किसी भी आम आदमी की पीड़ा को पूरी तरह से नजर अंदाज कर देना। इसे संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों का हनन माना जाना चाहिए या नहीं। अखबारों और चैनलों के मालिकों को खरीद लेना। जनता के सरोकारों के विषयों/खबरों को पूरी तरह से न्यूज चैनलों से गायब कर देना इसे इमरजेंसी की किस श्रेणी में रखा जाए या यह चर्चा केवल 1975 वाली दो साल की इमरजेंसी पर ही होगी या 11 सालों से अघोषित इमरजेंसी पर होगी? अपने ही देश के नागरिकों को सत्ता के लिए आपस में लड़ाकर रखना। हेट स्पीच पर केवल एक पक्षीय कार्रवाई को अघोषित इमरजेंसी माना जाए या न माना जाए? न्यायिक व्यवस्था और उसकी न्यायिक परिभाषा को धूलधूसरित कर देना, रिटायर्ड जजों को लालच या धमकी देना और फिर पद से नवाजा जाना। यह किस तरह की इमरजेंसी के तहत आएगा?

निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता वर्तमान में शून्य हो चुकी है। एक पूरी की पूरी संवैधानिक संस्था को ही लगभग खिलौना बनाकर रख देना। इसे क्या नाम दिया जाए? बार-बार वोटर लिस्ट में व्यापक गड़बड़ियां करके अपने पक्ष में खेल खिलवाना। क्या माना जाए? पहले हर विदेशी दौरों पर मीडिया साथ जाता था और उस दौरे से देश को क्या लाभ होंगे, किन-किन विषयों पर बात हुई। उसकी जानकारी साझा होती थी। यह सब 11 सालों से बंद क्यों हुआ? सिर्फ गाना-बजाना। ढोल-मंजीरा लेकर नचनिया बने पत्रकारों के झुंडों को प्रश्रय देना। इसे इमरजेंसी के खांचे में फिट किया जा सकता है कि नहीं? यूट्यूब चैनलों पर जो पत्रकार खबरों और विश्लेषणों को आम जनता से साझा कर रहे हैं। उन्हें ब्लाक क्यों किया जा रहा है? ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स जैसी एजेंसियां भ्रष्टाचार रोकने के अपने मूल उद्देश्य से भटक कर सत्ता बनाएं रखने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगीं, इसे कौन सा आपातकाल माना जाए? विकास के नाम पर जंगलों को एक तरफा काट देना। लोगों की जमीनों का बल पूर्वक अधिग्रहण कर लेना। लोगों की झुग्गी-बस्तियों को बुल्डोजरों तले चंगेज खान की तरह रौंद देना। पीड़ितों पर ही FIR करा कर जेल भेज देना। आदिवासियों की सैकड़ों की संख्या में हत्या और मीडिया की आश्चर्यजनक व रहस्यमय चुप्पी को किस आपातकाल के संदर्भ में देखा जाए?

कुछ रोज पहले सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई कि लाखों बेकसूर जेलों में हैं, जो कि भयावह है। यह क्या है? एक उदाहरण पेश है-एनडीटीवी के मालिक प्रवण राय पर सरकार के इशारे पर दर्ज केस हुआ और छापा पड़ा। फिर जांच शुरू हुई। मीडिया का एक दूसरा वर्ग जो घुटने टेक कर टेकचंद बन चुका था, अब बारी एनडीटीवी की थी, क्योंकि अघोषित आपातकाल में ऊंची आवाजें और सवाल पसंद नहीं किए जाते। लगा कि एनडीटीवी ने मालिकान ने बहुत बड़ा आर्थिक घोटाला किया है। प्रणव राय ने आखिरकार हार मान ली और एनडीटीवी एकमेव राष्ट्रीय उद्योगपति ने टेकओवर कर लिया। धीरे-धीरे सारे असल पत्रकार वहां से भगा दिए गए या खुद ही छोड़कर चले गए। यहां तक भी ठीक था, लेकिन एकमेव राष्ट्रीय उद्योगपति के चैनल खरीदते ही प्रणव राय के केस में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल हो गई। केस खत्म हो गया।।असल सवाल वहीं का वहीं खड़ा है कि अगर प्रणव राय दोषी थे तो छूटे क्यों? अगर दोषी नहीं थे तो यह सब हुआ हुआ क्यों? 2014 के बाद आपको ऐसे दर्जनों केस मिल जाएंगे। अगर आप खिलाफ थे और विपक्ष में थे तो ईडी थी, सीबीआई थी, इनकम टैक्स था, लेकिन फिर वे सारे के सारे भ्रष्टाचारी अचानक उधर से इधर आ जाते हैं और फिर सब कुछ समाप्त। ऐसा भारत के इतिहास में कब होता था? इसे कौन सा आपातकाल माना जाए?

दरअसल, 1975 वाली घोषित इमरजेंसी से सबसे ज्यादा नाराज कौन था? घोषित इमरजेंसी से सबसे ज्यादा तकलीफ किसको थी? आम आदमी को तो कोई दिक्कत नहीं थी।।ट्रेनें एकदम राइट टाइम चलने लगी थीं, सरकारी कार्यालयों में लोग बिलकुल राइट टाइम आने लगे थे, घूस मांगने की हिम्मत जवाब दे गई थी। अनाज में मिलावट और घटतौली बंद हो गई थी। फिर परेशान कौन था? परेशान थे जमींदार। परेशान थे सामंतवादी। जमींदारों और भूस्वामियों की संपत्तियों पर आंच आई और उनका प्रभाव कम हुआ। तमाम जमीनें भूमि विहीन किसानों, खेतिहरों को मिलीं। निजी बैंक खोल कर जनता का पैसा हड़पने वाले परेशान हुए, क्योंकि 1969 में 14 प्रमुख वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया था (1980 में 6 और बैंकों का राष्ट्रीय करण हुआ) इससे बैंकों के दिवालिया होने का खतरा खत्म हुआ छोटे किसानों को भी कृषि, छोटे उद्योगों और ग्रामीण क्षेत्रों को ऋण प्राथमिकता से मिलने लगे और साहूकारों की दुकान बंद हुई। अब इससे नाराज कौन था? निजी बैंकर और उद्योग. पतियों ने अपना नियंत्रण बैंकों पर से खो दिया और इसे सरकारी हस्तक्षेप माना। रूढ़िवादी अर्थशास्त्री परेशान थे उनका मानना था कि इससे नौकरशाही का प्रभाल बढ़ेगा।

जबकि गरीब, किसान और समाजवादी विचारधारा वाले लोग इसे समानता और आर्थिक न्याय की दिशा में कदम मानते थे। पूर्व राजघरानों को मिलने वाले प्रिवी पर्स (विशेष भत्ते) को समाप्त कर दिया गया जो स्वतंत्रता के समय राजाओं के साथ हुए समझौते का हिस्सा था। इससे नाराज कौन था? अंतिम और अकाट्य सत्य यह है कि होमी जहांगीर भाभा की हत्या में अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA की जो भूमिका थी, वह भयावह थी। CIA की पूरी योजना ही इस आजाद देश को तबाह करने की थी और समय रहते ही रूस द्वारा इनपुट्स मिले और आपातकाल लगा। बाद में उसके लिए माफी भी मांग ली गई और आम जनता ने बाद में बंपर वोटों से वापस आपातकाल लगाने वालों को सत्ता सौंप दी।

फिलहाल उपरोक्त अनेक सुधारों से भारत के गरीबों के बीच से एक बहुत बड़ा वर्ग उभरा, वह था मध्यम और उच्च मध्यम वर्ग, जो आज 1975 को गालियां बकता हुआ वहीं पहुंच चुका है जहां से वह मध्यम वर्ग के सुख तक आया था। अब तय आपको करना है कि घोषित आपातकाल सही था या अघोषित आपातकाल। 500 रुपये और चार पूड़ी लेकर अगर आप बिना सोचे-समझे भीड़ के साथ नाच-गा रहे हैं तो फिर इसी में मस्त रहिए, क्योंकि कुछ लोगों को घी हजम नहीं हुआ करता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

खाद्य तेल की मदद से ई-कचरे से चांदी निकालें

हर मोबाइल फोन में लगभग 100-200 मिलीग्राम चांदी होती है। इसी तरह, एक सामान्य लैपटॉप में 350 मिलीग्राम चांदी उपयोग होती है, और वर्तमान में भारत में लगभग पांच करोड़ लैपटॉप हैं। यदि भारत में मोबाइल फोन और लैपटॉप इतनी संख्या में हैं तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि पूरी दुनिया में इनकी संख्या कितनी होगी। अनुमान है कि मोबा. इल-लैपटॉप या ऐसी ही अन्य चीजों में पूरे विश्व में लगभग 7275 मीट्रिक टन चांदी लगती है, लेकिन (इन उपकरणों के खराब होने पर इनसे) बमुश्किल 15 प्रतिशत चांदी ही वापस निकालकर पुनर्चक्रित की जाती है।

सोने के बाद चांदी सबसे कीमती धातु मानी जाती है। कई परिवारों में खुशी के मौकों पर सोने-चांदी की चेन-अंगूठियां ली-दी जाती हैं (या पहनी जाती हैं)। बेशक, चांदी सोने से सस्ती है, लेकिन जब उद्योग और ऊर्जा उत्पादन में उपयोग की बात आती है तो चांदी सोने को पछाड़ देती है। पूरे भारत में चांदी का इस्तेमाल छतों पर लगे सौर पैनलों के माध्यम से सौर ऊर्जा को कैद करने में किया जाता है। इससे पूरे देश में सालाना लगभग 108 गीगावॉट स्वच्छ एवं हरित बिजली पैदा होती है। यह मात्रा कोयले से पैदा होने वाली बिजली की लगभग 10 प्रतिशत है। इसके अलावा, भारत की लगभग 1.4 अरब आबादी द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मोबा. इल फोन में विद्युत चालन और भंडारण के लिए चांदी का इस्तेमाल किया जाता है। हर मोबाइल फोन में लगभग 100-200 मिलीग्राम चांदी होती है। इसी तरह, एक सामान्य लैपटॉप में 350 मिलीग्राम चांदी उपयोग होती है, और वर्तमान में भारत में लगभग 5 करोड़ लैपटॉप हैं।

यदि भारत में मोबाइल फोन और लैपटॉप इतनी संख्या में हैं तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि पूरी दुनिया में इनकी संख्या कितनी होगी। अनुमान है कि मोबाइल-लैपटॉप या ऐसी ही अन्य चीजों में पूरे विश्व में लगभग 7275 मीट्रिक टन चांदी लगती है, लेकिन (इन उपकरणों के खराब होने पर इनसे) बमुश्किल 15 प्रतिशत चांदी ही वापस निकालकर पुनर्चक्रित की जाती है।

जब कोई फोन या कंप्यूटर खराब हो जाता है या फेंक दिया जाता है तो उसमें मौजूद चांदी भी कूड़े में चली जाती है। काश। हम इन बेकार उपकरणों से यह चांदी वापिस निकाल पाते। यह तो साफ है कि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में चांदी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस संदर्भ में मारिया स्मिरनोवा एक हालिया रिपोर्ट स्प्रॉट सिल्वर रिपोर्ट में लिखती हैं कि जैसे-जैसे अधिक. ाधिक देश सौर पैनलों का उपयोग करके अक्षय ऊर्जा बनाएंगे, वैसे-वैसे चांदी की मांग में लगातार वृद्धि होगी।

वे आगे बताती हैं कि भले ही कुछ समूह सौर ऊर्जा के लिए अन्य धातुओं (जैसे लीथियम, कोबाल्ट और निकिल) का उपयोग करने पर विचार कर रहे हैं, फिर भी स्वच्छ और हरित ऊर्जा उत्पादन में चांदी एक प्रमुख भूमिका निभाती है और, इस साल चांदी की मांग में लगभग 170 प्रतिशत वृद्धि होने की उम्मीद है। इसके अलावा, कारों, बसों और ट्रेनों में ईंधन के रूप में पेट्रोल की जगह सौर ऊर्जा का उपयोग होना शुरू हुआ है। स्मिरनोवा आगे बताती हैं कि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का अनुमान है कि 2035 तक, दुनिया भर में बिकने वाली हर दूसरी कार इलेक्ट्रिक होगी।

इसका मतलब होगा कि हमें और चांदी चाहिए होगी। इसी संदर्भ में, फिनलैंड के प्रोफेसर टिमो रेपो और उनके साथियों ने अपने शोधपत्र में चांदी को पुन:चक्रित करने की एक कुशल रासायनिक विधि प्रस्तुत की है। इस विधि में कार्बनिक वसीय अम्लों (जैसे लिनोलेनिक या ओलिक एसिड) का उपयोग चांदी निकालने में किया गया है। यह कार्बनिक वसीय अम्ल तिलहन, मेवों और वनस्पति तेलों जैसे जैतून का तेल या मूंगफली का तेल में पाए जाते हैं, जिनका दैनिक भोजन में उपयोग होता है।

गौरतलब है कि इलेक्ट्रॉनिक कचरे से चांदी को पुनरू प्राप्त करना आसान नहीं हैरू प्रबल अम्लों और साइनाइड के उपयोग की वजह से इस प्रक्रिया में विषाक्त पदार्थ पैदा हो सकते हैं। अन्य धातुओं और मिश्र धातुओं से चांदी को अलग करने की पारंपरिक विधियों का उपयोग करने की बजाय उपरोक्त समूह ने सूरजमुखी, मूंगफली और अन्य तेलों में प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले साधारण असंतृप्त वसीय अम्लों के उपयोग से चांदी को अलग करके पुनरू हासिल करने की एक विधि विक. सित की है। समूह ने पाया कि इनका पुनर्चक्रण किया जा सकता है और इस प्रकार यह कार्बनिक विलायक और जलीय माध्यम से बेहतर हैं। शोधकर्ताओं ने इस विधि को शहरी खनन में भी कारगर पाया है, जहां कबाड़ या कचरे में फेंके गए कंप्यूटर के मदरबोर्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों के कचरे से चांदी पुनरू निकाली जा सकती है। शोध दल का निष्कर्ष है, ह्वसीय अम्ल बहुमूल्य बहु-धातु अपशिष्ट के निपटान का उन्नत माध्यम बन सकते हैं।

-डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन
(स्रोत फीचर्स)

सिंगापुर: एक भीड़ भरे शहर में हरियाली की तलाश

सिंगापुर मात्र 730 वर्ग किलोमीटर का द्वीप देश है, आबादी करीब 60 लाख। इसके घनी शहरी बसाहट के बीच कुछ नाजुक प्राकृतिक क्षेत्र भी हैं, जिन्हें बचाने की जरूरत है। ऐसा ही एक जंतु जोहोरा सिंगापोरेन्सिस है। यह एक दुर्लभ, निशाचर, मीठे पानी का केकड़ा है और केवल सिंगा. पुर के आरक्षित क्षेत्रों में जलधाराओं के आसपास पाया जाता है।

2008 में जब इसकी संख्या तेजी से घटने लगी, तब यह पर्यावरणीय चिंता का विषय बन गया। एक छात्र द्वारा इसे ढूंढने के असफल प्रयासों ने सरकार और वैज्ञानिकों को सतर्क किया। इसके बाद सरकार के नेशनल पार्क्स बोर्ड ने वैज्ञानिकों और संगठनों के साथ मिलकर इस केकड़े को बचाने के लिए प्रजनन और पुनर्वास कार्यक्रम शुरू किया। आज भी यह केकड़ा संकटग्रस्त है, लेकिन इन प्रयासों से इसके जीवित रहने की संभावना कुछ बेहतर हुई है।

तेज विकास के दबाव के बीच सिंगापुर की हरियाली को बचाने की कोशिश काबिल-ए-तारीफ है। 1819 में जब यह एक ब्रिटिश व्यापारिक केंद्र बना था, तब से अब तक देश के ज्यादातर मूल वर्षावन खत्म हो चुके हैं। अब केवल थोड़ा-सा हिस्सा बचा है, जिसे सेंट्रल कैचमेंट नेचर रिजर्व में संरक्षित किया गया है। सिंगापुर के सामने एक बड़ी चुनौती बढ़ती आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ-साथ अपनी प्राकृतिक धरोहर को बचाए रखना भी है। भले ही देश में जन्म दर घट रही है, लेकिन विदेश से आने वाले मजदूरों और छात्रों के कारण आबादी लगातार बढ़ रही है। यहां की एक-तिहाई आबादी प्रवासी है। लगभग 80 प्रतिशत लोग सरकार द्वारा बनाए गए बहुमंजिला मकानों में रहते हैं। 2025 तक करीब 1 लाख नए मकान बनाने की योजना है, जिनमें से कुछ वन्य क्षेत्रों में बनेंगे। तेजी से हो रहे विकास को लेकर पर्यावरणविदों में चिंता बढ़ रही है। सरकार भले ही एक करोड़ पेड़ लगाने और एक लाख कोरल ट्रांसप्लांट करने जैसे दीर्घकालिक उपायों का वादा कर रही है, लेकिन आलोचकों का मानना है कि ए कोशिशें शायद काफी नहीं हैं। इस स्थिति में कई सवाल उठते हैं-इन परियोजनाओं के दौरान कितने पेड़ काटे जा रहे हैं? क्या सैकड़ों साल पुराने जंगल आधुनिक घरों के लिए खत्म किए जा रहे हैं और क्या इतने बड़े पैमाने पर कोरल ट्रांसप्लांट करना वास्तव में मुमकिन है? पर्यावरण से जुड़े कई लोग इस बात से भी नाराज हैं कि सरकार की योजना से जुड़ा डैटा आसानी से नहीं मिलता, जिससे आपसी सहयोग में बाधा आती है। भले ही एनपार्क्स कहता है कि ज्यादातर योजनाएं साझेदारी से चलती हैं, लेकिन आंकड़े साझा न किए जाने को लेकर असहमति बनी हुई है। कई बार सरकार लुप्तप्राय प्रजातियों की जानकारी इसलिए नहीं देती कि कहीं उनका शिकार न होने लगे लेकिन पारदर्शिता की कमी लोगों के बीच अविश्वास पैदा करती है। 2024 में विशेषज्ञों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा मिलकर तैयार किए गए सिंगापुर टेरेस्ट्रियल कंजर्वेशन प्लान में सुझाव है कि पर्यावरण से जुड़ी योजनाओं में बेहतर संवाद और आम लोगों की अधिक भागीदारी होनी चाहिए, लेकिन कुछ

कार्यकर्ता अब भी संदेह में हैं। उनका कहना है कि जब तक किसी जंगल को काटे जाने की योजना की खबर आम जनता तक पहुंचती है, तब तक फैसला लिया जा चुका होता है। इन चुनौतियों के बावजूद, शहरी हरियाली को लेकर सिंगापुर की कोशिशें दुनिया भर में सराही जाती हैं। यहां पेड़ों की छांव (ट्री-कैनपी) का घनत्व दुनिया में सबसे ज्यादा है। कारण है कड़े नियम, जिनके तहत नई इमारतों में पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन अनिवार्य हैं। जैसे हरित छतें और पेड़ों से सजे पैदल पुल। एक शानदार उदाहरण है बिशन-आंग मो किओ पार्क, जो न सिर्फ सैर-सपाटे के लिए मशहूर है, बल्कि जलवायु लाभ भी देता है। 62 हैक्टर में फैला यह पार्क आसपास की ऊंची इमारतों वाले इलाकों की तुलना में लगभग 3 डिग्री सेल्सियस ठंडा रहता है और लोगों को राहत पहुंचाता है। हरित क्षेत्र बारिश का पानी सोखने, शोर कम करने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी मदद करते हैं।

सिंगापुर की सरकार अपनी पर्यावरण नीति को प्रकृति में बसा शहर कहती है। यह एक महत्वाकांक्षी सोच को जाहिर करता है जिसमें शहर के हर पहलू में प्रकृति को शामिल करने की कोशिश है। इस घनी आबादी वाले शहर में प्रकृति को केवल बचाया नहीं गया है, बल्कि उसे रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बना दिया गया है। सिंगापुर का अनुभव दुनिया भर के शहरों के लिए एक मिसाल हैरू पर्यावरण संरक्षण का मतलब प्रगति को रोकना नहीं है बल्कि इसके लिए समझदारी से फैसले लेने तथा खुली बातचीत और दूर.ष्टि की जरूरत होती है। उम्मीद है आगे भी सिंगापुर बाकी दुनिया के लिए मिसाल बना रहेगा।

-स्रोत फीचर्स

पर्यावरण से जुड़े कई लोग इस बात से भी नाराज हैं कि सरकार की योजना से जुड़ा डैटा आसानी से नहीं मिलता, जिससे आपसी सहयोग में बाधा आती है। भले ही एनपार्क्स कहता है कि ज्यादातर योजनाएं साझेदारी से चलती हैं, लेकिन आंकड़े साझा न किए जाने को लेकर असहमति बनी हुई है। कई बार सरकार लुप्तप्राय प्रजातियों की जानकारी इसलिए नहीं देती कि कहीं उनका शिकार न होने लगे लेकिन पारदर्शिता की कमी लोगों के बीच अविश्वास पैदा करती है। 2024 में विशेषज्ञों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा मिलकर तैयार किए गए सिंगापुर टेरेस्ट्रियल कंजर्वेशन प्लान में सुझाव है कि पर्यावरण से जुड़ी योजनाओं में बेहतर संवाद और आम लोगों की अधिक भागीदारी होनी चाहिए।

अब उल्टा 2.5 लाख करोड़ की ईरान को मदद देगा अमेरिका

सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम में इन्वेस्टमेंट करेगा, कई प्रतिबंधों में राहत भी देगा वॉशिंगटन

इस डील के तहत ईरान को कुछ प्रतिबंधों से भी छूट मिल सकती है

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका, ईरान को उसके सिविल एनर्जी प्रोडक्शन न्यूक्लियर प्रोग्राम को विकसित करने में मदद करने पर विचार कर रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान को 30 अरब डॉलर (करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए) के निवेश का प्रस्ताव दिया है, जिसके तहत ईरान यूरेनियम का संवर्धन किए बिना सिविल एनर्जी के लिए परमाणु कार्यक्रम शुरू कर सकता है।

इस डील के तहत ईरान को कुछ प्रति. बंधों से भी छूट मिल सकती है और उसे विदेशी बैंकों में जमा 6 अरब डॉलर तक की राशि तक पहुंच मिल सकती है, जिस पर फिलहाल प्रतिबंध है। सिविल एनर्जी प्रोडक्शन न्यूक्लियर प्रोग्राम ऐसा परमाणु कार्यक्रम होता है जिसका इस्तेमाल सिर्फ बिजली या ऊर्जा बनाने के लिए किया जाता है, न कि हथियार बनाने के लिए। इसमें न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाए जाते हैं जो परमाणु रिएक्शन का उपयोग कर बिजली पैदा करते हैं। इसका सैन्य उद्देश्यों या हथियारों से कोई लेना-देना नहीं होता। यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता शुरू करने की कोशिश का हिस्सा बताया जा रहा है।

20 जून को व्हाइट हाउस में अमेरिकी दूत स्टीव विटकाफ और खाड़ी देशों के नेताओं के बीच एक सीक्रेट मीटिंग हुई। इसमें प्रस्ताव पर चर्चा हुई। अमेरिका का कहना है कि वह इस कार्यक्रम के लिए सीधे पैसे नहीं देगा, बल्कि उम्मीद है कि खाड़ी के दूसरे देश इसमें निवेश करेंगे। वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची ने गुरुवार को स्वीकार किया कि अमेरिका और इजरायल के हमलों से ईरान के परमाणु ठिकानों को 'भारी क्षति' हुई है। यह बयान सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और देश के अर्धसैनिक समूह, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के दावों के विपरीत है। अराग्ची ने सरकारी प्रसारक आईआरआईबी न्यूज के साथ साक्षात्कार में कहा कि परमाणु ठिकानों को 'गंभीर नुकसान' पहुंचा है और अब इस नुकसान का आकलन किया जा रहा है। उनका यह बयान खामेनेई और आईआरजीसी के दावों के विपरीत है, जिन्होंने उन हमलों को मामूली बताया था। उन्होंने कहा कि फिलहाल अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रोसी को ईरान आने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अमेरिका से वार्ता फिर से शुरू करने के लिए कोई समझौता नहीं हुआ: ईरान

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरानी क्षेत्र पर हमलों के बाद बढ़े तनाव के बीच अमेरिका के साथ वार्ता फिर से शुरू करने के लिए कोई व्यवस्था या प्रतिबद्धता नहीं की गई है। सरकारी प्रसारक 'आईआरआईबी' के साथ एक साक्षात्कार में अराघची ने कहा कि वार्ता फिर से शुरू करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि तेहरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जाती है या नहीं। उन्होंने कहा कि हमारे निर्णय पूरी तरह से ईरान के हितों पर आधारित होंगे। यदि हमारे हितों के लिए वार्ता की वापसी की आवश्यकता है, तो हम इस पर विचार करेंगे। लेकिन इस स्तर पर कोई समझौता या वादा नहीं किया गया है और कोई बातचीत नहीं हुई है।

मुंबई। संगीतकार दिवंगत आरडी बर्मन को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करती गायिका आशा भोसले।

अमेरिका के साथ युद्ध विराम वार्ता में खामेनेई को किया गया पूरी तरह दरकिनार

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को इजरायल के साथ युद्ध समाप्त करने संबंधी बातचीत और अमेरिका के साथ युद्धविराम वार्ता में पूरी तरह दरकिनार किए जाने की रिपोर्टें हैं। ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, संपूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रिया ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद और राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अपने हाथों में रखी थीं और उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के युद्ध विराम प्रस्ताव का तुरंत जवाब दिया।

मार्च से अब तक इजरायल पर 309 मिसाइलें और ड्रोन दागे गए: हूती नेता

सना। यमन के हूती नेता अब्दुल-मलिक अल-हूती ने गुरुवार को कहा कि उनके बलों ने मार्च के मध्य से अब तक इजरायल पर 309 बैलिस्टिक, हाइपरसोनिक मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं और जिसे समूह अपने सैन्य अभियान का दूसरा चरण कहता है। इस्लामिक नव वर्ष के अवसर पर हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी पर प्रसारित एक टेलीविज़न भाषण में, अल-हूती ने कहा कि इस महीने अकेले 25 मिसाइलें और ड्रोन दागे गए, जिसे उन्होंने गाजा के समर्थन में गुणात्मक सैन्य अभियान बताया। उन्होंने फिर से पुष्टि की कि लाल सागर इजरायल से जुड़े समुद्री यातायात के लिए बंद है। उसने इजरायल पर अमेरिका के समर्थन से गाजा में अपना आक्रमण जारी रखने का आरोप लगाया। अल-हूती ने फलीस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त करने तथा ईरान को महान विजय और दृढ़ता के लिए बधाई देने के लिए आज सना तथा हूती नियंत्रण वाले अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रैलियां आयोजित करने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में किशोर पर हत्या का आरोप

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने ब्रिसबेन में 58 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के आरोप में एक किशोर को आरोपी बनाया है। ऑस्ट्रेलियाई राज्य क्वींसलैंड की पुलिस ने आज बताया कि ब्रिसबेन के अंदरूनी उत्तरी इलाके क्लेफील्ड में एक घर में कल रात करीब 8:15 बजे एक व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना पर आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था। अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और पाया कि 58 वर्षीय व्यक्ति मृत अवस्था में है और साथ ही वहां किशोरों का एक बड़ा समूह भी मौजूद है। पुलिस ने इलाके की तलाशी ली और पास में ही एक 15 वर्षीय लड़का मिला, जो उस व्यक्ति को जानता था।

कोलंबिया भूस्खलन में मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हुई

बोगोटा। उत्तर-पश्चिमी कोलंबिया में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है तथा अन्य 12 अभी भी लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि भूस्खलन की चपेट में आने से कई लोग घायल हो गए हैं और करीब एक हघर लोग बेघर हो गए हैं। मेयर लोरेना गोंजालेज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राहत और बचाव दल बेलो शहर के प्रभावित एल पिनार इलाके में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं, ताकि जीवित बचे हुए लोगों की तलाश की जा सके। गोंजालेज ने कहा कि बचाव ऑपरेशन जारी है। हमें उम्मीद है कि मलबे में दबे लोग जीवित मिलेंगे। उन्होंने लोगों से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में घरों को खाली करने का आग्रह किया।

इलेक्ट्रॉनिक कचरे से सोना निकालने की नई तकनीक विकसित

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने सोने को अयस्क और इलेक्ट्रॉनिक कचरे से निकालने का एक अधिक टिकाऊ तरीका विकसित किया है, जो पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचाते हुए सोना निकालने की प्रक्रिया को बदल सकता है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 2022 में ई-कचरा 6-20 करोड़ टन पहुंचने के बाद, इस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक नई तकनीक विकसित की है, जिससे सस्ते और सुरक्षित रसायनों की मदद से सोना निकाला जा सकता है।

युद्ध विराम के बाद कूटनीतिक रास्ता अपनाने का किया आग्रह

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुए युद्ध विराम पर चर्चा करने के लिए फोन पर बात की। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाने की जरूरत है। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत की मेज पर लौटने और सैन्य बल का सहारा लेने से परहेज करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सिसी और स्टारमर ने युद्ध विराम के बाद तनाव में हुई कमी का स्वागत किया।

लोकतंत्र से भटक रहा अमेरिका: ओबामा

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने पिछले हफ्ते अमेरिकी राज्य कनेक्टिकट के हार्टफोर्ड शहर में एक कार्यक्रम में भाषण दिया।

प्रसिद्ध इतिहासकार हीदर काक्स के साथ चर्चा में ओबामा ने देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चिंता जताई और युवाओं से देश को बचाने की अपील की। ओबामा ने ट्रम्प सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग आज अमेरिका की सरकार चला रहे हैं, वे लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जरूरी है कि सरकार के बाहर और अंदर दोनों जगह से गलत चीजों का विरोध हो। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। ओबामा ने कहा कि व्यापारिक सौदों में डराया जा रहा है, जो केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी खतरनाक है। उन्होंने अपने कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि चीन की बढ़ती ताकत के बावजूद उन्होंने टैरिफ जैसे उपायों

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा: ट्रम्प सरकार देश को खोखला कर रही ट्रेड वॉर से खतरे में देश की गरिमा

का बेजा इस्तेमाल नहीं किया था, क्योंकि यह अमेरिका की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने ट्रेड वार को गलत बताते हुए कहा कि इससे देश की गरिमा खतरे में है। ओबा. मा ने अमेरिका की तुलना हंगरी जैसे देशों से की, जहां चुनाव तो होते हैं, लेकिन वहां सच में लोगों की आवाज की कद्र नहीं होती और नेता मनमानी करते हैं।

चीन-पाक के सपनों पर बांग्लादेश ने फेरा पानी, भारत चिंतामुक्त

ढाका। एशिया में मजबूत गठजोड़ को लेकर चीन और पाकिस्तान के मंसूबों पर बांग्लादेश ने पानी फेर दिया है। पिछले दिनों बांग्लादेश, चीन और पाकिस्तान के सचिल स्तर के अधिकारियों ने बीजिंग में एक बैठक की थी। इसके बाद कहा जा रहा था कि भारत के विरोध में ये तीनों देश एक साथ आ गए हैं।

हालांकि, अब बांग्लादेश ने इसे सिरे से खारिज किया है। बांग्लादेश के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन के मुताबिक हमारे साथ कोई भी गठबंधन नहीं बनने जा रहा है। बांग्लादेश किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं है। हम किसी एक देश के खिलाफ नहीं है। द डेली स्टार के मुताबिक तौहीद ने कहा कि तीनों सचिवों के बीच जो बैठक हुई थी, वो एक आधिकारिक बैठक थी। राजनीतिक

तीनों सचिवों के बीच जो बैठक हुई थी, वो एक अधिकारिक बैठक थी: तौहिद

बैठक नहीं थी। इसलिए गठबंधन की बात तो कहीं से भी ठीक नहीं है। बांग्लादेश किसी एक देश के खिलाफ काम नहीं करता है। तौहिद ने कहा कि बैठक में उर्जा, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर बात हुई। इस तरह की बात से कोई मोर्चा नहीं बनता है। यह सब मीडिया की सिर्फ खबरें हैं। तौहिद ने कहा कि अगर भारत बांग्लादेश और नेपाल के साथ अगर मिलकर कोई बैठक करना चाहता है तो हम स्वागत करेंगे। हम इसके लिए ढाका की धरती भी मुहैया कराएंगे। हमारी कोशिश है कि पड़ोस से रिश्ते बेहत. रीन रहे। तौहिद के मुताबिक बांग्लादेश का विजन बड़ा है और हम सिर्फ काम पर फोकस कर रहे हैं। हम अपने विदेश नीति को ठीक ढंग से संचालित करने की कोशिश कर रहे हैं। विदेश सलाहकार ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हम रिश्ते सुधारने की कवायद में जुटे हैं। रिश्तों में गर्माहट नहीं है तो यह ठंडा भी नहीं पड़ा है। हमारे पास सद्भाव की कमी नहीं है। हमारे लोग लगातार लगे हुए हैं। तौहिद के मुताबिक जल्द ही सबकुछ पटरी पर आ जाएंगे। अगस्त 2024 में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से ही बांग्लादेश और भारत के रिश्तों में तल्खी आ गई। बांग्लादेश की यूनुस सरकार शेख हसीना को लेकर भारत के खिलाफ अग्रेसिव है। वहीं भारत भी बांग्लादेश को तवज्जो देने के मूड में नहीं है।

24 घंटे में चीन से पाक को दूसरा बड़ा झटका

जेट-35 की फेल डील के बाद अब नहीं मिलेगी हाइपरसोनिक मिसाइल

बीजिंग। पाकिस्तान की अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने की उम्मीदों को चीन ने बड़ा झटका दिया है। चीन ने न केवल पाकिस्तान को हाइपरसोनिक मिसाइल देने से मना किया है, बल्कि इसकी टेक्नोलॉजी को ट्रांसफर करने से भी साफ इन्कार कर दिया है।

सूत्रों की माने तो बीजिंग ने इस्लामाबाद को साफ शब्दों में बता दिया है कि उसकी हाइपरसोनिक मिसाइलें एक्सपोर्ट के लिए नहीं हैं और इनका कोई एक्सपोर्ट वर्जन भी विकसित नहीं किया गया है। पाकिस्तान लंबे समय से चाहता था कि चीन उसे हाइपरसोनिक मिसाइल दे, ताकि वह भारत की बढ़ती मिसाइल ताकत का मुकाबला कर सके। भारत ने हाल के वर्षों में हाइपरसोनिक मिसाइल सिस्टम, बैलिस्टिक मिसाइल, सुपरसो. निक क्रूज मिसाइल और हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डेमॉन्सट्रेटर व्हीकल जैसे एडवांस हथियार विकसित किए हैं।

टेक्नोलॉजी को ट्रांसफर करने से भी साफ इन्कार किया

खासकर ऑपरेशन सिंदूर में भारत की ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत देखकर पाकिस्तान बेचैन है। वह ऐसी मिसाइलें चाहता है, जो ध्वनि की गति से पांच गुना तेज हों और जिन्हें रोकना लगभग असंभव हो। चीन ने हालांकि साफ कर दिया है कि वह अपनी स्पेशल हाइपरसो. निक तकनीक को सीक्रेट रखना चाहता है। उसे डर है कि अगर यह तकनीक पाकिस्तान को दी गई, तो पश्चिमी देशों या उनकी खुफिया एजेंसियों को इस पर रिसर्च करने का मौका मिल सकता है। इससे चीन की सैन्य रणनीति से जुड़े रहस्य उजागर हो सकते हैं। विशेषज्ञों की माने तो चीन अपनी डीएफ-17 जैसी मिसाइलों को अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ महत्वपूर्ण हथियार के तौर पर देखता है। इसलिए वह इस तकनीक को किसी के साथ शेयर करने से बच रहा है। चीन और पाकिस्तान के बीच मजबूत रक्षा संबंधों के बावजूद यह इनकार दोनों देशों की दोस्ती की सीमाओं को दर्शाता है। दोनों देश सीपेक, लड़ाकू विमान, नौसैनिक जहाज और अन्य मिसाइल सिस्टम पर मिलकर काम कर रहे हैं, लेकिन हाइप. रसोनिक मिसाइल के मुद्दे पर चीन का रुख सख्त रहा है। यह चीन-पाक के मजबूत रक्षा संबंधों में एक बड़े मतभेद के रूप में देखा जा रहा है। जहां एक ओर दोनों देश सीपीईसी, लड़ाकू विमान, नौसैनिक जहाज और मिसाइल सिस्टम पर मिलकर काम कर रहे हैं, वहीं इस इंकार ने उनकी हर मौसम की दोस्ती की सीमाएं भी उजागर कर दी हैं। यह फैसला पाक के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि वह भारत की डिफेंस प्रोग्रेस से दबाव में है और इस तकनीक को हासिल करने की उम्मीदें धराशाई हो गई हैं।

कतर के लिए गुलाब की खुशबू वाली लीची की पहली खेप रवाना

नई दिल्ली। भारत ने बाग. वानी निर्यात को बढ़ावा देते हुए पंजाब के पठानकोट से कतर की राजधानी दोहा तथा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सबसे बड़े शहर दुबई के लिए डेढ़ मीट्रिक टन गुलाब की खुशबू वाली लीची की पहली खेप रवाना की है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि दोहा के लिए एक टन लीची की पहली खेप रवाना की गई है।

पठानकोट से दुबई को 0.5 मीट्रिक टन लीची की एक अलग खेप भेजी गई है जो निर्यात में दोहरी उपलब्धि और वैश्विक ताजे फल बाजार में भारत की बढ़ती उपस्थिति दर्शाता है। इस पहल को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत

पठानकोट से दुबई को 0.5 मीट्रिक टन लीची की एक अलग खेप भेजी गई

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (अपेडा) ने पंजाब सरकार के बागवानी विभाग ने लुल्लू समूह और सुजानपुर के प्रगतिशील किसान प्रभात सिंह के सहयोग से सुगम बनाया। उन्होंने गत 23 जून को उच्च गुणवत्ता वाली उपज की आपूर्ति की। यह महत्वपूर्ण पहल भारत की बाग. वानी उपज की उत्कृष्टता को रेखांकित करती है और देश की बढ़ती कृषि-निर्यात क्षमताओं को भी उजागर करती है। यह कृषक समुदायों को उनके ताजे और उच्च मूल्य वाले उत्पादों के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच प्रदान करके अपार अवसर प्रदान करता है। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 के लिए पंजाब का लीची उत्पादन 71490 मीट्रिक टन रहा जो भारत के कुल लीची उत्पादन में 12.39 प्रतिशत का योगदान देता है। इसी अवधि के दौरान भारत ने 639.53 मीट्रिक टन लीची का निर्यात किया। खेती का रकबा 4327 हेक्टेयर था जिसकी औसत उपज 16523 किलोग्राम/हेक्टेयर थी। रवाना की गई खेप में प्रीमियम पठानकोट लीची का एक रीफर पैलेट (रेफ्जिरेटेड कंटेनर) शामिल है जो इस क्षेत्र के उत्पादकों के लिए एक बड़ा कदम है।

पाक में भारी वर्षा के कारण सात की मौत

इस्लामाबाद। पाक के पूर्वी पंजाब प्रांत में भारी बारिश के कारण पिछले 24 घंटों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कल देर रात यह जानकारी दी। प्राधिकरण ने बताया कि झेलम नदी में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। ओकारा और बहावलनगर में वर्षा जनित घटनाओं में एक-एक बच्चे की मृत्यु की खबर है। मुजफ्फरगढ़ में दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और खानेवाल में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई। इस बीच मुल्तान, फैसलाबाद, साहीवाल, शोरकोट और मंडी बहा. उद्दीन से बारिश से जुड़ी अन्य दुर्घटनाएं सामने आईं जो ज्यादातर छत और दीवार गिरने या बिजली के झटके के कारण हुईं।

भारतीय सेना की 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस की विरासत को समर्पित कोरिया युद्ध की 75वीं वर्षगांठ

नई दिल्ली। कोरियन कल्चरल सेंटर इंडिया ने कोरियाई युद्ध की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में यहां कोरिया-भारत मैत्री पर बनी एक फिल्म की स्क्रीनिंग कर इस युद्ध में भारतीय सेना की 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस की ओर से की गई नि:स्वार्थ सेवा को याद किया। कोरियाई युद्ध में भारतीय सेना की 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस ने संयुक्त राष्ट्र बलों के साथ सेवा दी थी। इस आयोजन ने कोरिया और भारत के बीच गहरी मित्रता और एकजुटता को फिर से पुष्टि की है।

फिल्म 'ताएगुकगी: द ब्रदरहुड ऑफ वॉर' एक बंटे हुए देश की पीड़ा और युद्ध के समय भाईचारे के रिश्ते को दर्शाती है। यह फिल्म कोरिया और भारत के साझा मूल्यों और बलिदानों की गहरी याद दिलाती है। इसमें वॉन बिन मुख्य भूमिका में हैं, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बोंग जून-हो द्वारा

इस आयोजन ने कोरिया व भारत के बीच गहरी मित्रता की पुष्टि की है

निर्देशित फिल्म 'मदर' के लिए जाना जाता है। उनके साथ जांग डोंग-गुन हैं, जो 'फ्रेंड' और 'अ जेंटलमैन्स डिग्निटी' जैसी हिट फिल्मों के लिए लोकप्रिय हैं। इन दोनों कलाकारों के भारत में भी बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं। कोरियन कल्चरल सेंटर इंडिया के निदेशक वांग इल यॉन्ग ने कहा कि फिल्म सिर्फ एक माध्यम नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, यादों और समझ को साझा करने का एक मजबूत पुल है। कोरियाई युद्ध के दौरान भारत द्वारा 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस को भेजना सच्ची दोस्ती और महान बलिदान का प्रतीक है। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम दर्शकों को कोरिया और भारत के मजबूत रिश्तों पर सोचने और सिनेमा के माध्यम से एक गहरे जुड़ाव और सहानुभूति का अनुभव करने का मौका देगा। उल्लेखनीय है कि 1950 में भारत ने 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस की टुकड़ी को कोरिया भेजा, जिसमें 341 चिकित्सा कर्मी शामिल थे। यह इकाई युद्ध के मोर्चे पर तैनात रही और घायल सैनिकों को बचाने और उनका उपचार करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। पूरे 25 महीनों तक कोरिया में सेवाएं देते हुए, उन्होंने मानवता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की भावना का आदर्श उदाहरण पेश किया। फिल्म स्क्रीनिंग के साथ-साथ, दर्शकों को कोरियाई कैलीग्राफी (लिखावट) कार्यशाला में भाग लिया, जहां कोरिया की प्राकृतिक सुंदरता को बहुत ही जीवंत तरीके से अनुभव किया। यह कार्यक्रम केवल देखने तक सीमित नहीं था, बल्कि लोगों को कोरिया के इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़ने का मौका भी मिला।

ADMISSION OPEN
Session 2025-26
न्यू स्टेट नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज
12 किमी. स्टोन, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर
Affiliated by: U.P. State Medical Faculty Lucknow and recognized by the U.P. Govt.
कोर्स
• डी० पी० टी० • ऑप्टोमैट्री • ओ० टी० टैक्नीशियन
कोर्स अवधि : 2 वर्ष
योग्यता : 12वीं पास बायोलोजी/गणित
हसन नर्सिंग होम

92, उत्तरी सरवट गेट, मुजफ्फरनगर
मो0: 8899777782, 9897640744
अखबार की कटिंग साथ लाने वाले को 5000 की छूट